दिल्ली में नई ईवी नीति 2026 घोषित.. 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कल्चर बुलिंग का ही रूप है बॉलिवुड... 11

वर्ष - 02, अंक - 87 | गाजियाबाद / मंगलवार 30 जून 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ-12, मूल्य - 04 रूपए

संक्षिप्त समाचार

उद्धव ठाकरे ने भाजपा को 'बाबर जनता पार्टी' बताया

● कहा- 6 बागी सांसदों की सदस्यता रद्द हो, वे विकास नहीं

धाराशिव/परभणी (एजेंसी)। शिवसेना (बीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पार्टी से बागी 6 सांसदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की। उन्होंने कहा, 'अगर देश में कानून का राज है तो इन सांसदों को अयोग्य ठहराया जाना चाहिए। ये सांसद विकास के लिए नहीं, बल्कि अपने स्वार्थ के लिए गए हैं।' उद्धव ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी पर भाजपा का 'बाबर जनता पार्टी' बताया। उन्होंने कहा, 'बाबर ने राम मंदिर तोड़ा था। अब बाबर जनता पार्टी नए बने राम मंदिर को लूट रही है। दोनों में क्या फर्क है?'

उद्धव इन दिनों मराठवाड़ा के दौरे पर हैं। बाकी सांसदों के संसदीय क्षेत्रों में जाकर जनसभाएं कर रहे हैं। रविवार को उन्होंने परभणी और धाराशिव में अलग-अलग सभाओं को संबोधित किया।

रोडवेज और पिकअप में टक्कर, 3 लोगों की मौत

● फ्लाईओवर से नीचे गिरे, पिकअप दो हिस्सों में बंटी

हरिद्वार (एजेंसी)। हरिद्वार में रोडवेज बस और पिकअप की आमने-सामने की टक्कर हो गई, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा इतना भीषण था कि पिकअप का आधा हिस्सा अलग हो गया और दो लोग फ्लाईओवर से नीचे जा गिरे, जिनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना सोमवार तड़के श्यामपुर थाना क्षेत्र की है। बस चंपावत जिले के टनकपुर डिपो की थी। आसपास मौजूद लोगों और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

रेप-मर्डर के दोषी को फांसी की सजा सुनाई

● पुणे में 65 साल के व्यक्ति ने 3 साल की बच्ची से रेप किया था

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे जिले में 3 साल की बच्ची से रेप और हत्या करने के आरोपी 65 साल के दोषी भीमराव कांबले को विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई है। कोर्ट का यह फैसला वारदात के 60 दिन बाद आया है। अदालत ने इस मामले को रेयरेस्ट ऑफ रेयर श्रेणी का बताते हुए

कहा कि आरोपी का कृत्य बेहद क्रूर, अमानवीय और बर्बर था।

सोमवार सुबह 11 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच आरोपी को अदालत में पेश किया गया था। कांबले पेशे से मजदूर हैं। वह 7 बच्चों का पिता और 11 बच्चों के दादा हैं। यह घटना 1 मई को पुणे जिले के नसरापुर गांव में हुई थी।

उपराज्यपाल ने दर्शन किए, यात्रा 3 जुलाई से शुरू, सिक्योरिटी का ट्रायल हुआ

अमरनाथ यात्रा से पहले बाबा बर्फानी की हुई पहली पूजा

जम्मू-श्रीनगर (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा शुरू होने के 3 दिन पहले सोमवार को बाबा बर्फानी की पहली पूजा हुई। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल और श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने पूजा की।

इस साल 3 जुलाई से बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों से अमरनाथ यात्रा शुरू होगी। यात्रा 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन खत्म होगी। कुल 57 दिनों की यात्रा चलेगी। अधिकारियों के मुताबिक, 15 अप्रैल से अब तक 4 लाख से अधिक श्रद्धालु यात्रा के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। श्रद्धालुओं का पहला जत्था 2 जुलाई को जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से यात्रा रूट के लिए रवाना होगा।

यात्रा का पूरा रुट 48 किलोमीटर लंबा है

अमरनाथ यात्रा के लिए दो रुट हैं, पहला 41 किलोमीटर लंबा पारंपरिक पहलगाम रुट और दूसरा 7 किलोमीटर लंबा बालटाल रुट। पहलगाम रुट अमरनाथ यात्रा का पारंपरिक रुट है। यहां से पवित्र गुफा तक पहुंचने में आमतौर पर 3 से 4 दिन लगते हैं। इस मार्ग पर चढ़ाई धीरे-धीरे होती है, जिससे श्रद्धालुओं का शरीर ऊंचाई और कम ऑक्सीजन वाले वातावरण के अनुकूल हो जाता है। साथ ही, रास्ते में शेषनाग और पंचतरणी जैसे पौराणिक और धार्मिक महत्व वाले मंदिर के दर्शन भी होते हैं। वहीं, बालटाल रुट अपेक्षाकृत छोटा रास्ता है। इस मार्ग से श्रद्धालु कम समय में यात्रा पूरी कर सकते हैं, लेकिन इसकी चढ़ाई काफी सीधी, खड़ी और कठिन मानी जाती है।

प्रशासन ने बेस अस्पताल शुरू किए

प्रशासन ने बालटाल और चंदनवाड़ी में बेस अस्पताल शुरू कर दिए हैं। इसके अलावा यात्रा के दोनों मार्गों पर भी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रशासन ने दोनों मार्गों पर बुनियादी ढांचे, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी अधिकांश तैयारियां पूरी कर ली हैं। हालांकि, चंदनवाड़ी से पवित्र गुफा तक के मार्ग पर महागणेश टॉप के पास बर्फ हटाने का काम अंतिम चरण में है।

फ्रांस में गर्मी से

1200 लोगों की मौत

● जर्मनी, स्पेन, ब्रिटेन समेत 16 देशों में रिकॉर्डतोड़ तापमान

सड़कें पिघलीं, स्कूल बंद, जंगलों में आग, इटली की नदी सूखी

पेरिस, लंदन, मैड्रिड/इटली (एजेंसी)। यूरोप इन दिनों रिकॉर्डतोड़ हीटवेव की चपेट में है। फ्रांस में भीषण गर्मी से करीब 1200 अतिरिक्त लोगों की मौत हुई है। हेल्थ एजेंसी ने बताया कि ये मौतें 24 जून से 27 जून के बीच हुईं। अतिरिक्त मौतों का मतलब है कि पिछले कुछ साल में हुई औसत मौतों की तुलना में इस बार करीब 1200 लोग ज्यादा मरे हैं।

हालांकि सरकार ने न ही पिछली बार और न ही इस बार का कोई सटीक आंकड़ा दिया है। अधिकारियों के मुताबिक मरने वालों में 85 प्रतिशत बुजुर्ग हैं। सबसे अधिक मौतें घरों में हुईं।

खासकर राजधानी पेरिस और उसके आसपास के इलाकों वाले इलाके में ऐसे मामले ज्यादा सामने आए। वहीं, जर्मनी, स्पेन, ब्रिटेन, डेनमार्क, इटली और स्विट्जरलैंड समेत 16 देशों में तापमान ने दशकों पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

मीडिया सूत्रों के अनुमान के मुताबिक, रविवार को यूरोप के करीब 19.1 करोड़ लोगों को 35 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक तापमान का सामना करना पड़ा। कहीं सड़कें पिघल रही हैं, कहीं स्कूल बंद करने पड़े हैं, तो कहीं जंगलों में भीषण आग भड़क उठी है।

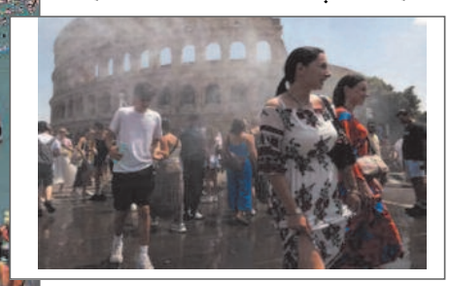

वैज्ञानिकों का कहना है कि यूरोप का तापमान दुनिया के औसत तापमान की तुलना में ज्यादा तेजी से बढ़ रहा है। भविष्य में ऐसी गर्मी की लहरें और अधिक बार आएंगी, ज्यादा समय तक रहेंगी।

फ्रांस के शैम्बैरी शहर के एक बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स स्टोर में सुबह दुकान खुलते ही एयर कंडीशनर और पंखे खरीदने के लिए ग्राहकों में भगदड़ और धक्का-मुक्की देखने को मिली। पेरिस के एक सुपरमार्केट में इतनी ज्यादा में खरीदार पहुंचे कि पंखे, कूलर का स्टोर कुछ ही घंटे में खाली हो गया।

राममंदिर चोरी मामले के 8 आरोपियों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत

● पुलिस ने रिमांड नहीं मांगी, अयोध्या के वकील पैरवी नहीं करेंगे, चंपत राय से पूछताछ

● चंपत राय, गोपाल राव और अनिल मिश्रा को अयोध्या छोड़ने की इजाजत न दी जाए: बार एसोसिएशन अध्यक्ष

अयोध्या/लखनऊ (एजेंसी)। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में पूर्व पदाधिकारियों चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव से पूछताछ की गई। उनके बयान दर्ज किए गए। इसके बाद चंपत राय दिल्ली चले गए।

इस बीच मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। वकील अनूप अवस्थी की सीबीआई जांच की मांग वाली याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार करते हुए कोर्ट ने पूछा कि इतनी जल्दी क्या है। छुट्टियों के बाद ही मामला सुना जाएगा।

आरोपियों का केस कोई भी वकील नहीं लड़ेगा

हालांकि, इससे पहले ही अयोध्या के वकीलों ने बड़ी बैठक की। इसमें फैसला लिया कि चढ़ावा चोरी के आरोपियों का केस कोई भी वकील नहीं लड़ेगा। साथ ही, चंपत राय, गोपाल राव और अनिल मिश्रा के अयोध्या छोड़ने की मांग की। नहीं छोड़ने पर आंदोलन की चेतावनी दी। वहीं अयोध्या बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्र ने कहा- जांच के तहत चंपत राय, गोपाल राव और अनिल मिश्र को अयोध्या छोड़ने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए।

● **अखिलेश बोले- राम मंदिर का चढ़ावा चोरी कर दूसरे प्रदेश भेजा गया-** अखिलेश यादव ने प्रयागराज में कहा- मर्यादा की जो बात है, इसमें बिल की जरूरत नहीं है। इसमें ईमानदारी की जरूरत है। आपकी नियत साफ हो, उसकी जरूरत है। मैंने तो यहां तक कहा था कि अगर आपको याद हो, कहीं आर्काइव में पड़ा होगा वीडियो भी, कि प्रभु श्रीराम माफ कर देंगे, अपना सीसीटीवी बंद कर दो और आंख बंद कर लो। जो जितना चढ़ावा ले गया है, रात के अंधेरे में वापस प्रभु श्रीराम जी पे चढ़ा दो, प्रभु श्रीराम अपने आप माफ कर देंगे। ये भारतीय जनता पार्टी प्रभु श्रीराम से भी माफी नहीं मांगना चाहती। अगर आज भी जो लोग चढ़ावा चोरी कर ले गए हैं, जो दूसरे प्रदेशों में चला गया है, वहां के सीसीटीवी बंद कर दो, चढ़ावा वापस रख दो, तो आज भी प्रभु श्रीराम उन्हें माफ कर देंगे।

● **अयोध्या के वकीलों का ऐलान- आरोपियों का केस लड़ने वाले पर 5 लाख का जुर्माना लगेगा-** राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में फैजाबाद एडवोकेट्स एसोसिएशन की बैठक हुई। इस दौरान अयोध्या बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्रा ने कहा- मामले में कोई भी वकील आरोपी का पक्ष नहीं रखेगा। अगर कोई ऐसा करता है, तो उस पर 5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

● गणेश मंदिर में पूजा भी की; महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देकर भारत रवाना हुए

सेशेल्स में भारतीय समुदाय से मिले पीएम मोदी

विक्टोरिया (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अपने तीन दिवसीय सेशेल्स दौरे के आखिरी दिन भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की। उन्होंने विक्टोरिया में प्रवासी भारतीयों से बातचीत की और उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं।

प्रधानमंत्री ने अरुल मिहु नवशक्ति विनायकर मंदिर में भगवान गणेश के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। उन्होंने विक्टोरिया के पीस पार्क में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। इसके बाद वह नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए है।

इससे पहले भारत और सेशेल्स ने 19 बड़े समझौतों और विकास परियोजनाओं का ऐलान किया। इनमें सेशेल्स में यूपीआई आधारित डिजिटल भुगतान शुरू करना, 1,250 करोड़ रुपए की लाइन ऑफ क्रेडिट (लोन), साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, अंतरिक्ष और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति शामिल है। भारत ने सेशेल्स को एक फास्ट पेट्रोल वेसल, 10 यूटिलिटी वाहन, 5 नौकाएं, 6 एम्बुलेंस, 500 मीट्रिक टन चावल और 8,500 मीट्रिक टन सीमेंट भी सौंपा। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 50 वर्ष पूरे होने के मौके पर ये समझौते किए गए।

सेशेल्स के गोल्डन जुबली नेशनल डे में चीफ गेस्ट बने मोदी

मोदी ने सेशेल्स के 50वें राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लिया।

असम, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में बाढ़ जैसे हालात

300 मीटर लंबा लोहे का पुल बहा, 3 लोगों की मौत, सिक्किम में नदियां उफान पर, पुल टूटा

गुवाहाटी/जयपुर/लखनऊ/पटना/भोपाल (एजेंसी)। देश के पूर्वी राज्यों असम, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में भारी बारिश हो रही है। तीनों राज्यों में बाढ़

जैसे हालात हैं। अरुणाचल प्रदेश में बारिश और लैंडस्लाइड की घटना में तीन की मौत हो गई।

वहीं असम के ढेमाजी जिले में केमी नदी में आई भीषण बाढ़ के कारण 300 मीटर लंबा लोहे का पुल बह गया। पुल के बहने से केमी-पुराना जेलोम क्षेत्र का जोनाई सदर से सड़क संपर्क पूरी तरह टूट गया है। सिक्किम में जोंगू क्षेत्र में फी खोला नदी पर बना बेली ब्रिज बह गया।

देश के 6 राज्यों उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के कई इलाकों में प्री-मानसून बारिश जारी है। हालांकि, सात राज्यों में तेज गर्मी पड़ रही है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा में पारा 43 डिग्री से ज्यादा दर्ज किया गया।

मानसून ने देश के 22 राज्यों को कवर कर लिया है। 5 जुलाई तक बाकी राज्यों को कवर कर सकता है।

22 राज्यों तक पहुंचे मानसून की रफ्तार धीमी पड़ी, 6 राज्यों में प्री-मानसून बारिश जारी- मानसून ने 24 जून तक देश के 22 राज्यों को कवर कर लिया है, लेकिन बीते 5 दिन से इसकी रफ्तार धीमी पड़ी है। यह मध्य प्रदेश, गुजरात और उत्तर प्रदेश के कई क्षेत्रों में आगे नहीं बढ़ पा रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून 5 जुलाई तक बाकी राज्यों को कवर कर सकता है। 6 राज्यों मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली के कई इलाकों में प्री-मानसून बारिश जारी है। विभाग ने असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल के निचले इलाकों और सिक्किम में आज तेज बारिश और कुछ जगहों के लिए बहुत तेज बारिश की चेतावनी जारी की है। मध्य प्रदेश में बड़वानी के सेंधवा में उफनाए पुल पार करते समय एक ट्रैक्टर और उसका ड्राइवर बह गया। ड्राइवर अभी भी लापता है।

सीबीएसई का फैसला, तीसरी भाषा में बोर्ड परीक्षा नहीं होगी

थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी पर नई गाइडलाइन जारी की, 9वीं में पढ़ रहे स्टूडेंट्स को भी एक बार की छूट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीएसई ने सोमवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू करने को लेकर नई गाइडलाइन जारी की। बोर्ड ने साफ किया है कि मौजूदा 10वीं के स्टूडेंट्स पर थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू नहीं होगी। वहीं, अभी 7वीं, 8वीं और 9वीं में पढ़ रहे स्टूडेंट्स को 10वीं में पहुंचने पर तीसरी भाषा का बोर्ड एग्जाम नहीं देना होगा।

सीबीएसई की अकादमिक निदेशक प्रज्ञा एम सिंह ने बताया कि 2026-27 में पहले से 9वीं में पढ़ रहे स्टूडेंट्स को एक बार की छूट भी दी है। ऐसे छात्र दो विदेशी (गैर-भारतीय) भाषाएं पढ़ना जारी रख सकते हैं, लेकिन उन्हें तीसरी भाषा के रूप में एक भारतीय भाषा जोड़नी होगी। इस तीसरी भाषा का मूल्यांकन स्कूल करेगा और 10वीं बोर्ड परीक्षा में इसका पेपर नहीं होगा।

जान जोखिम में डाल बुलडोजर से नाला पार, हेल्थ वर्कर ने बच्चों तक पहुंचाई पोलियो खुराक

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल के जनजातीय जिला लाहुल स्पीति में स्वास्थ्य कार्यकर्ता पलजोम बुट्टी ने कर्तव्यनिष्ठा और साहस की अनूठी मिसाल पेश की है। बच्चों को दो बूंद जिंदगी की पिलाने के लिए, उन्होंने अपनी जान जोखिम में डालकर एक उफनते नाले को पार किया। यह घटना राष्ट्रीय सघन पोलियो प्रतिरक्षण अभियान के दौरान तिगरट बूथ पर घटी, जहां पलजोम ने विषम परिस्थितियों में भी अपना दायित्व निभाया। पहाड़ों में बढ़ते तापमान के कारण लाहुल घाटी के नदी-नाले इन दिनों पूरे उफान पर हैं, और तिगरट का नाला भी इसी कारण पार करना बेहद चुनौतीपूर्ण हो गया था। कोई सुरक्षित साधन न होने पर, पलजोम ने हिम्मत दिखाई और एक बुलडोजर की मदद से उफनते नाले को पार किया। इस असाधारण प्रयास का वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हुआ, जिसने पूरे देश व प्रदेश में उनकी सराहना की लहर पैदा कर दी। कठिनतम परिस्थितियों में भी बच्चों तक समय पर पोलियो की खुराक पहुंचाने का उनका समर्पण प्रेरणादायक है। स्थानीय निवासियों, जिनमें नोरबू, दीपक, टशी और तेंजिन डोलमा शामिल हैं, ने उनके जज्बे को सलाम किया और उनके समर्पण को सराहा। लाहुल स्पीति की विधायक अनुराधा राणा ने भी पलजोम बुट्टी को समाज के लिए एक प्रेरणास्रोत बताया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक चुनौतियों के बावजूद, पलजोम ने पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्व का निर्वहन किया है, जो हम सभी के लिए एक बड़ी सीख है।

पुलिस की सक्रियता से गुम हुआ बच्चा 48 घंटे के भीतर बरामद, परिजनों ने ली राहत की सांस

लोहरदगा (एजेंसी)। लोहरदगा जिले के कुडू थाना क्षेत्र के ननतिलो नावाटोली से पिछले 27 जुन को लापता हुए बच्चें को पुलिस ने 48 घंटे के भीतर सोमवार को कुडू व कैरो थाना क्षेत्र की सीमा से बरामद करते हुए परिजनों को सौंप दिया।बच्चें के बरामदगी होने से परिजनों ने राहत की सांस ली।बताया जाता है कि ननतिलो नावाटोली निवासी सालोनी उरांव ने कुडू पुलिस को आवेदन देकर बताया था कि मेरा 13 वर्षीय पुत्र राज अनुप उरांव 27 जुन की सुबह 10 बजें घर मे किसी को कुछ बताएं बगैर कही चला गया है।काफी खोजबीन के बाद भी बच्चे के संबंध में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है।आवेदन मिलने के बाद थाना प्रभारी अजीत कुमार ने बच्चे की खोजबीन शुरू किया।सोमवार को थाना प्रभारी अजीत कुमार को सूचना मिली कि इसी बच्चे की तरह दिखने वाला एक बच्चा तान पहाड़ी की तरफ देखा गया है।थाना प्रभारी ने खोजबीन के लिए दो अधिकारियों के साथ परिजनों को लेकर स्वयं निकल पड़े। सोमवार दोपहर लगभग दो बजे तान व हुदू गांव के बीच बच्चे को बरामद किया गया। बच्चें को लेकर पुलिस थाना पहुंची व कागजी प्रक्रिया के बाद परिजनों को सौंप दिया।बच्चे की मां सालोनी उरांव ने बताया कि बच्चें के लापता होने के बाद दो दिनों से परिजन काफी परेशान थे।थाना प्रभारी अजीत कुमार की सक्रियता के बाद लापता बच्चे को 48 घंटे के भीतर सुरक्षित बरामद करते हुए परिजनों को सौंप दिया गया।

पोलियो खुराक के बाद दो बच्चियों की संदिग्ध मौत, स्वास्थ्य विभाग ने शुरू की जांच

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के विदिशा और झाबुआ जिलों में पल्स पोलियो अभियान के दौरान खुराक देने के बाद दो मासूम बच्चियों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का दुखद मामला सामने आया है। दोनों ही घटनाएं रविवार की हैं, जहां परिजनों ने पोलियो ड्रॉप्स को ही बच्चियों की मौत की वजह बताया है। हालांकि, राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने इन दावों को पूरी तरह खारिज कर बताया है कि पोलियो की दवा पूरी तरह सुरक्षित है और मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए उच्च स्तरीय जांच शुरू कर दी गई है। पहली घटना विदिशा जिले की कुरवाई तहसील के ग्राम मैनखेड़ी की है, जहां अनिल अहिरवार की बेटी मानसी को सुबह पोलियो की खुराक दी गई थी, जिसके कुछ घंटों बाद अचानक तबीयत बिगड़ने से उसकी मौत हो गई। विदिशा के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. रामहित कुमार ने बताया कि उस बूथ पर मानसी के साथ उसकी बड़ी बहन सहित कुल 44 अन्य बच्चों को भी वही दवा पिलाई गई थी और सभी बच्चे पूरी तरह स्वस्थ हैं। मौत की असली वजह जानने के लिए विसरा जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। दूसरी घटना झाबुआ जिले के कल्याणपुरा ब्लॉक की है, जहां सुनील डामोर की 11 माह की बेटी पूजा ने भी पोलियो ड्रॉप्स लेने के कुछ समय बाद दम तोड़ दिया। झाबुआ के सीएमएचओ डॉ. एमएल चोपड़ा के अनुसार, जिस शीशी से पूजा को दवा दी गई थी, उसी से 19 अन्य बच्चों को भी खुराक दी गई थी, जो पूरी तरह सुरक्षित हैं। स्वास्थ्य विभाग दोनों मामलों की गहराई से जांच कर रहा है।

उत्तराखंड : धामी सरकार का श्रमिकों को बड़ा तोहफा, डीबीटी के माध्यम से खातों में 93 करोड़

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड की पुष्कर सिंह धामी सरकार ने राज्य के गरीब और श्रमिक परिवारों को आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा देने के लिए ऐतिहासिक कदम उठाया है। सरकार ने दलालों और बिचौलियों की भूमिका को पूरी तरह समाप्त कर डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए सीधे मजदूरों के बैंक खातों में वित्तीय सहायता राशि भेजनी शुरू की है। पिछले एक साल के भीतर श्रम कल्याण की विभिन्न योजनाओं के तहत राज्य के 24,323 पंजीकृत श्रमिकों के खातों में कुल 93.06 करोड़ रुपये ट्रांसफर हो चुके हैं। हाल ही में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री धामी की मौजूदगी में उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा 4,400 से अधिक श्रमिकों को करीब 11 करोड़ रुपये की राशि बिना किसी विलंब के सीधे उनके खातों में हस्तांतरित की गई। यह आर्थिक मदद असंगठित क्षेत्र के निर्माण श्रमिकों की रोजमर्रा और आपातकालीन जरूरतों को ध्यान में रखकर दी जा रही है। इसमें बेटियों की शादी, परिवार के सदस्य की मृत्यु पर सहायता, महिला श्रमिकों के लिए मातृत्व लाभ और बच्चों की पढ़ाई के लिए स्कॉलरशिप शामिल है, जिससे संकट के समय इन्हें ऊंचे ब्याज पर कर्ज न लेना पड़े। उत्तराखंड की भौगोलिक परिस्थितियों को देखकर मुख्यमंत्री धामी ने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि मजदूरों को पंजीकरण या लाभ के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें, बल्कि प्रशासन खुद उनके पास पहुंचे। इसके लिए निर्माण स्थलों के पास वर्कप्लेस वेलफेयर कैंप लगाए जा रहे हैं, जहां श्रमिकों का पंजीकरण, स्वास्थ्य जांच और सरकारी योजनाओं का लाभ एक ही जगह मिल रहा है। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने आधुनिक तकनीक और सख्त डिजिटल वेरिफिकेशन सिस्टम लागू किया है, जिससे फर्जीवाड़ा पूरी तरह रुक गया है और सरकारी सहायता बिना किसी कटौती के सिर्फ वास्तविक हकदारों तक पहुंच रही है।

मनरेगा के नए मॉडल से राज्यों पर बढ़ेगा आर्थिक बोझ

-जयराम ने वीबी जी-रामजी योजना को संघीय ढांचे पर प्रहार बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के स्थान पर प्रस्तावित विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) यानी वीबी जी-रामजी योजना को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। पार्टी का आरोप है कि नई व्यवस्था से राज्यों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा और इससे देश के संघीय ढांचे पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी बयान में कहा कि मनरेगा एक मांग-आधारित और अधिकार-आधारित रोजगार गारंटी योजना थी, जबकि नई व्यवस्था आवंटन-आधारित योजना के रूप में काम करेगी। उनके अनुसार प्रस्तावित मॉडल में कुल व्यय का 60 प्रतिशत हिस्सा केंद्र सरकार वहन करेगी, जबकि शेष 40 प्रतिशत खर्च राज्यों को उठाना होगा। जयराम रमेश ने कहा कि जिस आवंटन फार्मूले को अपनाया जा रहा है, वहीं 16वें वित्त आयोग द्वारा राज्यों के बीच करों के बंटवारे के लिए इस्तेमाल किया गया था। उनका तर्क है कि यह फार्मूला राजस्व वितरण के लिए उपयुक्त हो सकता है, लेकिन व्यय वहन करने के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि अनुदान व्यवस्था में कटौती और राज्यों पर अतिरिक्त जिम्मेदारी डालने से पहले से ही कमजोर संघीय ढांचे पर दबाव बढ़ेगा। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने ग्रामीण विकास संबंधी संसदीय स्थायी समिति, राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों से व्यापक चर्चा किए बिना ही मनरेगा को समाप्त करने संबंधी विधेयक संसद से पारित कराया। उन्होंने इसे राजनीतिक प्रतिशोध और जल्दबाजी में लिया गया निर्णय बताया। जयराम रमेश ने दावा किया कि कई राज्यों ने भी नई योजना को लेकर गंभीर आपत्तियां जताई हैं। उनके अनुसार मध्यप्रदेश, बिहार और उत्तराखंड जैसे भाजपा शासित राज्यों ने भी अतिरिक्त वित्तीय भार को लेकर चिंता व्यक्त की है। वहीं कुछ राज्यों ने कृषि सीजन के दौरान प्रस्तावित 'ब्लैकआउट अवधि' का विरोध किया है, जिसमें योजना के तहत काम उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि कम से कम पांच राज्यों ने ग्रामीण श्रमिकों की मजदूरी दर बढ़ाने की मांग की है। कांग्रेस का कहना है कि नई योजना के प्रभाव और उसके क्रियान्वयन को लेकर राज्यों की आशंकाओं पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

जयपुर महिला का पाकिस्तानी आतंकियों से कथित संपर्क : एटीएस जांच में चौंकाने वाले खुलासे

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर के वाटिका क्षेत्र से गिरफ्तार 36 वर्षीय बबीता धाकड़ उर्फ खदीजा के मामले में राजस्थान एटीएस की जांच में कई गंभीर और चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। महिला पर पाकिस्तानी आतंकी संगठनों से सोशल मीडिया के जरिए संपर्क रखने का आरोप है, जिसकी गहन पड़ताल हो रही है। जांच एजेंसियों के अनुसार, महिला के मोबाइल फोन और सोशल मीडिया खातों की प्रारंभिक जांच में पाकिस्तान सहित अन्य देशों से संचालित कई संदिग्ध प्रोफाइलों से संपर्क के संकेत मिले हैं। एटीएस का दावा है कि फेसबुक पर उसके अकाउंट की दोस्तों की सूची में बड़ी संख्या में विदेशी प्रोफाइल जुड़े हुए थे, जिसमें से कुछ की पहचान संदिग्ध खातों के तौर पर की जा रही है। जांच के दौरान कुछ इसतरह के नामों का खुलासा भी हुआ है, जिनका संबंध पूर्व में आतंकी गतिविधियों और प्रतिबंधित संगठनों से जोड़ा जाता रहा है। हालांकि, एजेंसियों ने स्पष्ट किया है कि इन संपर्कों की तकनीकी और फोरेंसिक जांच अभी जारी है और अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएंगे। राजस्थान एटीएस के अनुसार, बबीता बीते दो वर्षों से कुछ विदेशी संपर्कों के संपर्क में थी। साइबर विशेषज्ञ उसके मोबाइल, सोशल मीडिया चैट और अन्य डिजिटल रिकॉर्ड की गहराई से जांच कर रहे हैं। कई डिलीट किए गए डेटा को पुन: प्राप्त करने के लिए फोरेंसिक साइंस लैब की मदद ली गई है, जो मामले की गंभीरता को दर्शाता है। जांच एजेंसियां इस बात की भी पड़ताल कर रही हैं कि कहीं सोशल मीडिया के माध्यम से महिलाओं को प्रभावित कर किसी संगठित 'लेडी स्लीपर सेल' नेटवर्क से जोड़ने का प्रयास तो नहीं किया जा रहा था। संदिग्ध संपर्कों और मोबाइल नंबरों का मिलान राष्ट्रीय स्तर के सुरक्षा डेटाबेस से कराया जा रहा है, साथ ही 100 से अधिक सोशल मीडिया प्रोफाइलों की भी जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए सभी डिजिटल साक्ष्यों की वैज्ञानिक जांच कराई जा रही है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और अन्य सुरक्षा एजेंसियों की मदद से इस मामले के सभी पहलुओं की गंभीरता से पड़ताल की जा रही है, ताकि किसी भी संभावित राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे का पता लगाया जा सके।

दिल्ली में नई ईवी नीति 2026 घोषित: 1 जुलाई से लागू, प्रदूषण घटाने पर केंद्रित

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने सोमवार को अपनी महत्वाकांक्षी नई इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) पॉलिसी 2026 की घोषणा की है, जो 1 जुलाई, 2026 से प्रभावी होकर 31 मार्च, 2030 तक लागू रहेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कैबिनेट से मंजूरी मिलने के बाद बताया कि इस नीति का मुख्य उद्देश्य दिल्ली को प्रदूषण मुक्त एवं स्वच्छ परिवहन वाली राजधानी बनाना है। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली पूरे देश में ईवी पर सबसे अधिक सब्सिडी और अन्य सुविधाएं देने वाला राज्य है।

यह नीति अगले चार वर्षों में 7,000 करोड़ से अधिक का प्रत्यक्ष सरकारी निवेश आकर्षित करेगी, जबकि नागरिकों को कर छूट और ईवी अवसंरचना के माध्यम से लगभग 15,000 करोड़ का समग्र लाभ मिलेगा। नीति के तहत, सभी प्योर ईवी वाहनों पर 100 प्रतिशत रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में छूट दी जाएगी। हालांकि, चार पहिया वाहनों के लिए यह छूट 30 लाख तक की एक्स-शोरूम कीमत वाले वाहनों पर लागू होगी।

इस नीति में दोपहिया, तिपहिया, चार पहिया और ग्रामीण सेवा वाहनों सहित छोटे व्यावसायिक वाहनों को शामिल किया गया है। परिवहन आयुक्त निहारिका राय ने बताया कि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को बड़े स्तर पर विकसित किया जाएगा, जिसके पहले चरण में मुख्य मार्गों पर चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। निजी तौर पर चार्जिंग सुविधा विकसित करने के लिए डिस्कॉम को भी प्रोत्साहित किया गया है। नीति के तहत, ईवी पर ली जाने वाली सब्सिडी का लाभ उठाने के बाद वाहन को तीन साल तक किसी अन्य राज्य में पंजीकृत नहीं कराया जा सकेगा। दिल्ली सरकार के मंत्रियों, मनजिंदर सिंह सिरसा और आशीष सूद ने इस नीति को प्रदूषण कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि देश के बड़े विशेषज्ञों से राय लेकर तैयार किया गया है ताकि हर मुद्दे पर गंभीरता से काम हो सके। यह नीति दिल्ली को देश में ईवी अपनाने में अग्रणी राज्यों में से एक बनाने के सरकार के प्रयासों को और गति देगी।

अवैध निर्माण पर एमडीडीए का बड़ा प्रहार: उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी खुद उतरे मैदान में, पछवादून में दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश

आरव शर्मा
देहरादून (शिखर समाचार)।
राजधानी और आसपास के क्षेत्रों में अवैध निर्माण और बिना नक्शे की प्लॉटिंग के खिलाफ मसूरी-देहरादून विकास प्राधिकरण (एमडीडीए) ने शिकंजा कस दिया है। शिकायतों के त्वरित निस्तारण और अवैध निर्माण पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए एमडीडीए उपाध्यक्ष बंशीधर तिवारी खुद मैदान में उतर आए हैं। उन्होंने पछवादून क्षेत्र का सघन स्थलीय निरीक्षण किया और नियमों को ताक पर रखकर किए जा रहे निर्माण कार्यों पर तत्काल व सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

प्राधिकरण द्वारा विभिन्न सेक्टरों में मिल रही शिकायतों का संज्ञान लेते हुए इन दिनों क्षेत्रवार निरीक्षण और कैंप आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में उपाध्यक्ष ने पछवादून क्षेत्र का दौरा कर निर्माण गतिविधियों और अवैध प्लॉटिंग की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों से लंबित मामलों और अब तक की गई कार्रवाई का पूरा ब्योरा तलब किया। निरीक्षण के दौरान खासतौर पर यह जांचा गया कि जिन भवनों या प्लॉटिंग परियोजनाओं के नक्शे पास हैं, वहां काम स्वीकृत मानचित्र के अनुरूप हो रहा है या नहीं। हर निर्माण स्थल की गहनता से पड़ताल की गई।

निरीक्षण में जहां भी निर्माण कार्य प्राधिकरण के नियमों और स्वीकृत नक्शों के विपरीत पाए गए, वहां उपाध्यक्ष ने अधिकारियों को बिना किसी भेदभाव के नियम अनुसार त्वरित कार्रवाई करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने दो टूक कहा कि अवैध निर्माण और अवैध प्लॉटिंग किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उनका मुख्य उद्देश्य केवल कार्रवाई करना नहीं है, बल्कि शहर का सुनियोजित और व्यवस्थित विकास सुनिश्चित करना है। इसके साथ ही उन्होंने आम जनता से भी अपील की है कि किसी भी तरह का निर्माण कार्य शुरू करने से पहले प्राधिकरण से जरूरी स्वीकृतियां जरूर लें। इस सघन चेकिंग और कार्रवाई अभियान के दौरान एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया, संयुक्त सचिव गौरव चटवाल, क्षेत्रीय सहायक अभियंता शशांक सक्सेना और अवर अभियंता समेत प्राधिकरण के कई अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। सचिव मोहन सिंह बर्निया ने बताया कि अवैध निर्माण के खिलाफ यह नियमित चेकिंग अभियान लगातार जारी रहेगा। सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को निर्माण कार्यों की सतत निगरानी करने और नियमों का उल्लंघन मिलने पर तुरंत एक्शन लेने के सख्त निर्देश दे दिए गए हैं।

बिजली संकट: प्लांट ठप, 10 रुपये यूनिट के हिसाब से बिजली खरीद रही मान सरकार

लुधियाना (एजेंसी)। दशकों तक देश की हरित क्रांति में अग्रणी रहा पंजाब आज भीषण बिजली संकट से जूझ रहा है। गर्मियों के मौसम और धान की रोपाई के चरम पर पहुंचने के साथ ही राज्य की बिजली व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। सरकारी बिजली संयंत्रों की 6 इकाइयों के ठप होने से राज्य को नेशनल ग्रिड से 10 रुपये प्रति यूनिट तक की अत्यधिक महंगी बिजली खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है। इस स्थिति ने किसान, उद्योग और आम जनता सभी को बेहाल कर दिया है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था पर गहरा असर पड़ रहा है।

इस गंभीर संकट का मुख्य कारण सरकारी थर्मल प्लांटों की छह इकाइयों में आई तकनीकी खराबी है, जिससे राज्य में तत्काल 1,800 मेगावाट बिजली की कमी हुई है। लेहरा मोहब्बत स्थित गुरु हरगोबिंद थर्मल प्लांट, जिसकी 920 मेगावाट क्षमता वाली चारों इकाइयां ठप पड़ी हैं, इस संकट का केंद्र बन गया है। यहां राख के अधिक जमाव और पुरानी तकनीकी कमियों को इसका जिम्मेदार माना जा रहा है। इसके अलावा, रोपड़ प्लांट की 30 साल से अधिक पुरानी इकाइयां भी अपनी तय उम्र पूरी कर चुकी हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह समस्या वर्षों से रखरखाव और आधुनिकीकरण पर ध्यान न देने का परिणाम है, जिसने धीरे-धीरे राज्य को इस कगार पर ला खड़ा किया है।

मशीनी खराबी के साथ-साथ, मानवीय मोर्चे पर भी चुनौतियां कम नहीं हैं। बिजली निगम के लगभग 1,852 आउटसोर्स कर्मचारियों की हड़ताल ने मरम्मत और बहाली के कार्यों को धीमा किया है, जिससे संकट और गहरा गया। कृषि प्रधान पंजाब के लिए समय अत्यंत नाजुक है, क्योंकि धान की रोपाई के लिए निरंतर बिजली आपूर्ति अनिवार्य है। कई जिलों में हो रही भारी कटौती से किसानों की फसल उत्पादन और आय पर सीधा नकारात्मक प्रभाव पड़ने की आशंका है। वहीं, उद्योग जगत भी महंगी और अनिश्चित बिजली आपूर्ति से परेशान है। बढ़ती उत्पादन लागत और पड़ोसी राज्यों के मुकाबले बिगड़ती औद्योगिक प्रतिस्पर्धा के कारण पंजाब में नए निवेश आकर्षित करना मुश्किल हो गया है।

अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले एलजी सिन्हा ने की बाबा बर्फानी की पूजा

-3 जुलाई से बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों से यात्रा होगी शुरू

जम्मू (एजेंसी)। अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले सोमवार को बाबा बर्फानी की पूजा हुई। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल और अमरनाथ श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष मनोज सिन्हा ने पूजा में शामिल हुए। इस साल 3 जुलाई से बालटाल और पहलगाम दोनों मार्गों से अमरनाथ यात्रा शुरू होगी। यात्रा 28 अगस्त को खत्म होगी। कुल 57 दिनों तक यह यात्रा चलेगी। अधिकारियों के मुताबिक 15 अप्रैल से अब तक 4 लाख से ज्यादा श्रद्धालु यात्रा के लिए पंजीकरण करा चुके हैं। श्रद्धालुओं का पहला जत्था 2 जुलाई को जम्मू के भगवती नगर बेस कैंप से यात्रा रूट के लिए रवाना होगा।

प्रशासन ने बालटाल और चंदनवाड़ी में बेस अस्पताल शुरू कर दिए हैं। इसके अलावा यात्रा के दोनों मार्गों पर भी चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। प्रशासन ने दोनों मार्गों पर बुनियादी ढांचे, सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़ी ज्यादातर तैयारियां पूरी कर ली हैं। हालांकि, चंदनवाड़ी से पवित्र गुफा तक के मार्ग पर महागणेश टॉप के पास बर्फ हटाने का काम जारी है। अधिकारियों का कहना है कि इसे अगले दो से तीन दिनों में काम पूरा कर लिया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमरनाथ यात्रा के लिए दो रुट हैं, पहला 41 किलोमीटर लंबा पारंपरिक पहलगाम रुट और दूसरा 7 किलोमीटर लंबा बालटाल रुट। पहलगाम रुट अमरनाथ यात्रा का पारंपरिक रुट है। यहां से पवित्र गुफा तक पहुंचने में आमतौर पर 3 से 4 दिन लगते हैं। इस मार्ग पर चढ़ाई धीरे-धीरे होती है, जिससे श्रद्धालुओं का शरीर ऊंचाई और कम ऑक्सीजन वाले वातावरण के अनुकूल हो जाता है। साथ ही रास्ते में शेषनाग और पंचतरणी जैसे पौराणिक और धार्मिक महत्व वाले मंदिर के दर्शन भी होते हैं।

कैबिनेट फेरबदल की चर्चा के बीच पीएम मोदी की शीर्ष नौकरशाहों के साथ बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैबिनेट फेरबदल की तेज होती अटकलों के बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को विभागीय सचिवों के साथ महत्वपूर्ण बैठक करने वाले हैं। इस महामंथन का मुख्य उद्देश्य नियमों में ढील, उदारीकरण और सुधारों को गति देना है, ताकि व्यापार करने में आसानी और जीवन जीने में आसानी के एजेंडे को आगे बढ़ाया जा सके।

यह दो माह से भी कम समय में शीर्ष नौकरशाही के साथ प्रधानमंत्री मोदी की दूसरी अहम बैठक होगी। पीएम मोदी सोमवार को सेशेल्स की आधिकारिक यात्रा समाप्त कर दिल्ली लौट रहे हैं, और मंगलवार को इस ब्रीफिंग में शामिल होने वाले है। इसके पहले 21 मई को उन्होंने विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए नियामक रोडमैप तैयार करने हेतु केंद्रीय मंत्रिपरिषद और केंद्रीय सचिवों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता की थी।

बताया जा रहा है कि इस आगामी बैठक में उदारीकरण और सुधारों के अलावा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने पर खास ध्यान केंद्रित रहेगा। प्रत्येक सचिव को प्रधानमंत्री मोदी के समक्ष अपनी प्रस्तुति के लिए तीन मिनट का समय दिया जाएगा। उनसे पूछा जाएगा कि व्यापार और नागरिक जीवन को आसान बनाने के लिए उन्होंने उदारीकरण और सुधार एजेंडा लागू करने में क्या कदम उठाए हैं, आगे क्या कर सकते हैं और उनके क्या सुझाव हैं।

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार केंद्र और राज्यों दोनों स्तरों पर विनियमन में ढील तथा सुधारों को तेजी से आगे बढ़ा रही है। इस दिशा में दो अहम समितियां कार्यरत हैं। इसमें से एक उच्च स्तरीय समिति की अध्यक्षता पूर्व कैबिनेट सचिव और नीति आयोग सदस्य राजीव गाबा कर रहे हैं, जिसका गठन 19 अगस्त 2025 को किया गया था। यह समिति गैर-वित्तीय क्षेत्र के नियमों, प्रमाणपत्रों, लाइसेंसों और अनुमतियों की समीक्षा कर एक आधुनिक और जनहितैषी नियामक ढांचा तैयार करने का काम कर रही है। दूसरी समिति, एक टास्क फोर्स है, जिसका नेतृत्व बिहार कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी केके पाठक कर रहे हैं, जिसका गठन पिछले वर्ष हुआ था। कैबिनेट सचिवालय ने कुछ राज्यों में विनियमन सुधारों को बढ़ावा देने के लिए चयनित सचिवों की भी नियुक्ति की है।

मिलिट्री ग्राउंड की भूमि पर नगर निगम बनाएगा मियावकी पद्धति से हरा भरा जंगल, नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार उद्यान विभाग द्वारा वृहद प्लांटेशन की तैयारी की जा रही है। विजयनगर स्थित आर्मी लैंड पर मियावकी पद्धति से प्लांटेशन का कार्य चल रहा है। नगर आयुक्त द्वारा टीम के साथ स्थलीय निरीक्षण किया गया। विजयनगर के लिए जहां गाजियाबाद नगर निगम विकास के कार्यों को रफ्तार दे रहा है, वहीं पर्यावरण तथा एयर क्वालिटी में सुधार हेतु भी कार्य कर रहा है। लगभग 48 एकड़ भूमि पर लगभग 7 लाख पौधे मियावकी पद्धति से लगाए जाएंगे जिससे ऑक्सीजन की बढ़ोतरी होगी तथा कार्बन डाइऑक्साइड कम होगा, शहर को लाभ मिलेगा, फलदार छायादार तथा औषधी वाले पौधे लगाए जाएंगे जो की वृक्ष बनकर ग्रीन लंग्स ऑफ गाजियाबाद का कार्य करेंगे। नगर आयुक्त ने बताया कि 1 जुलाई से आर्मी लैंड पर पौधारोपण का कार्य प्रारंभ होगा जिसमें 9 एकड़ भूमि पर लगभग सवा लाख से अधिक पौधे लगाए जाएंगे 37 एकड़ भूमि में लगभग 6 लाख पौधे लगाए जाएंगे ट्रैक्टरों व अन्य उपकरणों के माध्यम से गहरी

जुताई का कार्य जारी है मौके पर पौधारोपण से पहले की तैयारी को देखा गया शीघ्र ही गड्ढा खोदने के कार्य को प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए, साईं उपवन तथा सिटी फॉरेस्ट की भांति विजयनगर में भी वृहद जंगल बनाया जाएगा जिससे क्षेत्र वासियों को भी लाभ मिलेगा शासन के निर्देश के क्रम में कार्यवाही तेजी से की जा रही है। विजयनगर क्षेत्र में भी भारी संख्या में पौधारोपण का कार्य मियावकी पद्धति से किया जाएगा। वरिष्ठ प्रभारी उद्यान एनके चौधरी तथा प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज की देखरेख में विजयनगर स्थित आर्मी लैंड पर पौधारोपण का कार्य प्रारंभ करने की तैयारी चल रही है। डॉ. अनुज ने बताया कि बड़े क्षेत्रफल को कई भागों में बांटते हुए प्लांटेशन का कार्य किया जाएगा, फलदार एवं छायादार वृक्ष भी विशेष रूप से लगाए जाएंगे जिसमें बरगद, अर्जुन, पीपल, सागवान, कटहल, शीशम, पिलखान, नीम, गूलर, अंजीर, बेकन, जामुन, कदम, कचनार, आम, अनार, शहतूत, चीकू,पपीता, केला,इमली, नींबू, मेहंदी तुलसी एलोवेरा, जैसे पौधे भी लगाए जाएंगे' आर्मी लैंड से गंदगी हटाकर, ग्रीनरी बढ़ाने के लिए प्लांटेशन के कार्य पर विजयनगर निवासियों ने गाजियाबाद नगर निगम का धन्यवाद किया तथा प्रशंसा जाहिर की। निरीक्षण के दौरान मौके पर अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार, उद्यान निरीक्षक अजय, अवर अभियंता उद्यान विभाग व अन्य टीम उपस्थित रही।

हापुड़ के शीर्ष करदाताओं का सम्मान, धीरखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र का बढ़ाया मान

हिमांशु गोयल, मुदित बंसल और अंकित बंसल उत्कृष्ट करदाता के रूप में हुए सम्मानित

हापुड़ (शिखर समाचार)। जनपद के शीर्ष पांच करदाताओं को आयोजित एक गरिमामय समारोह में जिलाधिकारी, जिला पंचायत अध्यक्ष एवं मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आईवाईसी के वाइस कैप्टन मुदित बंसल, उनके बड़े भाई अंकित बंसल तथा हिमांशु गोयल को उत्कृष्ट करदाता के रूप में सम्मानित किया गया। हिमांशु गोयल भारतीय उद्योग संघ के सक्रिय सदस्य भी हैं।

समारोह में आईवाईसी के कैप्टन वैभव गुप्ता, माधव एवं शोभित विभोर भी उपस्थित रहे। उन्होंने सम्मानित उद्यमियों का उत्साहवर्धन करते हुए इसे उद्योग जगत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

आईआईए के चेयरमैन पवन शर्मा, सचिव लवलीन गुप्ता, कोषाध्यक्ष सौरभ अग्रवाल तथा सीईसी सदस्य शांतनु सिंहल ने सभी सम्मानित उद्यमियों को बधाई देते हुए कहा कि समय पर कर भुगतान करने वाले उद्योगपति राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे सम्मान अन्य उद्यमियों को भी ईमानदारी, पारदर्शिता और कर दायित्वों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा देते हैं।

धीरखेड़ा औद्योगिक क्षेत्र के उद्यमियों ने मुदित बंसल, अंकित बंसल एवं हिमांशु गोयल को इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं निरंतर प्रगति की कामना की।

ट्रोनिका सिटी ने मात्र 12 घंटे में किया ब्लाइंड हत्या का खुलासा, लिव-इन पार्टनर सहित उसकी बहन गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना ट्रोनिका सिटी क्षेत्र में हुई व्यक्ति जाकिर की हत्या के मामले का पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा कर दिया। पुलिस ने इस सनसनीखेज वारदात में मृतक की लिव-इन पार्टनर और उसकी सगी बहन को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त डंडा और गमछा भी बरामद पुलिस ने कर लिया है। एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि 29 जून 2026 को समीर खान उर्फ नासिर ने अपने भाई जाकिर की हत्या किए जाने की शिकायत थाना ट्रोनिका सिटी में दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज कर तत्काल जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज, मैनुअल इनपुट और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 12 घंटे के भीतर मामले का खुलासा कर दिया है। गिरफ्तार महिला अभियुक्तों की पहचान किरण (32 वर्ष), निवासी छोटी सराय, जनपद बुलंदशहर तथा उसकी सगी बहन कदीम (21 वर्ष), निवासी ग्राम रिढावली, थाना गुलावठी, जनपद बुलंदशहर के रूप में हुई है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वह पिछले चार-पांच वर्षों से जाकिर को जानती थी। दोनों की दोस्ती बाद में लिव-इन रिलेशनशिप में बदल गई और करीब आठ-नौ महीने से दोनों ट्रोनिका सिटी क्षेत्र में पति-पत्नी की तरह रह रहे थे। किरण के साथ उसके तीन बच्चे भी रहते थे। पिछले करीब दो महीने से उसे शक था कि जाकिर उसकी 13 वर्षीय बेटी पर गलत नजर रखता है। इसी आशंका के चलते उसने

उसे रास्ते से हटाने का फैसला किया। लगभग 20 दिन पहले उसने अपनी बहन कदीम को बुलाकर पूरी बात बताई और दोनों ने मिलकर हत्या की योजना बनाई। योजना के अनुसार जाकिर के मोबाइल से ओला कैब बुक कराई गई ताकि बच्चों को घर से बाहर भेजा जा सके। जैसे ही बच्चे कैब में बैठने के लिए बाहर निकले, घर के अंदर मौजूद दोनों बहनों ने जाकिर पर हमला कर दिया। किरण ने पहले डंडे से उसके सिर पर वार किया, जिससे वह बेहोश हो गया। इसके बाद दोनों बहनों ने गमछे से गला कसकर उसकी हत्या कर दी।वारदात के बाद हत्या को आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की गई। हत्या में प्रयुक्त डंडे को छत पर पानी की टंकी के पीछे छिपा दिया गया था और गमछे को पंखे से बांधकर पंखे की पंखुड़ियां मोड़ दीं ताकि मामला आत्महत्या जैसा लगे। इसके बाद किरण ने शोर मचाया और मृतक के भाई को फोन कर बताया कि जाकिर ने आत्महत्या कर ली है। बाद में उसे अस्पताल भी ले जाया गया, जहां भी उसने यही कहानी दोहराई।

आईएमएस गाजियाबाद को दर I-GAUGE रेटिंग में मिली प्लैटिनम श्रेणी, शिक्षण गुणवत्ता का राष्ट्रीय स्तर पर मिला सम्मान

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। शिक्षा के क्षेत्र में पिछले 36 वर्षों से उत्कृष्टता और नवाचार के नए मानक स्थापित कर रहे आईएमएस गाजियाबाद (यूनिवर्सिटी कोर्सेस कैम्पस) ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम की है। संस्थान को प्रतिष्ठित दर I-GAUGE रेटिंग 2026 में टीचिंग एंड लर्निंग, फैसिलिटीज तथा गवर्नेंस एंड स्ट्रक्चर श्रेणियों में प्लैटिनम रेटिंग प्राप्त हुई है। यह उपलब्धि संस्थान की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, छात्र-केंद्रित दृष्टिकोण और उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण की पुष्टि करती है।

दर क-ऋअवऋए द्वारा किए गए मूल्यांकन में संस्थान को अकादमिक डेवलपमेंट श्रेणी में डायमंड रेटिंग प्रदान की गई। वहीं डाइवर्सिटी एंड एक्सेसिबिलिटी, फैकल्टी क्वालिटी, एम्प्लॉयबिलिटी और सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी जैसे प्रमुख मानकों पर गोल्ड रेटिंग तथा आर्ट्स एंड कल्चर श्रेणी में ब्रॉन्ज रेटिंग मिली।

गौरतलब है कि दर QS I-GAUGE

भारत की प्रतिष्ठित एवं स्वतंत्र उच्च शिक्षा मूल्यांकन प्रणाली है, जिसे वैश्विक संस्था दर QS (Quacquarelli Symonds), यूनाइटेड किंगडम की विशेषज्ञता और गुणवत्ता मानकों के आधार पर विकसित किया गया है। यह विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों का मूल्यांकन शिक्षण, शोध, रोजगार क्षमता, प्रशासन, सामाजिक उत्तरदायित्व और अन्य गुणवत्ता मानकों के आधार पर करती है।

इस उपलब्धि पर आईएमएस गाजियाबाद के जनरल सेक्रेटरी सीए (डॉ.) राकेश छारिया ने कहा कि यह सम्मान संस्थान के विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। गुणवत्ता, नवाचार और मूल्यों पर आधारित शिक्षा के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता ही उसे लगातार नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले वर्षों में संस्थान राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर उत्कृष्टता के नए मानक स्थापित करेगा।

संस्थान की निदेशक प्रो. (डॉ.) जसकिरण कौर ने कहा कि दर QS I-GAUGE की यह रेटिंग शैक्षणिक गुणवत्ता, नवाचार आधारित शिक्षण और छात्र विकास के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल डिग्री ही नहीं, बल्कि कौशल, नेतृत्व क्षमता और सामाजिक उत्तरदायित्व भी सफलता की कुंजी हैं। संस्थान ऐसे विद्यार्थियों का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो ज्ञान के साथ समाज और राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान दें।

यह उपलब्धि आईएमएस गाजियाबाद की उत्कृष्ट शैक्षणिक परंपरा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति उसके निरंतर समर्पण को एक बार फिर रेखांकित करती है।

विशाल श्याम संकीर्तन में भजनों पर रातभर झूमे श्रद्धालु

मोदीनगर (शिखर समाचार)। श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से महेंद्र पुरी स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर के तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव के समापन अवसर पर विशाल श्याम संकीर्तन का आयोजन किया गया। देर शाम शुरू हुआ भजन संकीर्तन पूरी रात चलता रहा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर बाबा खाटू श्याम के भजनों का आनंद लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बागपत मोदीनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली तथा विधायक डॉ. मंजू सिवाच ने हवन में आहुति देकर बाबा खाटू श्याम की विधिवत पूजा-अर्चना की और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। भजन गायक सौरव शर्मा (कोलकाता), योगेश शर्मा, दिनेश शेखावत, जस्सी सैनी (सूरजगढ़) तथा अमित भारद्वाज (मेरठ) ने एक से बढ़कर एक श्याम भजन प्रस्तुत किए। उनके मधुर भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक भक्ति रस में सराबोर होकर झूमते रहे। भीषण गर्मी के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ और पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से गूंजता रहा। कार्यक्रम का संचालन गिरीश शर्मा ने किया, जबकि संगीत संयोजन में देव अग्रवाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर निवाड़ी नगर पंचायत अध्यक्ष अनिल त्यागी, सभासद मोनू धामा, ओमप्रकाश जाघव, घनश्याम सिरोही, जितेंद्र शर्मा, राजेंद्र कुमार गर्ग, देवेंद्र कुमार गुप्ता, संजय रुहेला, राजीव रुहेला, भाजपा नेता मयंक शर्मा, रमाकांत अग्रवाल, विजय कुमार शर्मा, शिवकुमार जिंदल, पूर्व सभासद अरुण खन्ना सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भामाशाह जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई, उत्कृष्ट व्यापारियों का हुआ सम्मान

हापुड़ (शिखर समाचार)। कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को मेवाड़ के महान दानवीर भामाशाह की जयंती श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर जिला प्रशासन तथा विभिन्न व्यापारी संगठनों के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में व्यापार जगत में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 5 करोड़ से 100 करोड़ रुपये तक का वार्षिक कारोबार करने वाले व्यापारियों को मुख्य अतिथि एवं जिलाधिकारी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का शुभारंभ कलेक्ट्रेट परिसर स्थित भामाशाह की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके बाद आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने भामाशाह के त्याग, राष्ट्रभक्ति और समाज सेवा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके जीवन को आज भी प्रेरणास्रोत बताया। सांस्कृतिक विभाग के कलाकारों ने देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम को भावपूर्ण बना दिया। वक्ताओं ने कहा कि 16वीं शताब्दी में मेवाड़ के संकट के समय भामाशाह ने महाराणा प्रताप को अपना समस्त धन समर्पित कर स्वाभिमान और स्वतंत्रता की रक्षा में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनके इसी अतुलनीय त्याग के कारण उन्हें 'दानवीर भामाशाह' और 'मेवाड़ का रक्षक' के रूप में स्मरण किया जाता है। जिलाधिकारी कविता मीना ने अपने संबोधन में कहा कि भामाशाह का जीवन निस्वार्थ सेवा, परोपकार और राष्ट्रभक्ति का अनुपम उदाहरण है। उनके आदर्शों को अपनाकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने का संकल्प लेना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा, व्यापार मंडल एवं उद्योग मंडल के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

समाजवादी पार्टी कार्यालय पर मनाई गई दानवीर भामाशाह की जयंती

शामली (शिखर समाचार)। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर सोमवार को दानवीर भामाशाह की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी तथा उनके त्याग, दान और राष्ट्रसेवा के आदर्शों का स्मरण किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला महासचिव चौधरी कलीम हसन ने कहा कि दानवीर भामाशाह का जीवन समाज सेवा, त्याग और राष्ट्रहित के प्रति समर्पण का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने कहा कि भामाशाह ने अपने अतुलनीय दान और बलिदान से इतिहास में अमिट पहचान बनाई, जिससे आने वाली पीढ़ियां सदैव प्रेरणा प्राप्त करती रहेंगी।

इस अवसर पर उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने दानवीर भामाशाह के आदर्शों का अनुसरण करते हुए समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित रहने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में चौधरी शमशेर जंग, सैय्यद मुस्तकीम, चौधरी बोबी प्रधान, प्रवीण कुमार, चौधरी सुफियान, शिवांश खैवाल, वीरपाल सिंह, मुजम्मिल, गोलू चौधरी, उस्मान चौधरी, माज हसन सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भामाशाह का त्याग, राष्ट्रभक्ति और समाजसेवा आज भी प्रेरणादायी: प्रीतम लाल

मुरादनगर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के तत्वावधान में राष्ट्रभक्त एवं महान दानवीर भामाशाह की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में भामाशाह के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया तथा उनके त्याग, राष्ट्रभक्ति और समाजसेवा के आदर्शों का स्मरण किया गया। वक्ताओं ने कहा कि भामाशाह का जीवन राष्ट्रहित, स्वाभिमान और परोपकार का अनुपम उदाहरण है, जो आज भी समाज को प्रेरणा प्रदान करता है। इस अवसर पर व्यापार मंडल की ओर से नगर के वरिष्ठ व्यापारी विनोद जिंदल, अनिल कोहली, अरविंद गर्ग, अशोक कुमार गोयल सहित अनेक प्रतिष्ठित व्यापारियों को सम्मानित किया गया। जिला अध्यक्ष प्रीतम लाल ने कहा कि दानवीर भामाशाह केवल उदार दानी ही नहीं, बल्कि राष्ट्रभक्ति और त्याग की सजीव मिसाल थे। उन्होंने अपना संपूर्ण धन मातृभूमि की रक्षा और समाज के कल्याण के लिए समर्पित कर इतिहास में अमिट पहचान बनाई। उनका जीवन प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए सेवा, समर्पण और परोपकार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। कार्यक्रम का संचालन मोदीनगर अध्यक्ष अमित गोयल ने किया। इस दौरान प्रदेश मंत्री सतीश अग्रवाल, नगर अध्यक्ष शहजाद चौधरी, मोदीनगर महामंत्री निर्दोष खटाना, नगर महामंत्री त्रिवेंद्र गुप्ता, दमयंती सिंह, अरविंद भारतीय, नितिन गोयल, ललित गोयल, नितिन शर्मा, सुमित गर्ग, संजय सिंघल, उमेश अरोड़ा, सतीश जिंदल, रमेश प्रधान, अनिल शर्मा, हरिमोहन गोयल, मनोज गुप्ता, आलोक मित्तल, यासीन अंसारी, छोटे चौधरी, दीपक गोयल, नवीन सक्सेना, जय भगवान सिंघल, लाला गंगाशरण सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे।

भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक प्रसंग के साथ श्रीराम कथा का हुआ समापन

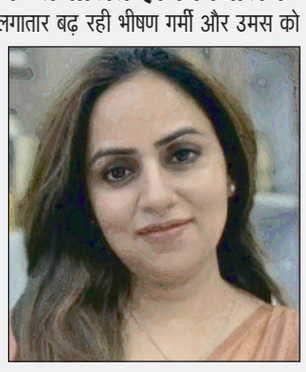

शामली (शिखर समाचार)। शहर स्थित हनुमान धाम के अग्रसेन भवन में आयोजित श्रीराम कथा का समापन रविवार को भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक के भावपूर्ण प्रसंग के साथ हुआ। कथा वाचक दीपक महाराज ने कहा कि लंका विजय के बाद भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के अयोध्या लौटने पर महर्षि वशिष्ठ ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उनका राज्याभिषेक कराया। इसी के साथ धर्म, न्याय, सुशासन और लोककल्याण पर आधारित आदर्श रामराज्य की स्थापना हुई। दीपक महाराज ने रामचरितमानस की चौपाई "दैहिक दैविक भौतिक तापा, राम राज नहिं काहुहि व्यापा" का उल्लेख करते हुए कहा कि रामराज्य में प्रत्येक व्यक्ति सुखी, सुरक्षित और संतुष्ट था। उन्होंने श्रद्धालुओं से भगवान श्रीराम के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कथा के समापन पर श्रद्धालुओं ने श्रद्धाभाव से आरती में भाग लिया और इसके बाद आयोजित भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का संचालन यशपाल पंवार एवं सचिन जैन भगत ने किया। इस अवसर पर राजकुमार तायल, अवनीश संगल, अशोक गोयल, मनोज गोयल, सचिन मित्तल, संजय एरन, सक्षम संगल, संदीप मित्तल, राजकमल मित्तल, राधेश्याम संगल, विजय गोयल, खुशीराम अरोड़ा, नवीन अरोड़ा, सुभाष तायल, अमित गर्ग, कपिल जिंदल सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

ई-पंजीकरण व्यवस्था के विरोध में वकीलों और बैनामा लेखकों का पैदल मार्च, 19वें दिन भी जारी रहा धरना

मोदीनगर (शिखर समाचार)। बैनामों की ई-पंजीकरण व्यवस्था के विरोध में सोमवार को वकीलों और बैनामा लेखकों ने तहसील मुख्यालय से मोदी मंदिर तक दिल्ली-मेरठ मार्ग पर पैदल मार्च निकालकर प्रदेश सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि जब तक ई-पंजीकरण व्यवस्था वापस नहीं ली जाती, उनका आंदोलन जारी रहेगा। सुबह वकील और बैनामा लेखक तहसील परिसर में एकत्र हुए। सभी ने विरोध स्वरूप अपनी बाजुओं पर काली पट्टियां बांधी और जुलूस के रूप में दिल्ली-मेरठ मार्ग पर निकल पड़े। यह मार्च गोविंदपुरी, कपड़ा मिल, राज चौक, बस स्टैंड होते हुए मोदी मंदिर तक पहुंचा। इसके बाद प्रदर्शनकारी वापस तहसील मुख्यालय लौटे, जहां जुलूस का समापन हुआ। प्रदर्शन के दौरान प्रतिभागियों ने करीब 10 किलोमीटर की दूरी पैदल तय की और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पैदल मार्च के कारण दिल्ली-मेरठ मार्ग पर कई स्थानों पर यातायात प्रभावित रहा। यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मियों को लगातार मोर्चा संभालना पड़ा। उधर, तहसील स्थित रजिस्ट्री कार्यालय के मुख्य द्वार पर वकीलों और बैनामा लेखकों का धरना 19वें दिन भी जारी रहा। आंदोलन के चलते पिछले 19 दिनों से रजिस्ट्री का कार्य पूरी तरह ठप है और इस अवधि में एक भी बैनामा पंजीकृत नहीं हो सका।

भीषण गर्मी का असर: कक्षा 1 से 8 तक के स्कूलों का समय बदला, अब सुबह 7:30 से दोपहर 12:30 बजे तक संचालित होंगे विद्यालय

हापुड़ (शिखर समाचार)। जिले में लगातार बढ़ रही भीषण गर्मी और उमस को देखते हुए बेसिक शिक्षा विभाग ने कक्षा 1 से 8 तक के परिषदीय विद्यालयों के संचालन समय में बदलाव कर दिया है। नए आदेश के अनुसार अब विद्यालय सुबह 7:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक संचालित किए जाएंगे।

बीएसए दीपा भाटी ने बताया कि बढ़ते तापमान, तेज धूप और उमस के कारण विद्यार्थियों को विद्यालय आने-जाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। बच्चों को लू एवं गर्मी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी संबंधित विद्यालयों को आदेश का कड़ाई से पालन करना होगा। निर्धारित समय का उल्लंघन करने वाले संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

ग्रेटर नोएडा वर्ल्ड स्कूल के विद्यार्थियों का ओप्पो मैन्युफैक्चरिंग प्लांट का शैक्षणिक भ्रमण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। विद्यार्थियों को आधुनिक उद्योगों की कार्यप्रणाली से परिचित कराने तथा उन्हें व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से ग्रेटर नोएडा वर्ल्ड स्कूल के विद्यार्थियों का ग्रेटर नोएडा स्थित ओप्पो विनिर्माण संयंत्र का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विश्वस्तरीय विनिर्माण प्रक्रियाओं, अत्याधुनिक तकनीकों एवं औद्योगिक कार्यसंस्कृति को निकट से समझने का अवसर प्राप्त किया।

हापुड़ - पिलखुवा विकास प्राधिकरण
ISO 9001:2000
प्रीत विहार, दिल्ली रोड, हापुड़ - 245101
वेबसाइट: www.hpdaonline.com, ई-मेल: hpda_1@rediffmail.com
पत्र सं0 75/ अधी0अभि0/ एच०पी०डी०ए० /2026 दिनांक:-29.06.2026

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

उपाध्यक्ष हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण की ओर से हापुड़-पिलखुवा विकास प्राधिकरण में उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत फर्मों/ ठेकेदारों / विशिष्ट श्रेणी से ई-निविदा आमंत्रण सूचना सं.-74/अधी0अभि0/एच.पी.डी.ए./2026 दिनांक 29.06.2026 में वर्णित कार्य हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। ई-निविदा संबंधी समस्त विवरण व शर्तें हापुड़-पिलखुवा की वेबसाइट www.hpdaonline.in एवं https://etender.up.nic.in दिनांक 30.06.2026 से उपलब्ध होगी। संबंधित निविदा को ई-निविदा आमंत्रण सूचना में उनके सम्मुख अंकित की गयी तिथियों पर डाउनलोड व अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदा को उसके सम्मुख अंकित तिथि पर खोला जायेगा। किसी परिवर्तन संशोधन व अतिरिक्त सूचनाओं के लिये वेबसाइट देखते रहें।

अधीक्षण अभियंता
हापुड़ - पिलखुवा विकास प्राधिकरण
हापुड़।

संक्षिप्त समाचार

अब सिर्फ खास गोल्ड मेडलिस्ट का ही होगा गोल्डन डे

गोरखपुर , एजेंसी। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय (डीडीयू) के आगामी दीक्षांत समारोह में इस बार सिर्फ खास गोल्ड मेडलिस्ट ही मुख्य मंच तक पहुंच सकेंगे। कुलाधिपति कार्यालय के निर्देश पर पहली बार इस व्यवस्था में बदलाव किया गया है। केवल 25 गोल्ड मेडलिस्ट को ही कुलाधिपति (राज्यपाल) के हाथों स्वर्ण पदक दिलाने का निर्णय लिया गया है। शेष छात्र-छात्राओं को पदक अलग से प्रदान किए जाएंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि यह फैसला समारोह को तय समय में संपन्न कराने के लिए लिया गया है। सभी गोल्ड मेडलिस्ट को मुख्य मंच पर बुलाया जाएगा तो समारोह की अवधि काफी बढ़ जाएगी। इसी कारण सीमित संख्या में विद्यार्थियों को कुलाधिपति के हाथों प्रदान करने की व्यवस्था की गई है। मुख्य मंच पर सम्मानित किए जाने वाले 25 विद्यार्थियों का चयन विश्वविद्यालय तय मानकों के आधार पर करेगा। इस निर्णय को लेकर कुछ गोल्ड मेडलिस्ट निराश हो सकते हैं, क्योंकि अधिकतर गोल्ड मेडलिस्ट राज्यपाल के हाथों सम्मान पाने की अपेक्षा रखते हैं। अभी तक सभी गोल्ड मेडलिस्ट को राज्यपाल के हाथों ही मेडल प्राप्त करने का अवसर मिलता रहा है। हालांकि कुलपति ने सभी गोल्ड मेडलिस्ट को मंच से सम्मान दिलाने का प्रयास करने की बात भी कही है। दीक्षांत समारोह में मेधावियों को 158 स्वर्ण पदक दिए जाएंगे। इनमें से 69 स्वर्ण पदक विश्वविद्यालय की ओर से और 89 स्मृति स्वर्ण पदक हैं। स्वर्ण पदक की संख्या विभागवार तय है। ऐसे में एक गोल्ड मेडलिस्ट को कई गोल्ड मेडल मिलते हैं।

बरेली कॉलेज में अवैध वसूली पर परिसर में संचालित इंटरनेट कैफे बंद

बरेली, एजेंसी। बरेली कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया के दौरान अवैध वसूली और शुल्क धांधली का मामला सामने आया है। अब तक 1050 से अधिक प्रवेशार्थियों से न्यूनतम सौ रुपये से अधिक वसूले गए हैं। प्राचार्य ओपी राय ने शिकायतों के बाद कॉलेज परिसर में स्थित एक इंटरनेट कैफे को खाली करने का आदेश दिया है। प्रवेश एजेंसी ने कम मेरिट वाले 115 छात्रों की फीस भी काट ली थी। एजेंसी ने अपनी गलती स्वीकार की है और फीस लौटाने का दावा कर रही है। छात्रों से फॉर्म भरने और फीस जमा करने के लिए अतिरिक्त शुल्क लिया जा रहा था। इंटरनेट कैफे फॉर्म भरने के लिए 200 रुपये लेते थे। जीएसटी के नाम पर 100 रुपये अलग से वसूले जाते थे। कई छात्रों को मिली रसीद पर वास्तविक भुगतान से कम राशि दर्ज थी। बीए की छात्रा ने बताया कि उससे 4500 रुपये लिए गए, पर रसीद 4046 रुपये की मिली। एक बीसीए छात्रा की फीस 5846 रुपये की जगह 5966 रुपये कटी। रसीद 5846 रुपये की ही मिली। अतिरिक्त राशि को जीएसटी बताया गया, पर यह रसीद पर दर्ज नहीं था। कॉलेज के आसपास के इंटरनेट कैफे पांच सौ रुपये तक अतिरिक्त शुल्क लेते थे। कॉलेज परिसर के कैफे ने गलत मेरिट लिस्ट जारी होने पर छात्रों को बुलाया। उनसे ऑनलाइन फीस जमा कराकर वसूली की गई। यह कैफे दस साल से कॉलेज परिसर में संचालित था। छात्रों को भ्रमित करने और वसूली का उल्लेख नोटिस में किया गया। प्राचार्य ओपी राय ने अवैध वसूली की शिकायतों का संज्ञान लिया। उन्होंने शनिवार को कैफे की बिजली काट दी और खाली कराने का नोटिस जारी किया। प्राचार्य ने कैफे संचालक को दो दिन में कमरा खाली करने का आदेश दिया है, अन्यथा रिपोर्ट दर्ज कराई जाएगी। इस मामले में एक जांच समिति बनाई गई है। यह समिति सोमवार को अपनी रिपोर्ट प्राचार्य को सौंप सकती है।

पैतृक संपत्ति विवाद निपटाने के लिए अधिकारियों से मिले अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह

अलीगढ़ , एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह ने अपने भाई के साथ शनिवार को अधिकारियों से मिलकर पैतृक संपत्ति विवाद को निपटारे की गुहार लगाई। आरोप लगाया कि फर्जी वसीयत तैयार कर उनकी जमीन कब्जाने की कोशिश की जा रही है। इसमें कुछ स्थानीय नेता भी शामिल हैं। छह महीने में दूसरी बार अधिकारियों से मिलकर अभिनेता ने अपनी बात रखी। चंद्रचूड़ सिंह जलालपुर रियासत से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता कैप्टन बल्देव सिंह देहरादून में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के सहपाठी रहे हैं। 1985 में शहर विधायक भी रहे। उन्हें बताया कि उनकी संपत्ति को खुर्द-बुर्द करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि अधिकारी छानबीन कर रहे हैं। उम्मीद है जल्द ही विवाद सुलझ जाएगा। उन्होंने कहा कि हम न्याय के लिए लड़ रहे हैं, क्योंकि उनकी संपत्ति पर लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है। भाई अभिमन्यु सिंह ने कहा कि अलीगढ़ की अदालत में वाद दायर कर दिया गया है। वह सुबूत जुटा रहे हैं। चंद्रचूड़ सिंह ने एक सवाल के जवाब में कहा कि कौन नहीं चाहता है कि उसका शहर तरक्की करे। वह चाहते हैं कि अलीगढ़ से कलाकार निकलें और रुपहले पर्दे पर छा जाएं। अगर अलीगढ़ में फिल्म इंस्टीट्यूट या अन्य कोई संस्थान बनता है, तो उसमें अपना योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि फिल्मी दुनिया में काबिल कलाकारों को काम मिलना चाहिए। चंद्रचूड़ सिंह ने बड़े पर्दे से दूरी बनाने के सवाल पर कहा कि देखिए, जहां अच्छा काम मिलेगा और खुश होऊंगा तो काम जरूर करूंगा।

चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव को एसआईटी ने नहीं दी क्लीन चिट

अभी तीनों जांच के घेरे में

लखनऊ , एजेंसी। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और अनिल मिश्रा के अलावा निर्माण समिति के सहायक गोपाल राव को एसआईटी ने क्लीन चिट नहीं दी है। एसआईटी की विस्तृत जांच में इन सभी की भूमिका की जांच जारी है। प्राथमिक रिपोर्ट में इसका जिक्र भी है। विस्तृत जांच रिपोर्ट में इन पदाधिकारियों के बारे में स्पष्ट किया जाएगा कि इनकी भूमिका है या नहीं, या फिर ये लापरवाही के दोषी हैं।

बड़े पैमाने पर बदलाव होगा: मंदिर के भीतर हुई चोरी ने देशभर में सनसनी फैला दी है। संवेदनशील स्थान पर इतनी बड़ी घटना का होना सुरक्षा में बड़ी चूक है। सूत्रों के मुताबिक, एसआईटी ने प्रारंभिक रिपोर्ट में सुरक्षा की खामियों का जिक्र किया है। साथ ही अहम बदलाव की सिफारिश की है। सुरक्षा में लगे अधिकारियों से लेकर तमाम कर्मचारी बदले जाएंगे और निगरानी तंत्र को मजबूत करने के लिए कई और कदम उठाए जाएंगे। इसके लिए एसओपी तैयार की जा रही है।

गोपाल का न इस्तीफा, न कार्रवाई : मंदिर प्रबंधन से जुड़ा प्रत्येक कार्य चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव देखते थे। मंदिर निर्माण, दान राशि जैसे अहम कार्य में पूरा दखल इन्हीं का रहता था। इनकी नाक के नीचे इतना बड़ा हेरफेर हुआ और करोड़ों रुपये पार हो गए, इन्हें भनक तक नहीं, यह यकीन करना मुश्किल है। इसलिए तीनों सबसे अधिक सवालों से घिरे हैं। अब तक गोपाल ने खुद इस्तीफा नहीं दिया, न ही कोई कार्रवाई की गई है।

चांदी की ईंटें व आभूषण सुरक्षित, हिसाब भी मौजूद : एक सिंधी संगठन ने चांदी की दो सौ ईंटें, विश्वकर्मा परिवार ने चरण पादुका व हार दान करने की बात कहते हुए बताया था कि उनको रसीद नहीं दी गई। अंदेशा जताया था कि ये सभी चीजें गायब कर दी गईं। कई और मामले भी सामने आए थे। इस पर भी ट्रस्ट ने दावा किया है कि चांदी की ईंटें व अन्य आभूषण हिसाब के साथ सुरक्षित हैं।

सभी आठ आरोपियों के ठिकानों पर छापेमारी

अब तक 79 लाख बरामद; टिन्नू यादव के घर पुलिस

अयोध्या, एजेंसी। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के सभी आठ आरोपियों के घर रविवार को सुबह पुलिस ने एक साथ दबिश दी। टीमें एक साथ सभी के घर पहुंची। घरवालों से पूछताछ शुरू की। साथ ही पड़ोसियों से बातचीत करके जानकारी जुटाई।

बताते चलें कि बीती छह जून को राम मंदिर की चढ़ावा धनराशि में से चोरी का मामला सामने आया था। बाद में मंदिर ट्रस्ट की सिफारिश पर प्रदेश सरकार ने एसआईटी गठित की। दो दिन पहले एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट शासन को सौंप दी। इसके बाद बृहस्पतिवार की शाम को मंदिर ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन ने गणना में शामिल कर्मियों अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष कुमार यादव, करुणेश पांडेय और रमाशंकर मिश्रा व पर्यवेक्षणीय कर्मी सुभाष श्रीवास्तव व महासचिव चंपत राय के चालक रामशंकर उर्फ टिन्नू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई थी।

कर्मियों ने चढ़ावा धनराशि की चोरी की : रामजन्मभूमि थाने में दर्ज एफआईआर में कृष्ण मोहन ने बताया कि मंदिर में चढ़ावा धनराशि के गबन/चोरी के संबंध में एसआईटी गठित की गई थी। एसआईटी रिपोर्ट से यह तथ्य प्रकाश में आया है कि गणना प्रक्रिया में सेवारत कुछ कर्मियों ने भेंट/चढ़ावा धनराशि की चोरी की है। पर्यवेक्षणीय कार्य में लगे सुभाष श्रीवास्तव और बैंक पर्यवेक्षणीय कर्मी रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू की भूमिका भी प्रथम दृष्ट्या है। इसी आधार पर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

शादी का झांसा देकर दो ममेरी बहनों को ले गया युवक

गोरखपुर , एजेंसी। चिलुआताल थाना क्षेत्र में बेटे का दोस्त बनकर घर में आने-जाने वाला पश्चिम बंगाल का एक युवक शादी का झांसा देकर दो ममेरी बहनों को अपने साथ ले गया। पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर दोनों युवतियों की तलाश शुरू कर दी है। सर्विलांस टीम की भी मदद ली जा रही है। चिलुआताल क्षेत्र की रहने वाली महिला ने तहरीर में बताया कि पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के रानाघाट थाना क्षेत्र निवासी गोविंदो सिंह उसके बेटे का दोस्त था। वह अक्सर घर आता-जाता था और धीरे-धीरे परिवार का सदस्य जैसा बन गया। घर में महिला की 24 वर्षीय बेटी के अलावा उसकी ननद की 19 वर्षीय बेटी भी रहकर पढ़ाई करती थी। आरोप है कि गोविंदो ने परिवार का विश्वास जीतने के बाद दोनों युवतियों से नजदीकियां बढ़ा ली। महिला का आरोप है कि 20 जून की सुबह करीब चार बजे गोविंदो दोनों युवतियों को शादी का झांसा देकर अपने साथ ले गया। काफी तलाश के बाद भी जब तीनों का पता नहीं चला और आरोपी का मोबाइल भी बंद मिला, तब परिवार ने पुलिस से शिकायत की। परिजनों ने आशंका जताई है कि युवतियों के साथ कोई अप्रिय घटना हो सकती है। उनका कहना है कि पहले भी पश्चिम बंगाल के युवकों द्वारा लड़कियों को बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले सामने आ चुके हैं, जिससे परिवार की चिंता और बढ़ गई है।

बेसमेंट पार्किंग पर कब्जा कर बना दिए जिम और स्विमिंग पूल

अलीगढ़ , एजेंसी। शहर की दो प्रमुख सोसाइटियों, लाविस्टा हाइट्स और गैलेक्सी टावर, में बिल्डरों की मनमानी से निवासी आक्रोशित हैं। निवासियों ने बिल्डरों पर अवैध निर्माण और मूलभूत सुविधाओं की कमी का आरोप लगाया है। उन्होंने अलीगढ़ विकास प्राधिकरण (एडीए) और यूपी रेरा से शिकायत की है। लाविस्टा हाइट्स के निवासियों का आरोप है कि बिल्डर वीपी इन्फ्राटैक ने बिना ऑक्यूपेंसी सर्टिफिकेट के नियमों का उल्लंघन किया है। बिल्डर ने बेसमेंट पार्किंग पर कब्जा कर जिम और स्विमिंग पूल बना दिया है। टावर की छत और गैलरी जैसी साझा जगहों पर भी अवैध निर्माण किया गया है। इससे वाहन खड़े करने की बड़ी समस्या खड़ी हो गई है।

एक नई बिल्डिंग बिना फायर एनओसी और स्ट्रक्चरल सेफ्टी सर्टिफिकेट के बन रही है। निवासियों को पजेशन लेटर और अन्य कानूनी दस्तावेज भी नहीं दिए गए हैं। बिल्डर ने एक अवैध रेजीडेंट वेलफेयर एसोसिएशन का गठन कर मेंटेनेंस भी वसूला है। शिकायतकर्ता सुधा चौधरी समेत कई लोगों ने एडीए और रेरा को पत्र भेजा है। एडीए ने जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत के बाद बिल्डर को 13 जून 2026 तक का नोटिस दिया था। निवासियों का कहना है कि नोटिस के बावजूद अवैध निर्माण जारी है और कोई कार्रवाई नहीं हुई। चंद्रशेखर शर्मा और अन्य निवासियों ने बिल्डर को 7 दिन का अल्टीमेटम दिया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि अवैध निर्माण नहीं रुका तो वे रेरा कोर्ट और उपभोक्ता फोरम जाएंगे। बिल्डर विक्रम सिंह ने आरोपों को निराधार बताया है।

रामघाट सड़क स्थित गैलेक्सी टावर अपार्टमेंट के निवासियों ने भी बिल्डर की लापरवाही पर रोष जताया है। उनका आरोप है कि कैंपस में अवैध निर्माण हो रहा है और कंप्लीशन सर्टिफिकेट नहीं मिला है। दो में से एक लिफ्ट मानकविहीन है और फायर सेफ्टी के इंतजाम भी गायब हैं। संदीप अग्रवाल और अन्य निवासियों ने कानूनी व लोकतांत्रिक आंदोलन की चेतावनी दी है।

पुलिस मुठभेड़ में पांच शातिर पशु चोर गिरफ्तार, दो के पैर में लगी गोली

बिजनौर (शिखर समाचार)। कोतवाली देहात पुलिस ने सोमवार देर रात मुठभेड़ के बाद पांच शातिर पशु चोरों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस की आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी फायरिंग में दो बदमाशों के पैर में गोली लगी, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की दो भैंस, एक कटिया, अवैध हथियार तथा वारदात में प्रयुक्त बोलेरो कार बरामद की है। पुलिस क्षेत्राधिकारी देश दीपक सिंह ने बताया कि कुछ दिन पूर्व दायम नगला गांव से दो भैंस और एक कटिया चोरी होने का मामला दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए गठित टीम को सोमवार रात सूचना मिली कि महमूदपुर भवता गांव के पास बंद पड़े ईंट भट्ठे के निकट कुछ संदिग्ध पशु चोर नई वारदात की योजना बना रहे हैं।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने घेराबंदी की तो बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की, जिसमें नसीम कुरैशी उर्फ लंबू निवासी मेरठ तथा रईस निवासी गांगलहेड़ी, सहारनपुर के पैर में गोली लग गई। इसके बाद पुलिस ने दोनों को दबोच लिया तथा घेराबंदी कर उनके तीन अन्य साथियों गुलफाम उर्फ छोटे निवासी मुंढाला, कोतवाली शहर, राहुल निवासी पूरनपुर गढ़ी, नजीबाबाद और सफीक निवासी मोहल्ला कस्साबान, किरतपुर को भी गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो तमंचे, तीन जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस, दो चाकू, चोरी की गई दो भैंस, एक कटिया तथा पशुओं की ढुलाई में प्रयुक्त बोलेरो कार बरामद कर सीज कर दी। पुलिस का कहना है कि सभी आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उनके आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है।

पीछे से रोडवेज बस की जोरदार टक्कर, 17 महिलाकर्मियों समेत 19 घायल नोएडा जा रही कंपनी बस हादसे का शिकार

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना हापुड़ क्षेत्र के नेशनल हाईवे-9 पर सोमवार सुबह एक निजी कंपनी की बस में पीछे से रोडवेज बस ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बस में सवार 17 महिलाकर्मियों सहित चालक और परिचालक समेत कुल 19 लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद हाईवे पर अफरा-तफरी मच गई और लंबा जाम लग गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, घायलों को अस्पताल भिजवाया तथा क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारू कराया।

जानकारी के अनुसार बाबूगढ़ छावनी से नोएडा सेक्टर-84 स्थित मदरसन सुमी कंपनी की महिलाओं को लेकर जा रही बस जैसे ही हापुड़ बाईपास स्थित निजामपुर के पास पहुंची, तभी पीछे से तेज गति से आ रही रोडवेज बस ने कंपनी की बस में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई।

हादसे में बाबूगढ़ एवं हापुड़ निवासी महिलाकर्मी काजल, सबों, भारती, निशा, काजल, काजल, शिवानी, मधु, संजना, दीप्ति, रीना, चंचल, आरुषि, पायल, वंदना, सविता, छोटी सहित अन्य घायल हो गए। इसके अलावा बस चालक और परिचालक बंटी भी चोटिल हुए। सभी घायलों को उपचार के लिए सरस्वती मेडिकल कॉलेज एवं जीएस मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। सीओ अनिता चौहान ने बताया कि सभी घायलों को तत्काल अस्पताल भेज दिया गया है। दुर्घटनाग्रस्त रोडवेज बस को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है तथा मामले की जांच की जा रही है।

शिक्षक की मौत पर कोर्ट का रुख सख्त

परिवार को मिलेगा करीब एक करोड़ मुआवजा

अम्बेडकरनगर , एजेंसी। यूपी के अंबेडकरनगर में वर्ष 2019 में सड़क हादसे में जान गंवाने वाले चिंतौरा मुबारकपुर निवासी शिक्षक दलीलुल्लाह चौधरी के परिवार को मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, अयोध्या ने बड़ी राहत देते हुए 99 लाख 21504 रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया है। पीठासीन अधिकारी रविकांत तृतीय ने हादसे के लिए बाइक चालक की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराते हुए बीमा कंपनी को याचिका दाखिल होने की तिथि से सात प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित राशि जमा करने के निर्देश दिए हैं।

14 मई 2019 की रात टांडा के चिंतौरा खुर्द मार्ग पर होर्वट त्रिलोकनाथ इंटर कॉलेज के प्रवक्ता दलीलुल्लाह चौधरी अपने पुत्र अरहम अब्दुल्लाह के साथ स्कूटी से तरावीह की नमाज के लिए जा रहे थे। तभी तेज रफ्तार बाइक ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में उनकी मौके पर मौत हो गई।

पत्नी दरखशां गुलची और पुत्र ने मोटर यान अधिनियम के तहत 1.81 करोड़ रुपये से अधिक मुआवजे की मांग की थी। बीमा कंपनी और चालक ने दुर्घटना में बाइक की भूमिका से इन्कार किया, लेकिन अधिकरण ने पुलिस जांच, आरोप पत्र व पुत्र के बयान के आधार पर बाइक चालक को दोषी माना। मृतक के 79632 रुपये मासिक वेतन, आयु और आश्रितों के आधार पर मुआवजा तय किया गया। आदेश के अनुसार 50 प्रतिशत राशि पांच वर्ष के लिए एफडी में रखी जाएगी, जबकि शेष राशि परिजनों के खातों में भेजी जाएगी।

बीमार मां ने पकड़ी चारपाई, इलाज की चिंता में गई इकलौते बेटे की जान

औरैया , एजेंसी। स्वास्थ्य विभाग के दावों और निजी अस्पतालों की मनमानी का एक ऐसा चेहरा सामने आया है, जिसने एक हंसते-खेलते परिवार के चिराग को बुझा दिया है। गलत ऑपरेशन से कन्हैयापुरवा निवासी ममता जहां 11 माह से चारपाई पर लेटी हैं। वहीं इलाज की चिंता में बेटे अभिषेक राजपूत ने 25 जून की शाम जहर खाकर जान दे दी। गमगीन परिवार ने संवाद न्यूज एजेंसी से शनिवार को अपना दर्द साझा किया।

थाना क्षेत्र के गांव कन्हैयापुरवा निवासी ममता के बच्चेदानी में इन्फेक्शन होने पर परिजन ने अगस्त 2025 को कल्याणपुर स्थित निजी हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। परिजनों का आरोप है कि बच्चेदानी के ऑपरेशन में पेशाब नली की कट गई थी। इस गलत ऑपरेशन के बाद वह लोग इतना डर गए कि दोबारा उस हॉस्पिटल में नहीं गए। इसके बाद इलाज के लिए वह कानपुर के ही

दूसरे निजी हॉस्पिटल के चक्कर लगाने लगे। पांच बार यहां पर भी ममता का ऑपरेशन हुआ। आयुष्मान कार्ड से मदद मिली लेकिन सातवें ऑपरेशन के लिए यहां पर अस्पताल प्रशासन ने हाथ खड़े कर दिए। इसके बाद 35 हजार रुपये खर्च होने को लेकर डिमांड कर दी गई। परिजन इस रकम को जुटाने की तैयारी कर रहे थे लेकिन रकम का इंतजाम नहीं हो पाया। 30 जून को हॉस्पिटल में ऑपरेशन होना था। मां के ऑपरेशन के लिए महज 35 हजार रुपये का इंतजाम न कर पाने से टूटे 21 वर्षीय इकलौते बेटे अभिषेक ने मानसिक तनाव में आकर 25 जून की शाम जहर खा लिया। उपचार के दौरान मेडिकल कॉलेज में उसकी मौत हो गई। बेटे की मौत के बाद से बीमार मां ममता, दिव्यांग पिता राजेश कुमार और 17 वर्षीय बहनों निधि व सुनिधि का रो-रोकर बुरा हाल है। उधर, रोते-बिलखते परिवार ने किसी तरह इकलौते बेटे का अंतिम संस्कार कर दिया। प्रभारी निरीक्षक सत्य प्रकाश सिंह ने बताया कि युवक का शव पोस्टमार्टम के बाद परिजन के सुपुर्द कर दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने और परिजन की तहरीर के आधार पर मामले की जांच कर सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। दिबियापुर थाना क्षेत्र के गांव कन्हैयापुरवा (कन्हई का पुरवा) निवासी राजेश कुमार ने बताया कि पत्नी ममता देवी का पांच बार ऑपरेशन हो चुका है लेकिन संक्रमण बार-बार फैल रहा है। पिता ने बताया कि ममता के इलाज का खर्च, दो अविवाहित बहनों की शादी की चिंता ने अभिषेक को भीतर से तोड़ दिया था। उसने मानसिक तनाव में आकर जहर खाकर जान दे दी। अभिषेक गुरुग्राम की एक निजी कंपनी में महज 10 हजार रुपये महीने की नौकरी करता था। घर में आय का कोई और स्रोत नहीं है। परिवार के हिस्से में महज एक बीघा जमीन है। वह भी बाएं पैर से दिव्यांग हैं। पत्नी जिंदगी की जंग लड़ रही है।

प्रशासन से न्याय और मदद की गुहार

राजेश और ममता की तीन बेटियां हैं, जिनमें से बड़ी बेटी अंकिता की शादी हो चुकी है जबकि दो छोटी बेटियां निधि (17) और सुनीधि (17) की शादी होनी है। भाई की मौत और मां की गंभीर हालत से पूरा परिवार सदमे में है। पीड़ित परिवार ने शासन-प्रशासन से न्याय और आर्थिक मदद की गुहार लगाई है ताकि महिला की जान बचाई जा सके।

जिलाधिकारी ने सड़क सुरक्षा को लेकर दिए सख्त निर्देश, जागरूकता अभियान चलाने पर जोर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद में सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण, हादसों में होने वाली मृत्यु दर कम करने तथा यातायात नियमों के प्रति आमजन को जागरूक बनाने के उद्देश्य से सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में सड़क सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संबंधित विभागों को समन्वय के साथ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने परिवहन विभाग, यातायात पुलिस तथा नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण के अधिकारियों को अवैध स्टैंड, अवैध पार्किंग, ओवरलोडिंग, ओवरस्पीडिंग तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध नियमित अभियान चलाकर कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों (ब्लैक स्पॉट) को चिन्हित कर उनमें अल्पकालिक और दीर्घकालिक सुधार कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा करने, अवैध कट बंद कराने तथा सड़क सुरक्षा संकेतकों को बेहतर बनाने पर भी बल दिया।

उन्होंने कहा कि केवल प्रवर्तन कार्रवाई से दुर्घटनाओं में कमी नहीं आएगी, बल्कि विद्यालयों, महाविद्यालयों, औद्योगिक इकाइयों और सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक जागरूकता अभियान चलाकर हेलमेट, सीट बेल्ट और निर्धारित गति सीमा के पालन के प्रति लोगों को प्रेरित करना भी आवश्यक है। बैठक में हिट एंड रन मामलों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने ईडीएआर पोर्टल पर सभी दुर्घटना संबंधी मामलों की समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण प्रविष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि पीड़ितों को मुआवजा और बीमा दावों का शीघ्र लाभ मिल सके। उन्होंने परिवहन विभाग को शिक्षा विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर सभी विद्यालयों में स्कूल वाहनों की फिटनेस, चालकों की दृष्टि एवं स्वास्थ्य जांच कराने तथा बिना फिटनेस वाले वाहनों को सड़कों पर नहीं उतरने देने के निर्देश भी दिए। जिलाधिकारी ने प्रमुख सड़कों और यातायात प्रभावित क्षेत्रों का सर्वेक्षण कर होल्डिंग एरिया चिन्हित करने के भी निर्देश दिए। बैठक में अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा तथा डीसीपी ट्रैफिक की अनुपस्थिति पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) मंगलेश दुबे, उप जिलाधिकारी जेवर दुर्गेश सिंह, डिप्टी कलेक्टर अभय कुमार सिंह, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी डॉ. उदित नारायण पांडेय सहित पुलिस, लोक निर्माण विभाग, प्राधिकरणों एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सर्वाधिक कर योगदान पर हुए सम्मानित, व्यापारी कल्याण दिवस समारोह में मंत्री, सांसदों और अधिकारियों ने किया अभिनंदन

मेरठ/हापुड़ (शिखर समाचार)। दानवीर भामाशाह जयंती के अवसर पर शनिवार को मेरठ स्थित चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अटल सभागार में व्यापारी कल्याण दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लखनऊ से मुख्यमंत्री के संबोधन का लाइव प्रसारण भी किया गया। इस अवसर पर वित्तीय वर्ष 2024-25 में जीएसटी के माध्यम से सर्वाधिक राजस्व देने वाले मेरठ मंडल के प्रमुख करदाताओं को स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में हापुड़ के प्रतिष्ठित उद्यमी एवं एसजेएस मोटर्स के मैनेजिंग डायरेक्टर राजवीर सिंह 'टिन्नी' को मेरठ मंडल में सर्वाधिक जीएसटी राजस्व देने वाले शीर्ष करदाताओं में शामिल होने पर सम्मानित किया गया।

उनकी यह उपलब्धि हापुड़ के औद्योगिक एवं व्यापारिक क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बनी। मेरठ मंडल में जीएसटी योगदान के मामले में मैनकाइंड प्रथम तथा इंटास द्वितीय स्थान पर रहे। समारोह में ऊर्जा राज्यमंत्री डॉ. सोमेंद्र तोमर, कैंट विधायक अमित अग्रवाल, राज्यसभा सांसद डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी, एमएलसी अश्वनी त्यागी, सांसद प्रतिनिधि दीपक गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष शिवकुमार राणा, जिलाधिकारी डॉ. वीके सिंह, एसजीएसटी अपर आयुक्त ग्रेड-1 हरिराम चौरसिया, ज्वाइंट कमिश्नर कार्यपालक संभाग-ए मेरठ राजकुमार त्रिपाठी तथा उपायुक्त उद्योग दीपेंद्र कुमार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथियों ने सर्वाधिक कर योगदान देने वाले उद्यमियों को सम्मानित करते हुए कहा कि ईमानदारी से कर भुगतान करने वाले उद्योगपति एवं व्यापारी देश और प्रदेश की आर्थिक प्रगति के सशक्त आधार हैं। ऐसे उद्यमियों का सम्मान अन्य व्यापारियों के लिए भी प्रेरणास्रोत।

हिन्दू एकता से ही लव जिहाद और धर्मांतरण पर प्रभावी रोक संभव : गोपाल राय

बांग्लादेश सीमा पर महासम्मेलन में सामाजिक जागरूकता और संगठन की मजबूती पर दिया जोर

बनगांव/पश्चिम बंगाल (शिखर समाचार)। विश्व हिन्दू रक्षा परिषद की ओर से बांग्लादेश सीमा से सटे बनगांव क्षेत्र में रविवार को विशाल हिन्दू महासम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में हिन्दू समाज के लोगों, सामाजिक कार्यकताओं और संगठन के पदाधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में हिन्दू एकता, सनातन संस्कृति के संरक्षण, सामाजिक समरसता तथा राष्ट्रहित जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए विश्व हिन्दू रक्षा परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष एवं रेल मंत्रालय के सलाहकार गोपाल राय ने कहा कि संगठन के पास समय-समय पर धर्मांतरण और अंतरधार्मिक संबंधों से जुड़े अनेक मामले आते रहते हैं। उन्होंने दावा किया कि 20 जून 2026 को गोंडा निवासी हमजा अली और बाराबंकी निवासी शबनम बानो ने अपनी इच्छा से वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार शुद्धिकरण के बाद हिन्दू धर्म अपनाया।

गोपाल राय ने कहा कि संगठन के संज्ञान में ऐसे मामले भी आते हैं, जिनमें हिन्दू युवतियों को कथित "लव जिहाद" का शिकार बनाया गया। उन्होंने कहा कि इन घटनाओं को देखते हुए संगठन ने विभिन्न देशों में अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किए हैं, ताकि वैश्विक स्तर पर हिन्दू समाज को संगठित किया जा सके। उनके अनुसार फ्रांस, बेल्जियम, नीदरलैंड, मलेशिया, ब्राजील, यूक्रेन, श्रीलंका और इंडोनेशिया सहित कई देशों में संगठन का विस्तार किया गया है। उन्होंने युवाओं, विशेषकर बेटियों से जागरूक, शिक्षित और सतर्क रहने का आह्वान करते हुए कहा कि शिक्षा, संस्कार और सामाजिक जागरूकता के माध्यम से समाज को सशक्त बनाया जा सकता है। उन्होंने हिन्दू समाज से संगठित होकर संस्कृति और सामाजिक मूल्यों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। गोपाल राय ने कहा कि धर्मांतरण को रोकना केवल कानूनी नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण विषय है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ईवीएम वीवीपैट वेयरहाउस का किया त्रैमासिक निरीक्षण

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)

जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने सोमवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं और रखरखाव का जायजा लिया। इस दौरान विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं का गहन परीक्षण किया। उन्होंने मुख्य द्वार पर लगे ताले और सीलों की जांच की, जो पूरी तरह सुरक्षित और यथावत पाई गईं। इसके अलावा वेयरहाउस में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की कार्यप्रणाली का निरीक्षण किया गया। सभी कैमरे सुचारु रूप से संचालित पाए गए।

जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की खिड़कियों और रोशनदानों की सुरक्षा व्यवस्था का भी बारीकी से अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों से सुरक्षा मानकों की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान वेयरहाउस की सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं।

निरीक्षण के उपरांत जिला निर्वाचन अधिकारी ने वहां तैनात सुरक्षा कर्मियों को सुरक्षा व्यवस्था को लगातार मजबूत बनाए रखने और पूरी सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन संबंधी सामग्री की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री धर्मेंद्र कोरी, समाजवादी पार्टी के जिला प्रभारी अनूप तिवारी, विधानसभा अध्यक्ष रोहित मानते, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सहसचिव अरुण प्रताप सिंह, बहुजन समाज पार्टी के जिला महासचिव राजकुमार सिंह, कांग्रेस जिला सचिव प्रिंस भाटी, आम आदमी पार्टी के जिला अध्यक्ष दिलदार अंसारी, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अजीत कुमार सिंह तथा जिला निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

तेज रफ्तार बस ने यमुना प्राधिकरण के ओएसडी की एसयूवी को मारी टक्कर, चालक फरार

रबूपुरा (शिखर समाचार)। कोतवाली क्षेत्र में सेक्टर-29 के समीप सोमवार को एक तेज रफ्तार बस ने यमुना प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) शिवअवतार सिंह की एसयूवी कार को सामने से टक्कर मार दी। हादसे में ओएसडी और उनके चालक बाल-बाल बच गए, जबकि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के बाद बस चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार, यमुना प्राधिकरण के ओएसडी शिवअवतार सिंह गांव करौली बांगर में भूमि का स्थलीय निरीक्षण कर लौट रहे थे। इसी दौरान सेक्टर-29 स्थित यमुना सिटी के पास तेज गति से आ रही एक बस ने उनकी एसयूवी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, हालांकि वाहन में सवार शिवअवतार सिंह और चालक नरेश सुरक्षित बच निकले। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और बस को कब्जे में ले लिया। ओएसडी की तहरीर पर अज्ञात बस चालक के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस फरार चालक की तलाश कर रही है तथा बस के स्वामित्व और चालक की पहचान के लिए जांच में जुटी है।

पानी के बिल के ब्याज पर 40 फीसदी छूट का आज अंतिम अवसर

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एकमुश्त समाधान (ओटीएस) योजना के तहत जल शुल्क के बकाया बिल पर ब्याज में 40 प्रतिशत की छूट प्राप्त करने का मंगलवार, 30 जून अंतिम दिन है। इसके बाद एक जुलाई से 31 जुलाई तक ब्याज पर केवल 30 प्रतिशत तथा एक से 31 अगस्त तक 20 प्रतिशत की छूट मिलेगी। इसके बाद यह योजना स्वतः समाप्त हो जाएगी।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में तीन माह के लिए ओटीएस योजना लागू की गई है। इसके तहत बकाएदार निर्धारित अवधि में भुगतान कर ब्याज में राहत का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने सभी जल उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अंतिम तिथि से पहले बकाया जमा कर अधिकतम छूट का लाभ लें। प्राधिकरण के अनुसार विभिन्न श्रेणी के आवंटियों पर जल शुल्क के लगभग 290 करोड़ रुपये बकाया हैं। इनमें बिल्डर समूह आवासीय परियोजनाओं पर करीब 146 करोड़ रुपये, आवासीय आवंटियों पर 65 करोड़ रुपये, संस्थागत श्रेणी पर 50 करोड़ रुपये, औद्योगिक इकाइयों पर 14.61 करोड़ रुपये, आवासीय समितियों पर लगभग 10 करोड़ रुपये तथा शेष राशि सूचना प्रौद्योगिकी और वाणिज्यिक श्रेणी के आवंटियों पर बकाया है। प्राधिकरण ने यह भी बताया कि मुख्य कार्यपालक अधिकारी एन.जी. रवि कुमार की पहल पर इस वर्ष जल शुल्क की दरों में कोई वृद्धि नहीं की गई है। इससे पहले प्रत्येक वर्ष जल मूल्य में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की जाती रही थी। ऐसे में ओटीएस योजना के माध्यम से बकाएदारों को राहत देने का यह विशेष अवसर उपलब्ध कराया गया है।

एनएच-9 पर दिनदहाड़े खूनी हमला: ढाबे पर युवक की पीट-पीटकर हत्या, मेरठ में उपचार के दौरान तोड़ा दम

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। गढ़ कोतवाली क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग-9 स्थित एक ढाबे पर दिनदहाड़े कार सवार हमलावरों ने एक युवक पर धारदार हथियारों तथा लाठी-डंडों से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल युवक की मेरठ के अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

मृतक की पहचान मोहसीन निवासी बिजनौर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार मोहसीन एक बस से अन्य यात्रियों के साथ ढाबे पर रुका था। इसी दौरान कार से पहुंचे हमलावरों ने उस पर अचानक हमला बोल दिया और गंभीर रूप से घायल कर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद घायल मोहसीन को तत्काल गढ़ के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए मेरठ रेफर कर दिया गया। मेरठ के अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित पक्ष की तहरीर मिलने के बाद मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। हमलावरों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच कर रही है।

नाबालिग बेटी की मौत के मामले में निष्पक्ष जांच की मांग, डीएम को सौंपा प्रार्थना पत्र

शामली।(शिखर समाचार)। थानाभवन क्षेत्र के गांव सोन्टा रसूलपुर निवासी शमशाद ने अपनी 17 वर्षीय पुत्री की संदिग्ध मौत के मामले में निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपा है। उन्होंने मामले की विवेचना उच्च अधिकारी से कराने, शव को कब्र से निकलवाकर तीन सदस्यीय मेडिकल बोर्ड से दोबारा पोस्टमार्टम कराने तथा अन्य कथित आरोपितों के विरुद्ध भी कार्रवाई किए जाने की मांग की है। प्रार्थना पत्र में शमशाद ने बताया कि उनकी पुत्री की 22 मई को संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी। उनका आरोप है कि घटना के दौरान पुत्री के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या की गई। उन्होंने कहा कि पुलिस ने अब तक केवल एक आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई की है, जबकि अन्य कथित आरोपितों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने यह भी दावा किया कि घटना से संबंधित एक वीडियो उनके मोबाइल फोन में मौजूद था, जिसे पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है, लेकिन उसे विवेचना का हिस्सा नहीं बनाया जा रहा है। प्रार्थी ने मांग की कि शव को कब्र से निकालकर मेडिकल बोर्ड से दोबारा पोस्टमार्टम कराया जाए तथा गर्भावस्था, डीएनए परीक्षण और अन्य आवश्यक वैज्ञानिक जांच कराई जाए। इसके अलावा उन्होंने मामले की विवेचना थानाभवन थाना पुलिस से हटाकर क्षेत्राधिकारी स्तर के अधिकारी से कराने, कथित सह-आरोपितों को नामजद कर गिरफ्तार करने तथा पूरे प्रकरण की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है।

ई-रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में धरना जारी, पूर्व विधायक व रालोद नेता ने दिया समर्थन

शामली (शिखर समाचार)। प्रदेश सरकार द्वारा लागू की गई पेपरलेस ई-रजिस्ट्री व्यवस्था के विरोध में जिला बार एसोसिएशन के अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों और स्टांप वेंडरों का धरना सोमवार को भी जारी रहा। धरना स्थल पर पहुंचे पूर्व विधायक राजेश्वर बंसल तथा राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश महासचिव विजय कौशिक ने आंदोलन को समर्थन देते हुए प्रदर्शनकारियों की मांगों को न्यायोचित बताया।

धरना स्थल पर आयोजित सभा में वक्ताओं ने कहा कि ई-रजिस्ट्री व्यवस्था लागू होने से अधिवक्ताओं, दस्तावेज लेखकों और स्टांप वेंडरों के समक्ष रोजगार का गंभीर संकट उत्पन्न हो जाएगा। उन्होंने सरकार से इस व्यवस्था पर पुनर्विचार करने तथा संबंधित पक्षों से वार्ता कर व्यावहारिक समाधान निकालने की मांग की।

संघर्ष समिति की बैठक में निर्णय लिया गया कि लखनऊ भेजे गए प्रतिनिधिमंडल की सरकार के साथ होने वाली वार्ता और उसके परिणाम के आधार पर आंदोलन की आगामी रणनीति तय की जाएगी। अधिवक्ताओं ने स्पष्ट कहा कि जब तक उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

धरने में जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट बिजेंद्र कुमार, महासचिव एडवोकेट सत्येंद्र कुमार शर्मा, एडवोकेट प्रदीप पंवार, रामकुमार वर्मा, मनोज देशवाल, केडी शर्मा, मणिकांत शर्मा, दस्तावेज लेखक संघ के अध्यक्ष ब्रह्मपाल सैनी, सचिव राजीव सहरावत, रामगोपाल सहरावत, संजीव कुमार, स्टांप वेंडर हरपाल सिंह, नरेंद्र शर्मा सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता, दस्तावेज लेखक और स्टांप वेंडर मौजूद रहे।

अवैध संबंधों के शक में युवक की हत्या का खुलासा, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। मंडावर थाना क्षेत्र के गांव कोहरपुर में 28 जून की सुबह हुई युवक बिट्टू की हत्या का पुलिस ने खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, हत्या अवैध संबंधों के शक में की गई थी। आरोपी ने पूछताछ में अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) कृष्ण गोपाल सिंह ने बताया कि कोहरपुर निवासी बिट्टू की उसके पड़ोसी सुरेंद्र सिंह ने चाकू से हमला कर हत्या कर दी थी। घटना के बाद मृतक के परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने सुरेंद्र सिंह और उसके दो बेटों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस ने मुख्य आरोपी सुरेंद्र सिंह को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में उसने बताया कि उसे अपनी पुत्रवधू और बिट्टू के बीच अवैध संबंध होने का शक था। इसी बात को लेकर वह लंबे समय से मानसिक रूप से परेशान और नाराज था। इसी रंजिश के चलते उसने 28 जून की सुबह बिट्टू पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में नामजद अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है तथा साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

220 केवी लाइन के अनुरक्षण कार्य के चलते आज सुबह दो घंटे बाधित रहेगी बिजली आपूर्ति

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। गढ़ एवं सिंभावली विद्युत वितरण खंड के अधिकारियों ने बताया कि 30 जून को सुबह 6:30 बजे से 8:30 बजे तक 220 केवी सिम्भावली से पोषित 33 केवी विद्युत लाइन पर अनुरक्षण (मेंटेनेंस) कार्य किया जाएगा। इस दौरान संबंधित फीडरों से जुड़े क्षेत्रों की विद्युत आपूर्ति अस्थायी रूप से बाधित रहेगी। विभाग के अनुसार अनुरक्षण कार्य के कारण बक्सर टाउन, सिम्भावली टाउन, वैट टाउन, वैट कृषि फीडर, ढाना टाउन, ढाना कृषि फीडर, भोवापुर टाउन, भोवापुर कृषि फीडर तथा सिखेड़ा टाउन क्षेत्र में निर्धारित अवधि के दौरान बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से आवश्यक कार्य पूर्व में ही निपटा लेने की अपील करते हुए असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है। विभाग का कहना है कि अनुरक्षण कार्य पूरा होते ही संबंधित क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति सुचारु रूप से बहाल कर दी जाएगी।

संपादकीय

आस्था, न्याय और कानून राम मंदिर विवाद में संतुलन की सबसे बड़ी परीक्षा

राम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आस्था, लंबे संवैधानिक संघर्ष और सामाजिक धैर्य का प्रतीक है। ऐसे में यदि मंदिर से जुड़े दान के कथित दुरुपयोग या वित्तीय अनियमितताओं की खबरें सामने आती हैं तो स्वाभाविक रूप से पूरे देश का ध्यान इस ओर जाता है। हाल के दिनों में अयोध्या में राम मंदिर के दान में कथित हेराफेरी के मामले में हुई गिरफ्तारियों ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि आस्था जितनी बड़ी होती है, उससे जुड़ी संस्थाओं की जवाबदेही भी उतनी ही बड़ी होनी चाहिए। इस मामले ने तब नया मोड़ ले लिया जब फैजाबाद बार एसोसिएशन ने निर्णय लिया कि उसका कोई भी सदस्य इस प्रकरण में गिरफ्तार आठ आरोपियों की पैरवी नहीं करेगा। इतना ही नहीं, एसोसिएशन ने यह भी घोषणा की कि यदि कोई अधिवक्ता इस निर्णय का उल्लंघन करता है तो उस पर पांच लाख रुपये का जुमार्ना लगाया जाएगा। बैठक में मंदिर प्रबंधन से जुड़े चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव से तीन दिन के भीतर अयोध्या छोड़ने की मांग भी की गई तथा चेतावनी दी गई कि ऐसा न होने पर व्यापक आंदोलन और शहर बंद करने जैसी कार्रवाई की जाएगी। इन घटनाओं ने देशभर में कई महत्वपूर्ण प्रश्न खड़े कर दिए हैं। पहला प्रश्न यह है कि यदि किसी धार्मिक संस्था में आर्थिक अनियमितता के आरोप लगते हैं तो उनकी निष्पक्ष जांच किस प्रकार होनी चाहिए। दूसरा प्रश्न यह है कि क्या किसी भी आरोपी को न्यायालय में अपना पक्ष रखने के अधिकार से वंचित किया जा सकता है। और तीसरा, क्या जनभावनाओं के दबाव में न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले निर्णय उचित माने जा सकते हैं। भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति उसका संविधान है। संविधान प्रत्येक व्यक्ति को न्याय पाने और अपना पक्ष रखने का अधिकार देता है। यह सिद्धांत केवल निर्दोष लोगों के लिए नहीं, बल्कि उन लोगों के लिए भी है जिन पर गंभीर से गंभीर आरोप लगे हों। किसी भी आरोपी का दोष तभी सिद्ध माना जाता है जब सक्षम न्यायालय उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर निर्णय दे। इसलिए किसी भी व्यक्ति या समूह के प्रति जनाक्रोश चाहे जितना प्रबल क्यों न हो, न्यायिक प्रक्रिया को उसके निर्धारित मार्ग पर चलने देना ही लोकतांत्रिक व्यवस्था की पहचान है। दूसरी ओर, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि यदि दान राशि के उपयोग में किसी प्रकार की अनियमितता हुई है तो उसकी निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध जांच हो। मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों और चर्चों सहित सभी धार्मिक संस्थानों में आने वाला दान श्रद्धालुओं की मेहनत की कमाई और उनकी आस्था का प्रतीक होता है। ऐसे धन के उपयोग में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी केवल आर्थिक अपराध नहीं होती, बल्कि लोगों के विश्वास पर भी गहरी चोट करती है। इसलिए जांच एजेंसियों की जिम्मेदारी है कि वे तथ्यों के आधार पर कार्रवाई करें और यदि कोई दोषी पाया जाता है तो उसे कानून के अनुसार कठोर दंड मिले। फैजाबाद बार एसोसिएशन का निर्णय निश्चित रूप से व्यापक चर्चा का विषय बन गया है। एक ओर इसे आस्था और पारदर्शिता के समर्थन के रूप में देखा जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कई विधि विशेषज्ञों का मानना है कि प्रत्येक आरोपी को विधिक सहायता मिलना संवैधानिक व्यवस्था का मूल सिद्धांत है। भारत की न्याय प्रणाली इसी आधार पर खड़ी है कि अदालत में दोनों पक्षों की बात सुनी जाए और फिर निष्पक्ष निर्णय दिया जाए। यदि किसी आरोपी की पैरवी करने वाले अधिवक्ता पर आर्थिक दंड या सामाजिक दबाव बनाया जाता है तो इससे न्यायिक प्रक्रिया की निष्पक्षता पर प्रश्न उठ सकते हैं। अधिवक्ता का दायित्व अपराध का समर्थन करना नहीं, बल्कि कानून के दायरे में अपने मुवक्किल का पक्ष रखना होता है। यही व्यवस्था न्यायपालिका को संतुलित और विश्वसनीय बनाती है।

~ मौलिक चिंतन ~

जिसके पास खोने को कम होता है, उसके पास सच बोलने का साहस बड़ा होता है।

~~~~~~~~~

© विनय संकोची

सेशेल्स का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, मोदी के नाम

सनत जैन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सेशेल्स की यात्रा के दौरान वहां के सर्वोच्च नागरिक सम्मान गार्जियन ऑफ ब्लू होराइजन से सम्मानित किया गया है। भारतीय प्रधानमंत्री वहां के राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए वहां पहुंचे थे। इसके साथ ही पीएम मोदी भारत के पहले प्रधानमंत्री बन गए, जिन्हें अभी तक 34 देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस यात्रा और इस सम्मान को लेकर विवादों का पिटारा भी भारत में खुलता हुआ नजर आ रहा है। सेशेल्स टैक्स हेवन देश है। इस देश की आबादी मात्र 1.1 लाख है। यह अफ्रीका का सबसे छोटा टापू है। इसका कुल क्षेत्रफल 459 वर्ग किलोमीटर है। इसकी गिनती समृद्ध देश के रूप में होती है। इसकी अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से टैक्स हैवन देश के रूप में है। यह देश मत्स्य पालन, पर्यटन और वित्तीय सेवाओं के लिए सारी दुनिया के देशों में पहचाना जाता है। यहां पर मुश्किल से 7 से 8000 भारतीय रहते हैं। इसमें से कुछ वर्षों में लगभग 2000 भारतीयों ने यहां की नागरिकता ली है। शेष भारतीय यहां पर जन्मजात रह रहे हैं। पनामा पेपर लीक में भी इस देश का नाम आया था। उस समय भी इसमें भारतीय नागरिकों के नाम थे। जिन्होंने अपना काला धन वहां जमा किया था। 2014 में जब केंद्र की सरकार बदली, उसके बाद यह माना जा रहा था, सरकार काला धन वापस लाने के लिए विशेष प्रयास करेगी। मोदी सरकार ने पनामा पेपर लीक मामले में जिन लोगों के नाम शामिल थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में कालाधन बड़ा चुनावी मुद्दा था। इस समय नरेन्द्र मोदी ने विदेशों में जमा कालाधन वापिस लाने का वायदा किया था। यह भी कहा था, हर परिवार को 15 लाख रूपया यों ही मिल जाएंगे। सेशेल्स जैसे देश से भारतीयों का जमा कालाधन वापस लाने का कोई प्रयास मोदी सरकार ने नहीं किया। उल्टे विगत वर्षों में जिस तरह से टैक्स हेवन देशों का पैसा भारत के शेयर बाजार एवं कारोबार में निवेश किया गया है, उसको लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। इस मामले में विनोद अडानी का नाम भी सामने आया था। सेबी और सरकार ने इस मामले को ठंडे बस्ते में बंद कर के रखा है।

इतने छोटे से देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जाना, लगभग तीन दिन तक रुकना, भारत में चर्चा का विषय बन गया है। भारत सरकार का कहना है, सेशेल्स हिंद महासागर का हिस्सा है। समुद्र का एक छोटा द्वीप होते हुए भी भारत के लिए सामरिक और समुद्री व्यापार के लिए उसका बड़ा महत्व है। भारत सरकार पिछले कुछ वर्षों से सेशल्स को जरूरत से ज्यादा तवज्जो दे रही है। पनामा पेपर लीक मामले तथा शेयर बाजार में निवेश को लेकर कई आरोप सामने आ चुके हैं। भारत सरकार ने इस पर चुप्पी साध रखी है। भारत में मोदी सरकार के लिए कई चुनौतियां सामने हैं। अयोध्या के राम मंदिर दान एवं चढ़ावे का मामला इस समय चरम पर है। कुछ ही दिनों बाद मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है। कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन शुरू हो गए हैं। विपक्ष बहुत आक्रामक है, मंत्रिमंडल का पुनर्गठन होना है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सेशेल्स जाना विवादों में आ गया है। उन्हें जो सर्वोच्च सम्मान दिया गया है, उसमें स्पेलिंग मिस्टेक और पहली बार नया सम्मान दिए जाने के कारण राजनीतिक क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। एक छोटे से टैक्स हेवन देश की यह यात्रा, प्रधानमंत्री मोदी के लिए आगे चलकर कहीं कोई कठिनाई उत्पन्न ना कर दे, इसको लेकर तरह-तरह की आशंकायें व्यक्त की जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोई भी काम करें, उन्हें किसी भी स्तर पर कोई नुकसान हो, यह संभव नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करने वालों की संख्या कम नहीं है। इस तरह के विरोध होते ही रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी इस तरह के विरोध पर जरा भी ध्यान नहीं देते हैं। सेशेल्स यात्रा को लेकर जो विवाद उत्पन्न किया जा रहा है, इसका असर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसी तरह के नुकसान के रूप में होगा, यह संभव ही नहीं है।

स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती है नकली दवाओं का कारोबार

मनोज कुमार अग्रवाल

आज कल देश के हर हिस्से में बड़र पैमाने पर नकली गैर मानक दवाओं के निर्माण और विपणन का धंधा चल रहा है आपको बता दें कि भारत को विश्व का तीसरा सबसे बड़ा दवा निमार्ता होने के कारण इसे विश्व की फामेर्सी भी कहा जाता है। यहां विश्व की 60 प्रतिशत वैक्सीन और 20 प्रतिशत जैनेरिक दवाएं बनती हैं परंतु इनमें मिलावट का धंधा तेजी पकड़ रहा है। प्राण रक्षक दवाएं भी मिलावटी एवं नकली बनने लगी हैं।थोड़ा सा अधिक कमाई करने के चक्कर में बहुत से दवा निमार्ता देश मे गैर मानकीकृत स्तर

की दवा का निर्माण और निर्यात कर रहे हैं।

नकली दवाओं का अवैध कारोबार एक गंभीर वैश्विक संकट है जो मरीजों की जान जोखिम में डालता है और पूरी स्वास्थ्य प्रणाली को नुकसान पहुंचाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, ऐसी दवाएं जिनमें असली साल्ट या सक्रिय सामग्री नहीं होती या गलत मात्रा में होती हैं, वे नकली दवाओं के अंतर्गत आती हैं। एक अनुमान के मुताबिक, वैश्विक दवा बाजार का लगभग 10% हिस्सा नकली दवाओं से प्रभावित है। इसमें जीवन रक्षक दवाएं (कैंसर, लिवर रोग), एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक और जीवनशैली से जुड़ी दवाएं शामिल हैं। ड्रग सिंडिकेट्स अवैध फैक्ट्रियों में खतरनाक रसायनों का उपयोग करके असली जैसी दिखने वाली पैकेजिंग तैयार करते हैं।ये दवाएं पारंपरिक थोक बाजारों के साथ-साथ अनधिकृत ऑनलाइन फार्मेसियों के माध्यम से भी बेची जा रही हैं। एंटीबायोटिक या गंभीर बीमारियों की दवाओं में मुख्य सामग्री न होने से मरीज ठीक नहीं हो पाता। कुछ मामलों में इनमें चूहे मारने का जहर, पेंट थिनर, चाक मिट्टी या भारी मात्रा में फेंटानिल मिला दिया जाता है। दूषित रसायनों के कारण किडनी, लिवर फेल होना या अचानक मौत होने का अत्यधिक खतरा रहता है।

आपको बता दें कि पिछले कुछ समय के दौरान घटिया व नकली दवाओं के सेवन से भारत तथा विश्व के चंद देशों में मौतों के कारण भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगा है। इसके बाद केंद्र सरकार ने घटिया और नकली दवाओं पर रोक लगाने और दवाओं की गुणवत्ता जांचने तथा उनके असली या नकली होने का पता लगाने के लिए दवाएं बनाने वाली इकाइयों की जांच शुरू कर रखी है।इसी श्रृंखला में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सी.डी.एस.सी.ओ.) ने मई, 2026 के लिए जारी मासिक गुणवत्ता निगरानी रिपोर्ट में बताया है कि देश भर में 159 दवा नमूने गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे।

सी.डी.एस.सी.ओ. के अनुसार केंद्रीय औषधि प्रयोग शालाओं ने 46 दवा नमूनों को नॉट आफ स्टैंडर्ड क्वालिटी (एन.एस. क्यू.) घोषित किया जबकि विभिन्न राज्यों

की औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 113 नमूनों को गुणवत्ता मानकों पर विफल पाया। मई, 2026 की रिपोर्ट में असम से किसी अनधिकृत निमार्ता द्वारा बनाई गई एक स्प्यूरियस (नकली) दवा का मामला भी सामने आया जिसने किसी दूसरी कम्पनी के ब्रांड नाम का दुरुपयोग किया।

इसी प्रकार केंद्रीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला मुम्बई द्वारा हृदय रोगियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाला एडेनोसिन इंजैक्शन नकली पाए जाने के बाद हिमाचल प्रदेश के औषधि प्रशासन ने यह इंजैक्शन बनाने वाली कम्पनी का लाइसैंस रद्द कर दिया है।

राजस्थान में 5 प्रसूताओं की मौत के मामले में नकली आक्सीटोसिन इंजैक्शन सप्लाई कारसेवाली कानी का लाइसेंस रहकर दिया गया है। इस संबंध में 23 जून को जारी आदेश के अनुसार अस्पतालों में सप्लाई किए गए टोसिन (आक्सीटोसिन) इंजैक्शन जांच में नकली पाए गए और प्रयोगशाला में परीक्षण में इन इंजैक्शनों में आक्सीटोसिन की मात्रा शून्य पाई गई।जांच में यह भी सामने आया कि उक्त फर्म ने अमृतसर स्थित एक लैबोरेटरी से (जिसका लाइसैंस अब रद्द किया जा चुका है) इसकी कुल 9300 डोज खरीदी थीं जबकि फर्म ने रिकार्ड में 10050 डोज बिकी दिखाई थी। ऐसे में यह जांच भी की जा रही है कि अतिरिक्त 750 इंजैक्शन कहां से आए !

राजस्थान में प्रसूताओं की मौत का मामला अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गया है तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने इन मौतों के संबंध में मीडिया में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर स्वतः संज्ञान लेते हुए भारत सरकार से पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने भारत सरकार को यह बताने को भी कहा है कि ये इंजैक्शन भारत के अलावा अन्य देशों में भी सप्लाई किए गए थे या नहीं और यदि ऐसा हुआ है तो किन देशों में सप्लाई हुए हैं ताकि समय रहते रोकथाम और निगरानी की कार्रवाई की जा सके।

इसी प्रकार की घटनाओं को देखते हुए केंद्र सरकार ने देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में रोगियों की सुरक्षा तथा दवाओं की विश्वसनीयता यकीनी बनाने के लिए अब नकली और घटिया दवाओं के हानिकारक जाल को तोड़ने के लिए वैक्सीन, एंटी कैंसर और नार्कोटिक्स दवाओं पर क्यू.आर. कोड या बार कोड लगाना अनिवार्य कर दिया है ताकि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों की मौत नकली दवाओं के कारण न हो।क्यू.आर. कोड में दवाई का अनूठा पहचान कोड, जैनेरिक और ब्रांड नाम, कम्पनी का नाम पता, बैच नंबर आदि सभी जरूरी जानकारियां दर्ज होंगी और बार कोड के खुलते ही दवाई के असली या नकली होने का पता चल जाएगा।

कैंसर जैसी बीमारी से रोगियों को बचाने के लिए क्यू. आर. कोड का नियम लागू करना सही है परंतु यह

आदेश केवल कुछ चुनिंदा रोगों की दवाओं के लिए नहीं बल्कि सभी दवाओं पर लागू करना चाहिए ताकि नकली दवाएं किसी की मौत का कारण न बनें। इसके साथ ही ऐसे कृत्यों में शामिल अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करके उन्हें उचित दंड दिया जाए।

केंद्र सरकार ने देश के शीर्ष दवा ब्रांडों की पैकेजिंग पर अनिवार्य क्यूआर कोड लागू किया है, जिसे स्कैन करके दवा की प्रामाणिकता जांची जा सकती है। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और ड्रग्स विभाग की टीमें लगातार अवैध सिंडिकेट्स पर छापेमारी कर करोड़ों का नकली कच्चा माल जब्त कर रही हैं। ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत नकली दवाएं बनाने और बेचने वालों के खिलाफ कठोर सजा और गैर-जमानती धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। उपभोक्ता को दवाएं हमेशा लाइसेंस प्राप्त और भरोसेमंद मेडिकल स्टोर या प्रमाणित फार्मेसियों से ही खरीदें। दवा के पत्तों पर स्पेलिंग की गलतियां, धुंधली छपाई, और सील टूटी होने जैसी विसंगतियों पर ध्यान दें। पैकेजिंग पर मौजूद क्यूआर कोड को मोबाइल से स्कैन करके बैच नंबर और निमार्ता की जानकारी को सत्यापित करें।हर खरीद पर कैश मेमो या पक्का बिल जरूर लें, जिस पर बैच नंबर और एक्सपायरी डेट स्पष्ट लिखी हो। यदि दवा लेने पर कोई असर न हो या पैकेजिंग संदिग्ध लगे, तो तुरंत अपने डॉक्टर को बताएं और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के पास शिकायत दर्ज कराएं। (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

नागरिकता के दस्तावेजों पर इतना भ्रम ठीक नहीं..

उमेश चतुर्वेदी

आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खामी यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता। इसी आधार पर उसकी अवधारणाएं विकसित होती हैं और फिर वह किसी विषय का व्यवस्था को लेकर अपनी राय बनाता है।

पिछले कुछ वर्षों में पासपोर्ट हासिल करना आसान हो गया है। इसकी वजह तकनीकी क्रांति तो है ही, लेकिन सरकारी नीतियों ने भी आम आदमी के लिए पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया को आसान किया है। पासपोर्ट हासिल करने के कठिन दौर से लेकर आसानी से प्राप्त होने के मौजूदा दौर में, आम नागरिक इसे अपनी नागरिकता का एक वैध दस्तावेज मानता रहा है। लेकिन पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर भारतीय विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के पासपोर्ट को लेकर दिए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। इस अधिकारी के मुताबिक, भारतीय पासपोर्ट सिर्फ विदेश यात्रा के लिए एक दस्तावेज है, भारतीय नागरिकता का सबूत नहीं। जहां पासपोर्ट हासिल करने को चार धाम यात्रा जैसी उपलब्धि माना जाता रहा हो, जहां किसी व्यक्ति की पहचान के लिए मजबूत सरकारी दस्तावेज माना जाता रहा हो, वहां ऐसा बयान आएगा तो विवाद होगा ही। तो विवाद हो रहा है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि अगर आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और पासपोर्ट नागरिकता का वैध दस्तावेज नही है तो फिर कोई भारतीय नागरिक अपनी नागरिकता के लिए क्या सबूत पेश करे।

भारतीय पासपोर्ट अधिनियम के शब्दों से गुजरें तो विदेश मंत्रालय के अधिकारी का कहना गलत भी नहीं है, लेकिन हाल के दिनों में मतदाता सूचियों के विशेष और गहन परीक्षण के दौरान जब घोषित कर दिया गया कि किसी व्यक्ति के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र होना उसकी नागरिकता के सबूत नहीं है और अब पासपोर्ट भी नहीं रहा, तो फिर भारतीय नागरिक क्या करे। जरूरत पड़ने पर वह कैसे साबित करे कि वह भारतीय नागरिक है। इस आधार पर तो देश के ज्यादातर लोग अपनी नागरिकता को तो साबित ही नहीं कर पाएंगे। यही वजह है कि लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। आज के दौर की तमाम लड़ाइयों का बुनियादी और मजबूत आधार चूंकि नैरेटिव बन गया है तो यह भी साबित करने की कोशिश होगी कि मोदी सरकार ने जानबूझकर ऐसा किया है। इसके लपेटे में मोदी समर्थक ताकतें भी आएंगी, भारतीय जनता पार्टी पर तो खैर सवाल उठेगा ही। इस नैरेटिव को खड़ा होने से पहले ही जरूरी है कि नागरिकता के वैध दस्तावेज को लेकर जारी भ्रम को जल्द से जल्द दूर किया जाए। अन्यथा भ्रम का यह कुहासा जितना फैलेगा, वह आम नागरिक के मन में व्यवस्था के प्रति गुस्सा और क्षोभ भरेगा। इससे तनाव बढ़ाने वाली ताकतों को भी मौका मिलेगा।

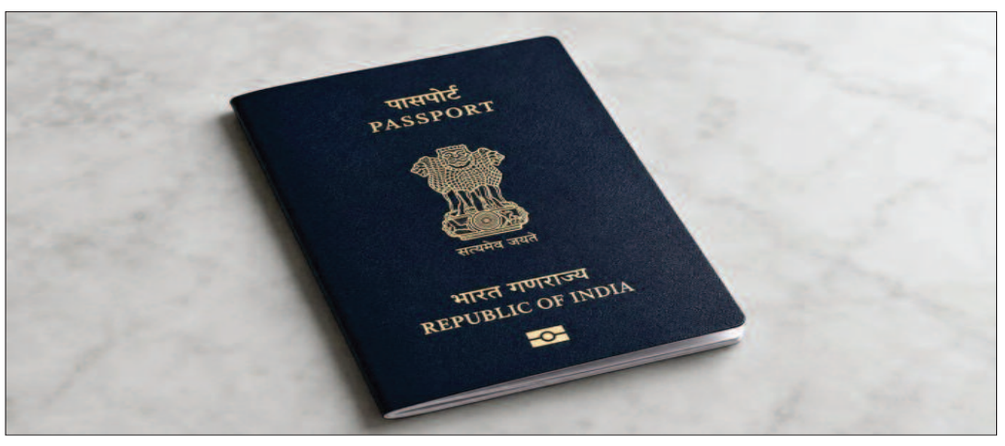

पासपोर्ट को लेकर विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने जो कहा है, वह गलत भी नहीं है। अपने देश में भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1967 के तहत जारी किया जाता है। जबकि भारत में नागरिकता की व्याख्या और प्रमाणिकता के लिए भारतीय नागरिकता कानून 1955 है। पासपोर्ट एक्ट की धारा 20 के मुताबिक, अगर केंद्र सरकार चाहे तो किसी ऐसे व्यक्ति को भी पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी कर सकती है जो भारत का नागरिक नहीं है। बस शर्त यह होगी कि सरकार को ऐसा लगे कि उसके लिए पासपोर्ट जारी करना व्यापक जनहित में जरूरी है। इस कानून से साफ है कि पासपोर्ट और नागरिकता दो अलग अलग चीजें हैं। बेशक भारतीय पासपोर्ट सिर्फ भारतीयों को ही मिलता है, लेकिन यह पत्थर की लकीर जैसा नियम नहीं है। पासपोर्ट अधिनियम की धारा 20 भारत सरकार को छूट देती है कि व्यापक जनहित में वह भारतीय नागरिक ना होने के बावजूद किसी व्यक्ति को पासपोर्ट जारी कर सकती है।

विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भले ही विवाद खड़ा हुआ हो, लेकिन पासपोर्ट के जरिए नागरिकता प्रमाणित करने के तीन अभियुक्तों समेत चार लोगों के दावे को बांबे हाईकोर्ट 2013 में ही खारिज कर चुका है। उन्होंने अपनी नागरिकता के लिए पासपोर्ट पेश किया था। बांबे हाईकोर्ट ने दो सितंबर 2013 के अपने फैसले में साफ कर दिया था कि अगर आपका जन्म 1987 के बाद हुआ है तो पासपोर्ट को अपनी नागरिकता के प्रमाण पत्र के रूप में नहीं पेश कर सकते। वैसे आधार कार्ड का कानून भी मानता है कि आधार कार्ड सिर्फ निवास और पहचान का प्रमाण है, नागरिकता का नहीं। आधार कानून 2016 की धारा में साफ लिखा है कि आधार कार्ड से नागरिकता की बजाय सिर्फ निवास स्थान और पहचान प्रमाणित होता है। इसकी वजह यह है कि आधार कानून के तहत 182 दिनों तक भारत में लगातार रहने वाले व्यक्ति को सरकार चाहे तो आधार कार्ड जारी कर सकती है। इसी आधार पर सर्वोच्च न्यायालय भी इसे नागरिकता का प्रमाण मानने से इनकार कर चुका है। इसी तरह पैन कार्ड के लिए भी व्यवस्था दी गई है। पैन कार्ड का कानूनी आधार है कि व्यक्ति अर्जन कर रहा है और टैक्स दे रहा है।

आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खामी यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता। इसी आधार पर उसकी अवधारणाएं विकसित होती हैं और फिर वह किसी विषय का व्यवस्था को लेकर अपनी राय बनाता है। प्रधानमंत्री मोदी को इन जटिलताओं की समझ है, शायद यही वजह है कि उनके कार्यकाल में देश के सैकड़ों गैरजरूरी कानूनों को या तो रद्द किया गया है या फिर कुछ नए संदर्भों वाले कानूनों में समाहित कर दिया गया है। आज के दौर में नागरिकता के दस्तावेज के रूप जब पासपोर्ट, आधार कार्ड , पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र को आखिरी और अंतिम प्रमाण मानने से इनकार किया जाता है तो अपनी लोक और आम धारणा के चलते आम आदमी इसके विरोध में उतर आता है। यही वजह है कि जब मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण यानी एसआईआर के दौरान इन दस्तावेजों को आखिरी दस्तावेज मानने से इनकार किया गया तो इसका विरोध शुरू हुआ था। कुछ इसी अंदाज में पासपोर्ट पर विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भी विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने पूछ लिया है कि पासपोर्ट बनाने से पहले पुलिस जब व्यक्ति का सत्यापन करती है तो आखिर वह किसका सत्यापन करती है और क्यों करती है? उनका यहां तक कहना है कि इससे लोगों के मन में यह भी संदेह उत्पन्न हो सकता है कि गैर भारतीयों को भी पासपोर्ट दिए जा रहे हैं?

इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भारत सरकार की ओर से नगारकिता के प्रमाण को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर जब पासपोर्ट मान्य नहीं, मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड पर भरोसा नहीं और पैन कार्ड मान्य नहीं तो फिर आम नागरिक अपनी नागरिकता को कैसे साबित करे। निश्चित तौर पर इसका भी सरकारी व्यवस्था में है। 20 दिसंबर, 2019 को राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर यानी एनआरसी से जुड़े एक सवाल के जवाब में भारत सरकार के प्रवक्ता ने कहा था, 'जन्म की तारीख और जन्म-स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है। हालांकि, ऐसे स्वीकार्य दस्तावेजों पर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है।' इसमें रिलीज में कहा गया था कि जन्म की तारीख और जन्म स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है। हालांकि, इन दस्तावेजों के बारे में आखिरी रूप से अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। इसमें वोटर कार्ड, पासपोर्ट, आधार, लाइसेंस, इंश्योरेंस के कागजात, जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र, जमीन या घर से जुड़े दस्तावेज या सरकारी अधिकारियों द्वारा जारी किए गए ऐसे ही अन्य दस्तावेज शामिल हो सकते हैं। इस लिस्ट में और भी दस्तावेज शामिल किए जा सकते हैं ताकि किसी भी भारतीय नागरिक को बेवजह परेशानी न हो।

बेशक कानून की भाषा अलग होती है और लोक का शब्द संसार अलग, लेकिन दोनों के बीच संतुलन होना ही चाहिए। लोक की समझ अपने तंत्र के लिए बेहतर बनी रहे, इसके लिए जरूरी है कि लोक और कानून की भाषा के बीच के अंतर को पाट लिया जाए। अन्यथा गलतफहमियां होती रहेंगी और आखिरकार इससे नुकसान लोकतंत्र का होगा।
~~~~~~~~~

मूंगफली और बादाम से बनाएं स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन

सर्दियों का मौसम चल रहा है, ऐसे में मूंगफली और बादाम जैसी चीजें सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती हैं। मूंगफली और बादाम से आप कई तरह के स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन बना सकते हैं। आइए जानते हैं इनके कुछ खास रेसिपीज़, जिन्हें आप आसानी से घर पर बना सकते हैं।

1. मूंगफली-बादाम हलवा

सामग्री
मूंगफली : 100 ग्राम
बादाम : 50 ग्राम
घी : 2 चम्मच
दूध : 1 कप
चीनी : स्वादानुसार
इलायची पाउडर : 1 चुटकी
विधि
मूंगफली और बादाम को हल्का भूनकर पीस लें। एक पैन में घी गर्म करें और इसमें मूंगफली-बादाम का पाउडर डालकर भूनें। इसमें दूध और चीनी डालें और धीमी आंच पर पकाएं। जब हलवा गाढ़ा हो जाए, तो इसमें इलायची पाउडर डालें।

गरमागरम हलवा तैयार है, इसे परोसें।

3. शकरकंद-मूंगफली चाट

सामग्री
शकरकंद : 2 उबले हुए
मूंगफली : 50 ग्राम भुनी हुई
हरा धनिया : 1 चम्मच
नींबू का रस : 1 चम्मच
नमक और चाट मसाला : स्वादानुसार
विधि
शकरकंद को छोटे टुकड़ों में काट लें। इसमें भुनी मूंगफली, हरा धनिया, नींबू का रस, नमक और चाट मसाला डालकर अच्छे से मिलाएं। तैयार चाट को तुरंत परोसें।

4. पीनट बटर

सामग्री
मूंगफली : 1 कप
शहद : 1 चम्मच
तेल : 1 चम्मच (ऑप्शनल)
विधि
मूंगफली को हल्का भूनकर छिलका उतार लें। मूंगफली को मिक्सर में पीस लें। इसमें शहद और तेल डालें और फिर से ब्लेंड करें। क्रीमी टेक्सचर आने तक पीसते रहें। आपका घर का बना पीनट बटर तैयार है। इसे ब्रेड या रोटी के साथ खाएं। मूंगफली या पीनट बटर खरीदते समय मिलावट का ध्यान रखें। हमेशा ब्रांडेड और भरोसेमंद स्रोत से ही खरीदारी करें।

परफेक्ट तरीके से बेसन लड्डू बनाने के लिए फॉलो करें ये टिप्स

बेसन के लड्डू बाते समय घी डालने की टाइमिंग भी काफी मैटर करती है। कई बार लोग घी में पहले ही सारा घी डाल देते हैं। लेकिन आप स्टार्टिंग में थोड़ा घी डालो ताकि बेसन अच्छे से भुने। इसके बाद आप बीच में ही थोड़ा-थोड़ा करके घी डालते रहो।

ऐसे बहुत से लोग होते हैं, जिन्हें मीठा खाना काफी पसंद होता है। अक्सर वे ना केवल बाजार से मिठाई लाकर खाते हैं, बल्कि

घर पर भी मीठा बनाते हैं। अगर आप भी मीठे के दीवाने हैं और बेसन के लड्डू आपके फेवरिट हैं तो मुंह में घुल जाने वाली इस मिठाई को खुद घर पर ही बना सकते हैं। बेसन के लड्डू बनाना काफी आसान है, लेकिन इस सिंपल सी दिखने वाली रेसिपी में भी कई बार लड्डू बनाते वक्त कुछ छोटी-छोटी गलतियां हो जाती हैं। कभी बेसन जल जाता है, तो कभी लड्डू अच्छी तरह से बंधते नहीं है।

हो सकता है कि आप भी घर पर बेसन के लड्डू बना रहे हों और आपके सामने यही दिक्कतें आ रही हों। ऐसे में आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही छोटे-छोटे टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें आप घर पर बेसन के लड्डू बनाते समय फॉलो कर सकते हैं-

तेज आंच पर ना भूनें बेसन

अक्सर यह देखने में आता है कि जब लोग बेसन के लड्डू बनाते हैं तो बेसन को तेज आंच पर भूनने लग जाते हैं। हालांकि, ऐसा करने से बेसन भूनने की जगह जलने लगता है। इसलिए, आपको हमेशा धीमी आंच पर ही बेसन को भूनना चाहिए। जब हल्की सी खुशबू आए और बेसन का रंग सुनहरा होने लगे, तो समझे कि बेसन अच्छी तरह से भूनने लगा है।

सही समय पर डालें घी

बेसन के लड्डू बाते समय घी डालने की टाइमिंग भी काफी मैटर करती है। कई बार लोग घी में पहले ही सारा घी डाल देते हैं। लेकिन आप स्टार्टिंग में थोड़ा घी डालो ताकि बेसन अच्छे से भुने। इसके बाद आप बीच में ही थोड़ा-थोड़ा करके घी डालते रहो।

बैटर को ठंडा ना होने दें

बेसन के लड्डू में शक्कर अच्छी तरह घुल जाए, इसके लिए जरूरी है कि आपका भुना हुआ बेसन हल्का गरम ही हो। अगर आपका बेसन एकदम ठंडा हो जाएगा तो इससे उसमें शक्कर अच्छी तरह मिक्स नहीं होता है। वहीं, अगर आप गरम बेसन में शक्कर मिक्स करते हैं तो इससे लड्डू भी बाइंड अच्छी तरह होंगे। साथ ही, इस बात का भी ख्याल रखें कि आप दानेदार चीनी की जगह बूरा या फिर पिसी हुई शक्कर डालकर मिक्स करें। दानेदार शक्कर का इस्तेमाल करने से लड्डू खाते समय वह मुंह में किरकिरा महसूस होगा।

आम की गुठली से बनाएं टेस्टी और क्रिस्पी मुखवास, स्वाद में होंगे बेहतरीन

आप आम की गुठली की सहायता से टेस्टी डिश बनाई जा सकती है। आज हम आपके साथ आम की गुठली के अंदर के बीज से चटपटे लच्छे बनाने की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। यह काफी टेस्टी और क्रिस्पी होते हैं।

गर्मियों में फलों का राजा आम हर किसी को खाना पसंद होता है। इसमें कई विटामिन्स और मिनरल्स पाए जाते हैं, जो स्वास्थ्य को तंदुरुस्त रखते हैं। हालांकि लोग आम खाने के बाद लोग गुठली को फेंक देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आम की गुठली भी कम फायदेमंद नहीं होती है। बल्कि आप आम की गुठली की सहायता से टेस्टी डिश बनाई जा सकती है। आज हम आपके साथ आम की गुठली के अंदर के बीज से चटपटे लच्छे बनाने की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। यह काफी टेस्टी और क्रिस्पी होते हैं। इसको मुखवास के नाम से भी जाना जाता है।

सामग्री
4 से 5 आम की गुठली
लाल मिर्च पाउडर
भुना जीरा पाउडर
चाट मसाला
काला और सफेद नमक
करें ये काम

सबसे पहले 4-5 आम की गुठली को अच्छे से धोकर बेकिंग ट्रे पर रखें। अब इसको 180 सेल्सियस पर करीब 10 से 15 मिनट के लिए माइक्रोवेव में पकाएं। बेक करने से यह कड़क हो जाएगा और आराम से कट जाएगा। फिर इस गुठली के अंदर से आपको बीज निकालें। अब कुकर में बीज और पानी डालकर 2 सीटी आने तक पकाएं। फिर बीज की स्किन निकालकर इसको लंबे-लंबे स्लाइस में काटें।

ऐसे बनाएं गुठली के लच्छे

सबसे पहले एक पैन में तेल गर्म कर लें। अब इन बीज के स्लाइल्स को हल्का रोस्ट कर लें। अब इसके ऊपर से भुना जीरा पाउडर, चाट मसाला, लाल मिर्च पाउडर, काला नमक, नॉर्मल नमक डालें। इसको टॉस देने के बाद हल्का मिला दें। इस तरह से आम की गुठली से बना चटपटा लच्छा तैयार हो जाएगा।

किचन में सिंक से आ रही है तेज बदबू, कॉफी का यह आसान नुस्खा आएगा काम

अमूमन हम सभी को यह समझ ही नहीं आता कि इस बदबू से निजात पाने के लिए क्या किया जाए, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो अपनी मॉर्निंग कॉफी की मदद से अपनी इस समस्या का हल कर सकती हैं।

किचन में सिंक एक ऐसी जगह होती है, जिसमें गंदे बर्तन व झूठा बचा हुआ होता है। जिसकी वजह से अक्सर किचन सिंक से गंदी बदबू आती है। जब सिंक से बदबू आने लगती है तो पूरी किचन में ही वह बदबू फैलते देर नहीं लगती है। भले ही आप अपनी किचन को कितना भी आर्गेनाइज्ड व साफ-सुथरा रखती हों, लेकिन अगर सिंक से बदबू आ रही है तो ऐसे में आपकी सारी मेहनत बर्बाद होते देर नहीं लगती।

अमूमन हम सभी को यह समझ ही नहीं आता कि इस बदबू से निजात पाने के लिए क्या किया जाए, तो अब आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। अगर आप चाहें तो अपनी मॉर्निंग कॉफी की मदद से अपनी इस समस्या का हल कर सकती हैं। कॉफी आसपास की गंध को सोखने और उसे फ्रेश बनाने में मददगार है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप कॉफी की मदद से किचन सिंक की गंदी बदबू को किस तरह दूर करें-

आपको किन-किन चीजों की जरूरत होगी-

इस्तेमाल की हुई कॉफी
उबला हुआ पानी
बेकिंग सोडा
नींबू रस या सिरका
कॉफी को किस तरह इस्तेमाल करें-

सबसे पहले सुबह कॉफी बनाने के बाद उसके ग्राउंड्स को फेंकने की जगह थोड़ा ठंडा होने दो। इसे पूरी तरह से सूखने मत दो।

अब इसमें एक चम्मच बेकिंग सोडा उस कॉफी में मिलाओ। इससे पाइप की भी हल्की सफाई हो जाएगी और बदबू भी अच्छे से हटेगी।

अब आप 2-3 चम्मच कॉफी का मिक्स सिंक के ड्रेन में डाल दो।

आप इसे ज्यादा ना डालें, नहीं तो पाइप जाम हो सकता है।

अब एक केतली पानी उबालें और फिर उस उबलते हुए पानी की डाल दो।

इससे कॉफी नीचे बहेगी और गंदगी भी साफ़ होगी। फ्रेशनेस की खुशबू तुरंत महसूस होगी।

अगर बदबू बहुत ज्यादा है तो कॉफी डालने के बाद थोड़ा नींबू रस या सिरका डाल दो, फिर गर्म पानी डालो।

कितनी बार इस्तेमाल करें

किचन सिंक की बदबू को दूर करने और उसे फ्रेश बनाए रखने के लिए हफ्ते में एक बार करना काफी है। ध्यान रखें कि रोज़ या बहुत ज्यादा कॉफी डालना पाइप ब्लॉक कर सकता है, इसलिए लिमिट में करो।

इस बात का रखें ध्यान

अगर तुम्हारे घर का पानी धीरे बहता है या पहले से ड्रेनेज धीमा है, तो ये ट्रिक ना आजमाएं। साथ ही, हर बार ढेर सारा गर्म पानी डालना ज़रूरी है ताकि कॉफी नीचे ठीक से जाए।

एचडीएफसी बैंक के पूर्व चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती ने लीगल रिव्यू पर उठाए सवाल, रिपोर्ट्स को बताया अनावश्यक

मुंबई।

एचडीएफसी बैंक की ओर से पूर्व चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के इस्तीफे के रिव्यू के लिए नियुक्त की गई लीगल फर्मों 1ने काफी नियम एवं शर्तों के साथ रिपोर्ट जमा की है। इसमें बैंक के इंटरव्यू और बोर्ड मीटिंग के मिनट्स पर फोकस किया गया है। यह जानकारी चक्रवर्ती के हवाले से एक रिपोर्ट में दी गई। एनडीटीवी प्रॉफिट से बातचीत में चक्रवर्ती ने कहा कि उनका इस्तीफा बैंक की कुछ बिजनेस प्रैक्टिस और पर्सनल वैल्यू में अंतर को लेकर था और इसके जरिए कोशिश बैंक को अंतरिक समीक्षा के लिए प्रेरित करना था। लेकिन उनका कहना है कि लॉ फर्मों ने इसके बजाय अनुपालन के पहलू पर ध्यान केंद्रित किया। चक्रवर्ती का कहना है कि उन्होंने कई बार बैंक से पूछा कि आखिर किस कानूनी प्रावधान और शर्तें के तहत इन लॉ फर्मों को नियुक्त किया गया, लेकिन बोर्ड ने यह जानकारी उन्हें कभी नहीं दी। इसी वजह से उन्होंने इस पूरी कानूनी कवायद को अनावश्यक बताया। एटी-1 बॉन्ड मिस-सेलिंग मामले पर चक्रवर्ती ने बताया कि दुबई का एटी-1 बॉन्ड मिस-सेलिंग मामला उनके कार्यकाल में सामने आया था। लेकिन बैंक ने उस समय तेजी से सुधारात्मक कदम उठाए थे। चक्रवर्ती ने यह बताने से इनकार कर दिया कि बैंक की कौन-सी कारोबारी प्रथाएं उनके मूल्यों के खिलाफ थीं। साथ ही कहा कि बोर्डरूम की बातें बोर्डरूम तक ही रहनी चाहिए। पार्ट-टाइम चेयरमैन और इंडिपेंडेंट डायरेक्टर अतानु चक्रवर्ती ने अपने पद से 18 मार्च को इस्तीफा दिया था। 2021 में बैंक के बोर्ड में शामिल हुए चक्रवर्ती ने इस्तीफे में पिछले दो वर्षों में बैंक के भीतर हुए कुछ घटनाक्रमों पर चिंता व्यक्त की थी इस दौरान उन्होंने कहा, ÷पिछले दो वर्षों में मैंने बैंक के भीतर कुछ ऐसी घटनाएं और कार्यप्रणालियां देखी हैं जो मेरे व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं हैं। यही मेरे उपरोक्त निर्णय का आधार है। मैं पुष्टि करता हूं कि मेरे इस्तीफे का उपरोक्त कारणों के अलावा कोई अन्य ठोस कारण नहीं है।

मिलेजुले वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर बाजार सपाट खुला, फार्मा स्टॉक्स में खरीदारी

मुंबई।

मिलेजुले वैश्विक संकेतों के बीच भारतीय शेयर की शुरुआत सोमवार को सपाट हुई। इस दौरान सेंसेक्स 45 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 77,055 अंक और निफ्टी 5 अंक की मामूली बढ़त के साथ 24,061 पर था। शुरुआती कारोबार में खरीदारी फार्मा और हेल्थकेयर क्षेत्र में देखी जा रही थी। सूचकांकों में निफ्टी फार्मा और निफ्टी हेल्थकेयर टॉप गेनर थे। निफ्टी फिन सर्विस, निफ्टी सर्विसेज, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी पीएसयू बैंक में भी हरे निशान में कारोबार हो रहा था। दूसरी तरफ, निफ्टी इंडिया डिफेंस, निफ्टी ऑयलएंडगैस, निफ्टी आईटी, निफ्टी इन्फ्रा, निफ्टी पीएसई, निफ्टी एनर्जी और निफ्टी ऑटो लाल निशान में थे। सेंसेक्स पैक में इटरनल, सन फार्मा, बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, ट्रेंट, टाटा स्टील, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, टेक महिंद्रा, एचयूएल, मारुति सुजुकी, एनटीपीसी और अल्ट्राटेक सीमेंट गेनर्स थे। कोटक महिंद्रा बैंक, इंडिगो, इन्फोसिस, टीसीएस, एमएंडएम, बीईएल, भारती एयरटेल और एलएंडटी लूजर्स थे। एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। टोक्यो, सोल और जकार्ता लाल निशान में थे, जबकि शंघाई, हांगकांग और बैंकॉक में तेजी थी। अमेरिकी शेयर बाजार शुक्रवार को लाल निशान में बंद हुए थे। इस दौरान मुख्य सूचकांक डाओ जोन्स 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ और नैस्डैक 0.24 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ था। भारत के साथ एशियाई बाजारों के मिलाजुला कारोबार करने की वजह अमेरिका-ईरान के बीच फिर से युद्ध शुरू होना है। हालांकि, रिपोर्ट्स के मुताबिक, अब दोनों देश एक-दूसरे पर हमले रोकने पर सहमत हो गए है। दोनों पक्ष मंगलवार को कतर में बैठक कर सकते हैं। मध्य पूर्व में तनाव फिर बढ़ने से कच्चे तेल में मजबूती देखी जा रही है। खबर लिखे जाने तक डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.23 प्रतिशत की तेजी के साथ 70.07 डॉलर प्रति बैरल और ब्रेंट क्रूड 0.98 प्रतिशत की मजबूती के साथ 73.30 डॉलर प्रति बैरल पर था।

अमेरिकी कस्टम जांच की खबरों से वारी एनर्जीज के शेयरों में 5.7 प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट, कंपनी ने दी सफाई

मुंबई।

सोलर मॉड्यूल बनाने वाली कंपनी वारी एनर्जीज के शेयर सोमवार को 5.7 प्रतिशत से अधिक टूट गए। शेयरों में यह गिरावट कंपनी द्वारा अमेरिका में उसके निर्यात को लेकर चल रही कस्टम जांच से जुड़ी खबरों पर सफाई जारी करने के बाद भी देखने को मिली। सोमवार दोपहर 2 बजे तक के कारोबार में एनएसई पर कंपनी के शेयर 5.7 प्रतिशत से ज्यादा टूटकर 2,836 रुपए के दिन के निचले स्तर पर पहुंच गए। अपने स्पष्टीकरण में वारी एनर्जीज ने कहा कि मीडिया में आई रिपोर्टों को गलत तरीके से समझा गया है और उन्हें जरूरत से ज्यादा बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया है। कंपनी के अनुसार, लगाए गए मुख्य आरोप अब तक साबित नहीं हुए हैं और इस मामले से उसके कारोबार पर कोई बड़ा जोखिम नहीं है। कंपनी ने कहा कि उसके अमेरिकी कारोबार, विनिर्माण, ग्राहकों को होने वाली आपूर्ति या व्यावसायिक गतिविधियों पर किसी तरह का कोई असर नहीं पड़ा है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा, ÷अमेरिका में हमारा कारोबार पूरी तरह सामान्य तरीके से चल रहा है। विनिर्माण, ग्राहकों को डिलीवरी या व्यावसायिक संचालन पर इस मामले का कोई प्रभाव नहीं है।÷ कंपनी की यह सफाई उन मीडिया रिपोर्टों के बाद आई, जिनमें दावा किया गया था कि अमेरिकी अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि कहीं वारी एनर्जीज ने चीन में बने सोलर सेल का इस्तेमाल करके उन्हें भारत में बने मॉड्यूल के रूप में अमेरिका निर्यात तो नहीं किया। यदि ऐसा होता, तो ग्राहकों को चीन से आने वाले उत्पादों पर लगने वाले अधिक आयात शुल्क से बचने का फायदा मिल सकता था। वारी एनर्जीज ने बताया कि अमेरिकी कस्टम अधिकारियों ने भारत स्थित उसके विनिर्माण संयंत्र का निरीक्षण किया और यह पुष्टि की कि जांच के दायरे में आने वाले शिपमेंट में किसी भी चीनी मूल के सोलर सेल का इस्तेमाल नहीं किया गया था। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि अधिकारियों ने उसके खिलाफ कोई प्रतिकूल निष्कर्ष नहीं निकाला है और न ही उसे किसी तरह की गड़बड़ी का दोषी ठहराया है। कंपनी के अनुसार, अमेरिकी कस्टम की समीक्षा केवल कुछ पुराने आयात शिपमेंट तक सीमित है।

इवेको के अधिग्रहण से टाटा मोटर्स सीवी बनेगी दुनिया की चौथी सबसे बड़ी कमर्शियल व्हीकल मैन्युफैक्चर एन चंद्रशेखरन

नई दिल्ली।

टाटा मोटर्स कमर्शियल व्हीकल (सीवी) के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने सोमवार को कहा कि इवेको के अधिग्रहण से कंपनी की वार्षिक बिक्री शुरुआत में करीब 6 लाख यूनिट्स तक पहुंच जाएगी। यह आंकड़ा कंपनी को दुनिया का चौथी सबसे बड़ा कमर्शियल व्हीकल मैन्युफैक्चरर बनाएगा। चंद्रशेखरन ने कंपनी की दूसरी एनुअल जनरल मीटिंग में शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि टाटा मोटर्स सीवी का लक्ष्य आने वाले वर्षों में इस आंकड़े को 10 लाख यूनिट्स तक ले जाना है। चंद्रशेखरन ने यह बयान ऐसे समय पर दिया है, जब टाटा मोटर्स सीवी इवेको के कारोबार को अपने कारोबार में एकीकृत करने पर काम कर रही है।

चंद्रशेखरन ने आगे कहा कि प्रस्तावित इवेको अधिग्रहण से टाटा मोटर्स के ग्लोबल लक्ष्यों को तेजी मिलेगी। इस अधिग्रहण के लिए रेगुलेटरी मंजूरी का इंतजार है और उम्मीद है कि यह इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही तक पूरा हो जाएगा।

बेहतर प्रशासन के लिए प्रशासनिक डेटा को राष्ट्रीय संपत्ति बनाना आवश्यक पीएम के प्रधान सचिव

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पी.के. मिश्रा ने सोमवार को कहा कि भारत के अलग-अलग विभागों में बिखरे प्रशासनिक डेटा को एक रणनीतिक राष्ट्रीय संपत्ति में बदलने की जरूरत है। उनका कहना है कि यदि सरकारी डेटा का बेहतर एकीकरण किया जाए तो इससे सुशासन, नीति निर्माण और सरकारी सेवाओं की गुणवत्ता में बड़ा सुधार होगा, साथ ही गोपनीयता और सुरक्षा भी सुनिश्चित की जा सकती है। सांख्यिकी दिवस के 20वें समारोह को संबोधित करते हुए मिश्रा ने कहा कि भारत में तेजी से हो रहे डिजिटल परिवर्तन के कारण सरकारी योजनाओं, नियामक संस्थानों और सार्वजनिक सेवाओं के माध्यम से बड़ी मात्रा में प्रशासनिक डेटा तैयार हो रहा है। हालांकि उन्होंने कहा कि यह मूल्यवान डेटा अभी भी अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों तक ही सीमित है, जिससे इसका पूरा लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा, ÷इन डेटा सेट्स में आर्थिक गतिविधियों, सामाजिक विकास, बुनियादी ढांचे के निर्माण, वित्तीय समावेशन, स्वास्थ्य, शिक्षा और कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां मौजूद हैं। लेकिन इनकी समृद्धता और व्यापकता के बावजूद अधिकांश डेटा मंत्रालयों, विभागों और विभिन्न संस्थाओं में बिखरा हुआ है, जिससे नीति निर्माण और सुशासन में इसका पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है।÷

पी.के. मिश्रा ने आगे कहा कि प्रशासनिक डेटा को अब केवल विभागीय कामकाज का उप-उत्पाद (बाय-प्रोडक्ट) मानकर नहीं चलना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस डेटा को एक रणनीतिक राष्ट्रीय संसाधन के रूप में विकसित किया जाना चाहिए, जिससे महत्वपूर्ण डेटा की कमी को दूर किया जा सके, बेहतर नीतियां बनाई जा सकें और सरकारी योजनाओं का लाभ सही लोगों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंचाया जा सके।

भारत का औद्योगिक उत्पादन मई में 5.1 प्रतिशत की दर से बढ़ा, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रही तेजी

नई दिल्ली।

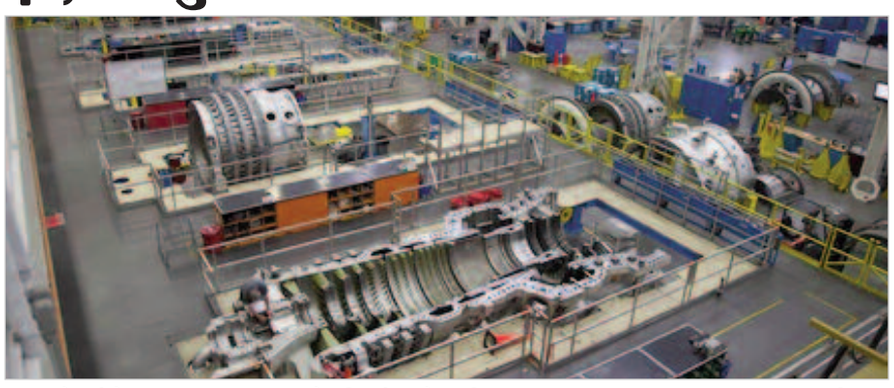

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) की वृद्धि दर मई 2026 में सालाना आधार पर 5.1 प्रतिशत रही है। इससे यह बढ़कर 122.7 पर पहुंच गया, जिसमें मैन्युफैक्चरिंग, बिजली और जल प्रबंधन क्षेत्रों ने प्रमुख योगदान दिया। यह जानकारी सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी डेटा में दी गई।

खास बात यह है कि सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के लिए आधार वर्ष को 2011-12 से बदलकर 2022-23 कर दिया है। यह संशोधित आधार वर्ष के तहत डेटा का दूसरा सेट है। सरकारी डेटा के मुताबिक, मई में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का उत्पादन सालाना आधार पर 5.5 प्रतिशत बढ़ा है। इसे कई उद्योगों में वृद्धि का फायदा मिला है। हालांकि, खनन में मई में सालाना आधार पर 1.6 प्रतिशत की कमी देखी गई है। मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र के 23 उद्योग समूहों में से 16 ने मई 2025 की तुलना में मई 2026 में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है। मई 2026 के दौरान सबसे अधिक सकारात्मक योगदान देने वाले तीन प्रमुख उद्योग समूह में मोटर वाहन, ट्रेलर और सेमी-ट्रेलर के निर्माण में वृद्धि दर 14.5 प्रतिशत, विद्युत उपकरण के निर्माण में वृद्धि दर 20.8 प्रतिशत और बेसिक मेटल के निर्माण में वृद्धि दर 4.6 प्रतिशत रही। वहीं, बिजली और गैस का उत्पादन 9.9 प्रतिशत और पानी की आपूर्ति में सालाना आधार पर 5.5 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

इसके अतिरिक्त पूंजीगत वस्तुओं के उत्पादन में सालाना आधार पर 12.9 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो निवेश गतिविधियों में लगातार तेजी का संकेत है।

मई में इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़े सामान का उत्पादन 5.9 प्रतिशत बढ़ा, जबकि लंबे समय तक चलने वाले कंज्यूमर गुड्स का उत्पादन 7.2 प्रतिशत बढ़ा है। इससे पहले 22 जून को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी डेटा में बताया गया कि भारत की आठ मुख्य इन्फ्रास्ट्रक्चर इंडस्ट्रीज के संयुक्त सूचकांक की विकास दर मई में सालाना आधार पर 0.5 प्रतिशत रही है। इसमें सीमेंट, स्टील और इलेक्ट्रिसिटी क्षेत्र में जबरदस्त तेजी देखी गई है।

भारत के एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में 2029 तक 4.2 लाख करोड़ रुपए तक के निवेश आने की संभावना रिपोर्ट

नई दिल्ली।

भारत के एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में वर्ष 2029 तक 4.2 लाख करोड़ रुपए तक का निवेश आने की संभावना है।

सोमवार को जारी ब्रिकवर्क रेटिंग्स की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार, इस अनुमान में वित्त वर्ष 2026 तक घोषित और लागू किए जा रहे प्रोजेक्ट्स की लगभग 3.7 लाख करोड़ रुपए की परियोजनाएं शामिल हैं। इसके अलावा, वर्ष 2029 तक शुरू होने वाली नई परियोजनाओं में करीब 50,000 करोड़ रुपए का अतिरिक्त निवेश होने की संभावना जताई गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रिकॉर्ड यात्री संख्या और एयरपोर्ट शुल्क (टैरिफ) में बढ़ोतरी के कारण वित्त वर्ष 2026 में एयरपोर्ट सेक्टर की परिचालन आय (ऑपरेटिंग रेवेन्यू) में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई।

वहीं वित्त वर्ष 2027 में भी घरेलू हवाई यात्रा में लगातार बढ़ोतरी और एयरपोर्ट नेटवर्क के विस्तार के चलते राजस्व में अच्छी बढ़ोतरी जारी रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 के दौरान एयरपोर्ट सेक्टर में बड़े पैमाने पर क्षमता विस्तार किया गया। क्षेत्रीय एयरपोर्टों का विकास और टर्मिनलों के आधुनिकीकरण का काम तेज हुआ, ताकि घरेलू हवाई यात्रा में लगातार बढ़ रही मांग को पूरा किया जा सके। ब्रिकवर्क रेटिंग्स के सीनियर डायरेक्टर (रेटिंग्स) नीरज राठी ने कहा कि घरेलू हवाई यात्रा में मजबूत मांग, टियर-2 शहरों में एयरपोर्ट नेटवर्क के विस्तार और नवी मुंबई तथा जेवर जैसे नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट शुरू होने से हवाई यात्री यातायात में 8 से 10 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है।

उनके अनुसार, इन कारणों से अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा में आई सुस्ती का असर काफी हद तक संतुलित हो जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्रा की वृद्धि फिलहाल धीमी पड़ गई है, जिसका मुख्य कारण उड़ानों पर प्रतिबंध, ईंधन की बढ़ती कीमतें और पश्चिम एशिया में जारी तनाव है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की कुल अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्री संख्या में 38 से 40 प्रतिशत हिस्सेदारी केवल पश्चिम एशिया की है। ऐसे में इस क्षेत्र में जारी अस्थिरता का सीधा असर भारतीय विमानन उद्योग पर पड़ रहा है।

नीरज राठी ने कहा कि इन चुनौतियों के कारण वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही में वृद्धि सीमित रह सकती है। हालांकि, दूसरी छमाही में एयरलाइंस के शीतकालीन यात्रा सीजन के लिए नई उड़ानें शुरू करने और नए एयरपोर्ट पूरी क्षमता से संचालन शुरू करने के बाद यात्री संख्या और मांग में तेज सुधार देखने को मिल सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर का क्रेडिट आउटलुक स्थिर बना हुआ है।

मारुति सुजुकी ने एआई और ऑपरेशनल दक्षता बढ़ाने के लिए अपने साथ पांच स्टार्टअप्स को जोड़ा

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने सोमवार को घोषणा की कि उसने पांच स्टार्टअप्स को अपने साथ जोड़ा है। ये स्टार्टअप्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और सस्टेनेबिलिटी-आधारित समाधान विकसित करेंगे, जिनका उद्देश्य कंपनी की परिचालन दक्षता (ऑपरेशनल एफिशिएंसी), ग्राहकों के अनुभव और बिजनेस प्रक्रियाओं को बेहतर बनाना है। चयनित स्टार्टअप्स में मिनीमाइन्स, ईजवर्क एआई, सर्वम एआई, सिफ्टली और कोडमेट एआई शामिल हैं। ये सभी मारुति सुजुकी इन्क्यूबेशन प्रोग्राम (एमएसआईपी) के पांचवें बैच के विजेता हैं, जिसका संचालन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) बेंगलुरु के स्टार्टअप इन्क्यूबेटर एनएसआरसीईएल के साथ साझेदारी में किया जाता है। मारुति सुजुकी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) हिसाशी ताकेउची ने कहा कि कंपनी लंबे समय से स्टार्टअप्स के साथ मिलकर वास्तविक कारोबारी चुनौतियों के व्यावहारिक समाधान विकसित करने पर काम कर रही है। उन्होंने कहा, ÷हमें पांच और स्टार्टअप्स के साथ साझेदारी करके खुशी हो रही है। इनमें से मिनीमाइन्स हमारी एंड-ऑफ-लाइफ बैटरियों को सुरक्षित तरीके से रीसायकल करने में मदद करेगा, जबकि बाकी चार स्टार्टअप्स ग्राहक जुड़ाव (कस्टमर एंगेजमेंट) बढ़ाने और हमारी व्यावसायिक प्रक्रियाओं को अधिक कुशल बनाने में सहयोग करेंगे।÷

बीपीसीएल ने टीटीएसआईपीएल में 85 करोड़ रुपए में खरीदी 40 प्रतिशत हिस्सेदारी

नई दिल्ली।

सरकारी तेल कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने सोमवार को ऐलान किया कि वह टिकी टार एंड शेल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (टीटीएसआईपीएल) में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी का 85 करोड़ रुपए में अधिग्रहण करेगी। इसके जरिए कंपनी की कोशिश वैल्यू-एडेड बिटुमिन (वीएबी) बाजार में अपनी स्थिति को मजबूत करना है। पीएसयू कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा कि इस स्ट्रैटेजिक इन्वेस्टमेंट का मकसद भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर में बीपीसीएल के विस्तार को तेज करना है, जहां सड़क और एयरपोर्ट के निर्माण के साथ-साथ खास बिटुमेन प्रोडक्ट्स की मांग बढ़ने की उम्मीद है। कंपनी ने आगे कहा कि आम शर्तों के पूरा होने पर, इस अधिग्रहण के 90 दिनों के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। बीपीसीएल ने कहा कि यह अधिग्रहण उसे टीटीएसआईपीएल के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और मार्केट में मौजूदगी का फायदा उठाकर वैल्यू-एडेड बिटुमेन सेगमेंट में मौकों का लाभ उठाने में मदद करेगा। बीपीसीएल ने बताया कि मुंबई में रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के साथ रजिस्टर्ड टीटीएसआईपीएल की अधिकृत शेयर पूंजी 37 करोड़ रुपए और पेड-अप पूंजी लगभग 36 करोड़ रुपए है।

इसके अतिरिक्त, वित्त वर्ष 26 की चौथी तिमाही में बीपीसीएल ने 3,191 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा दर्ज किया। इस दौरान आय लगभग 1.18 लाख करोड़ रुपए पर स्थिर रहा, जबकि ईबीआईटीडीए 10,061 करोड़ रुपए रहा। बीपीसीएल के अनुसार, मई 2026 में दिल्ली में पेट्रोल की बिक्री 27,800 मीट्रिक टन से अधिक रही, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 27,100 मीट्रिक टन से अधिक थी। इस तरह इसमें लगभग 2.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस महीने डीजल की बिक्री में भी लगातार बढ़ोतरी देखी गई। यह मई 2025 के 16,100 मीट्रिक टन से अधिक से बढ़कर मई 2026 में 16,500 मीट्रिक टन से अधिक हो गई है, जो लगभग तीन प्रतिशत की बढ़ोतरी दिखाता है।

हॉर्मुज संकट के दौरान निर्बाध ईंधन की आपूर्ति, भारत के ऊर्जा क्षेत्र की ताकत को दिखाता है एक्सपर्ट्स

नई दिल्ली।

करीब चार महीनों तक हॉर्मुज स्ट्रेट बंद रहने के दौरान भारत में ईंधन की आपूर्ति यथावत रहना और ग्राहकों पर न्यूनतम प्रभाव पड़ना, देश के ऊर्जा क्षेत्र की मजबूती को दिखाता है, जिससे इन्फ्रास्ट्रक्चर में निवेश, विविध स्रोतों से आपूर्ति और सरकारी निर्णयों में समन्वय से समर्थन प्राप्त है। यह जानकारी एक्सपर्ट्स की ओर से सोमवार को दी गई।समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर (एमडी) वर्तिका शुक्ला ने कहा कि हॉर्मुज स्ट्रेट के चलते पैदा हुई चुनौतियों ने भारत के ऊर्जा सेक्टर की ताकत को दिखाया है।

इस दौरान भारत की आपूर्ति स्थिर रही और आपूर्ति श्रृंखला में आई रुकावटों का खुदरा कीमतों पर प्रभाव न्यूनतम रहा। इसकी वजह सरकार की ओर से समय पर आपूर्ति स्रोतों का विविधीकरण और एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर में पर्याप्त निवेश था।हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के पूर्व चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर एम.के.सुराना ने कहा कि जब पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू हुआ और होर्मुज स्ट्रेट से शिपिंग में रुकावट आई, तो कई जानकारों को उम्मीद थी कि भारत को ईंधन की भारी कमी का सामना करना पड़ेगा, क्योंकि वह आयातित कच्चे तेल पर बहुत अधिक निर्भर है।उन्होंने कहा, ÷जब टकराव शुरू हुआ और होर्मुज स्ट्रेट बंद हो गया, तो ज्यादातर जानकारों को लगा था कि 85 प्रतिशत आयातित कच्चे तेल पर निर्भर भारत की आपूर्ति थप हो जाएगी और देश में पेट्रोल की कमी हो जाएगी। ÷सुराना ने आईएएनएस को बताया, ÷एलपीजी भी नहीं मिल पाती। भारी कमी हो जाती और बड़े पैमाने पर कामकाज बंद हो जाता।

भारत के 12 एलपीजी जहाजों ने हॉर्मुज स्ट्रेट बिना टोल दिए किया पार हरदीप पुरी

नई दिल्ली, 29 जून (आईएएनएस)। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को कहा कि भारत के 12 एलपीजी जहाजों ने हॉर्मुज स्ट्रेट बिना टोल दिए पार किया है, साथ ही कुकिंग गैस का उत्पादन बढ़ाने के लिए तेजी से रिफाइनरियों में बदलाव किए। इन उपायों ने देश को आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी ऊर्जा आपूर्ति में रुकावट से निपटने में मदद की। चार महीने तक होर्मुज स्ट्रेट के बंद होने से आई चुनौतियों का जिक्र करते हुए पुरी ने कहा कि सरकार ने बिना रुकावट ऊर्जा आपूर्ति सुनिश्चित करने और उपभोक्ताओं को इस व्यवधान के असर से बचाने के लिए कई आपातकालीन उपाय किए। उन्होंने कहा, ÷जब दुनिया ऊर्जा के सबसे बुरे संकटों में से एक और बाधित आपूर्ति श्रृंखलाओं का सामना कर रही थी, तब पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने ऊर्जा उपभोक्ताओं को किसी भी नकारात्मक असर से प्रभावी ढंग से बचाया।÷ मंत्री ने कहा कि भारत ने कच्चे तेल के आयात के स्रोतों में विविधता लाकर, एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर का विस्तार करके और कई देशों से एलपीजी की वैकल्पिक सप्लाई सुनिश्चित करके घरेलू उपभोक्ताओं को सप्लाई की कमी से बचाया। उन्होंने कहा कि सरकार के कदमों से यह सुनिश्चित हुआ कि ग्लोबल एनर्जी संकट के बावजूद कुकिंग गैस और ईंधन की सप्लाई स्थिर बनी रही। संकट के दौरान उठाए गए कदमों में मार्च में ईंधन पर सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी में 10 रुपए प्रति लीटर की कटौती भी शामिल थी। उन्होंने कहा, ÷घरों तक पहुंचने वाली कुकिंग गैस की पूरी सुरक्षा की गई और कालाबाजारी करने वालों द्वारा इस कीमती सप्लाई की हेराफेरी रोकने के लिए डिजिटल ऑथेंटिकेशन कोड जरूरी कर दिया गया।÷ पुरी ने बताया कि जिन रिफाइनरियों में पहले कभी कुकिंग गैस का उत्पादन नहीं हुआ था, उनमें उत्पादन बढ़ाने के लिए कुछ ही दिनों में बदलाव किए गए। नतीजतन, एलपीजी का उत्पादन 35 हजार मीट्रिक टन (टीएमटी) प्रतिदिन से बढ़कर 54 टीएमटी प्रतिदिन हो गया। उन्होंने आगे कहा कि भारत ने अल्जीरिया, जापान और कनाडा जैसे देशों के साथ एलपीजी सप्लाई के नए इंतजाम किए, साथ ही घरेलू मांग को पूरा करने के लिए अमेरिका से अतिरिक्त खेप हासिल कीं।

पश्चिम एशिया संकट के दौरान ईंधन की आपूर्ति सामान्य बनाए रखने के लिए सरकार ने तेजी से उठाए कदम नवदीप सूरी

नई दिल्ली।

संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भारत के पूर्व राजदूत नवदीप सूरी ने सोमवार को कहा कि हालांकि 28 फरवरी को होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होरमुज) के बंद होने की स्थिति वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए सबसे खराब परिस्थितियों में से एक थी, लेकिन भारत सरकार ने तेजी से कदम उठाकर इस संकट का प्रभावी ढंग से सामना किया और देश में ईंधन की आपूर्ति सामान्य बनाए रखी। न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में सूरी ने कहा, ÷मुझे लगता है कि इस दौरान सरकार ने काफी सक्रिय ऊर्जा कूटनीति का प्रदर्शन किया।÷ उन्होंने कहा कि सरकार ने यूएई, सऊदी अरब और कतर जैसे देशों के साथ जो विशेष संबंध बनाए हैं, वे इस संकट के समय बेहद काम आए। उन्होंने बताया कि 15 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूएई यात्रा और युद्ध के दौरान पेट्रोलियम मंत्री की कतर यात्रा इसका उदाहरण हैं। सूरी ने कहा कि इन मजबूत संबंधों की वजह से भारत को एलपीजी और कच्चे तेल जैसी ऊर्जा आपूर्ति लगातार मिलती रही। पूर्व राजदूत ने यह भी कहा कि इस दौरान भारत की कूटनीति की एक और बड़ी सफलता यह रही कि उसने खाड़ी देशों के अलावा रूस, फिर अमेरिका और साथ ही वेनेजुएला, नाइजीरिया, गैबॉन और गुयाना जैसे अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के नए आपूर्तिकर्ता देशों से भी तेल आयात के स्रोत बढ़ाए। उन्होंने कहा, ÷इन सभी प्रयासों की वजह से, जब कई दूसरे देश गंभीर ऊर्जा संकट का सामना कर रहे थे, तब भारत काफी हद तक इस संकट से बचने में सफल रहा।÷ सूरी ने आगे यह भी कहा कि सरकार ने उपभोक्ताओं के लिए ईंधन की कीमतें भी नियंत्रित रखने में सफलता हासिल की। जब 28 फरवरी के बाद युद्ध शुरू होने पर वैश्विक तेल कीमतों में तेज बढ़ोतरी हुई, तब सरकार और तेल कंपनियों ने बढ़ी हुई लागत का बड़ा हिस्सा खुद वहन किया। उन्होंने आईएएनएस से कहा, ÷सरकार ने टैक्स में कटौती की और तेल कंपनियों ने अपने मुनाफे का कुछ हिस्सा छोड़ा, जिससे आम लोगों पर कीमतों का बोझ नहीं पड़ा।

कनाडा ने पहली बार फुटबॉल वर्ल्डकप का नॉकआउट मैच जीता

- साउथ अफ्रीका को 1-0 से हराया, टॉप-16 में पहुंची, इंजरी टाइम में यूस्टाक्चियो का गोल

लॉस एंजिल्स (एजेंसी)। कनाडा फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। उसने सोमवार को साउथ अफ्रीका को 1-0 से हराया। कनाडा ने पहली बार इस टूर्नामेंट का कोई नॉकआउट मैच जीता है। अब उसका सामना 4 जुलाई को नीदरलैंड और मोरक्को के विनर से होगा। लॉस एंजिल्स स्टेडियम में सोमवार को खेले गए मैच के 90 मिनट तक कोई गोल नहीं आया। यहां तक दोनों टीमें 0-0 की बराबरी पर थीं। इसके बाद एलिस्टेयर जॉनस्टन ने इंजरी टाइम के दूसरे मिनट में डी के बाहर से गोल करके कनाडा को जीत दिला दी। उन्हें सुपीरियर प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। 74 साल और 79 दिन के ह्यूगो ब्रूस फीफा वर्ल्ड कप के नॉकआउट स्टेज में मैच कोचिंग करने वाले सबसे उम्रदराज कोच बन गए। उन्होंने ओस्कर तबारेज का रिकॉर्ड तोड़ा। तबारेज ने 2018 वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में 71 साल की उम्र में उरुग्वे को कोच किया था।

कनाडा के कोच जेसी ने प्लेयर्स को नेशनल हीरो बताया

मैच के बाद कनाडा के हेड कोच जेसी मार्श इमोशनल हो गए। उन्होंने मैदान पर खिलाड़ियों को नेशनल हीरो बताया। उन्होंने कहा कि वे देश के भविष्य के लिए प्रेरणा बन गए हैं। अब कनाडा में फुटबॉल का भविष्य और उज्ज्वल होगा।

डेविस की वापसी से बढ़ी टीम की ताकत

स्टार डिफेंडर अल्फोंसो डेविस ने 75वें मिनट में चोट से वापसी की। उन्होंने मैदान पर उतरते ही प्रॉमिस डेविड के लिए शानदार मौका बनाया, हालांकि उसे गोल में नहीं बदला जा सका। आखिरकार यूस्टाक्चियो ने टीम को अतिरिक्त समय में जाने से बचा लिया।

साउथ अफ्रीका ने किया कड़ा मुकाबला

साउथ अफ्रीका ने पूरे मैच में मजबूत रक्षात्मक खेल दिखाया और गोल होने तक कनाडा को लगातार रोके रखा। गोलकीपर रॉनवेन विलियम्स ने पांच शानदार बचाव किए, लेकिन अंतिम क्षणों में टीम को हार से नहीं बचा सके।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए क्रिकेट क्वालिफिकेशन सिस्टम को मिली मंजूरी

लाजेन (स्विट्जरलैंड) (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमिटी (आईओसी) ने लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट प्रतियोगिताओं के लिए क्वालिफिकेशन सिस्टम को मंजूरी दे दी है। आईओसी के एग्जीक्यूटिव बोर्ड (ईबी) की मंजरी के बाद लॉस एंजिल्स 2028 ओलंपिक खेलों में क्रिकेट प्रतियोगिताओं के लिए क्वालिफिकेशन सिस्टम अब जारी कर दिया गया है तथा सर्फ़िंग क्वालिफिकेशन सिस्टम में भी अपडेट किया गया हैं।

128 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी हो रही है, जहां पुरुष और महिला दोनों वर्गों में टी20 प्रारुप में 6-6 टीमें स्वर्ण पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। प्रत्येक टीम में 15 खिलाड़ी होंगे। जो प्रशंसक इस रोमांच का हिस्सा बनना चाहते हैं, वे अगस्त में होने वाले अगले लॉस एंजिल्स 2028 टिकट सेल के लिए आधिकारिक रूप-28 वेबसाइट पर साइन अप कर सकते हैं जिन लोगों ने अभी तक साइन अप नहीं किया है उनके लिए रजिस्ट्रेशन 22 जुलाई 2026 तक खुला रहेगा।

दक्षिण कोरिया की रयू हेरान ने शानदार वापसी करते हुए जीती विमेंस पीजीए चैंपियनशिप

मिनेसोटा (अमेरिका) (एजेंसी)। दक्षिण कोरिया की रयू हेरान ने 10- स्ट्रोक के भारी अंतर से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए केपीएमजी विमेंस पीजीए चैंपियनशिप अपना पहला मेजर खिताब जीता। हेजलटाइन नेशनल गोल्फ क्लब में रविवार को एलपीजीए की 2023 'रूकी ऑफ द ईयर' रयू ने पहले राउंड के बाद 10 शॉट्स से पिछड़ने के बावजूद जबरदस्त वापसी की। उन्होंने 1964 में कैरोल मान के बनाए टूर के इतिहास में सबसे बड़ी वापसी के रिकॉर्ड की बराबरी की और 13-अंडर 275 के स्कोर के साथ जीत हासिल की। उन्होंने अपनी ही देश की यूं इना को दो स्ट्रोक्स से हराया। इस जीत के साथ वह पिछले कम से कम 60 वर्षों में किसी मेजर में पहले राउंड के बाद 10 से अधिक शॉट्स के नुकसान से उबरकर खिताब जीतने वाली पहली गोल्फर बन गई है। आखिरी तीन राउंड में रयू का स्कोर 14-अंडर रहा, जो मिनेसोटा के हेजलटीन नेशनल गोल्फ़ क्लब में बाकी खिलाड़ियों से कम से कम छह शॉट्स बेहतर था। 25 साल की रयू, पिछले 12 सालों में यह टूर्नामेंट जीतने वाली दक्षिण कोरिया की छठी गोल्फर हैं। रयू के शानदार प्रदर्शन ने नेल्ली कोडर को सीजन की शुरुआत में लगातार तीसरी बड़ी चैंपियनशिप जीतने से रोक दिया। आठवें स्थान से संतोष करना पड़ा, और वह विजेता से सात स्ट्रोक्स पीछे रहीं। कनाडा की ब्रुक हेंडरसन और नीदरलैंड की डेवी वेबर 10-अंडर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं।

एशिया जूनियर चैंपियनशिप

हांगकांग से हारकर भारत का सफर थमा, क्वार्टर फाइनल में निराशा

यत्सुशिरो (एजेंसी)। बैडमिंटन एशिया जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप 2026 में भारतीय टीम का अभियान क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। जापान के यत्सुशिरो में खेले गए मुकाबले में हांगकांग ने भारत को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। भारत ने शानदार शुरुआत की थी, लेकिन अगले दो मुकाबलों में बढ़त कायम नहीं रख सका। देव रूपारेलिया, तन्वी पत्री और अन्य युवा खिलाड़ियों ने संघर्ष जरूर किया, लेकिन निर्णायक क्षणों में हांगकांग की टीम ज्यादा मजबूत साबित हुई।

क्वार्टर फाइनल में भारत को मिली हार - सोमवार को खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारत को हांगकांग के खिलाफ 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारतीय टीम का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया, जबकि हांगकांग ने अंतिम चार में अपनी जगह पक्की कर ली।

देव रूपारेलिया और तन्वी पत्री ने दिलाई शानदार शुरुआत -भारत की ओर से पहले मुकाबले में देव रूपारेलिया और तन्वी पत्री की जोड़ी ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टीम को शुरुआती बढ़त दिलाई। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम 55-44 से अपने नाम कर मुकाबले में शानदार शुरुआत की। हालांकि दूसरे गेम में हांगकांग के कैन यी हेई ने रूपारेलिया पर दबाव बनाया और 11-8 से जीत दर्ज की। इसके बाद आईपी सुम याउ ने भी बढ़त हासिल करते हुए स्कोर 22-16 कर दिया। निर्णायक गेम में रूपारेलिया ने वापसी करते हुए चान को 11-9 से हराया, लेकिन आईपी सुम याउ ने 22-21 की मामूली बढ़त बनाए रखकर हांगकांग को मुकाबले में बनाए रखा।

दूसरे मुकाबले में कड़ी टक्कर के बावजूद मिली हार - अगले मैच में भारत के ब्योर्न जैसन और डियांका वाल्डिया का सामना चियुंग साइ शिंग और विंग चि चू से हुआ। मुकाबला काफी रोमांचक रहा और एक समय स्कोर 11-11 की बराबरी पर था। भारतीय जोड़ी ने शानदार खेल दिखाते हुए टीम को 33-32 की बढ़त दिलाई, लेकिन हांगकांग की जोड़ी ने दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मुकाबला अपने पक्ष में मोड़ लिया।

आखिरी मुकाबले में नहीं बचा सके भारत की उम्मीदें

निर्णायक मुकाबले में भारत की तन्वी रेड्डी और बरूनी पर्शवाल से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन उन्हें चू और यी कियू यू की जोड़ी के खिलाफ 5-11 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारत ने सेट 43-55 से गंवा दिया और हांगकांग ने मुकाबला 2-1 से जीतकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल कर लिया।

युवा खिलाड़ियों ने दिखाया दम, लेकिन अधूरा रह गया सपना

भारतीय जूनियर खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट में कई शानदार प्रदर्शन किए, लेकिन क्वार्टर फाइनल में टीम निर्णायक मौकों का फायदा नहीं उठा सकी। इसके बावजूद युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत जरूर दिए।

यूएसओपन 2026

किदांबी श्रीकांत का खिताब जीतने का सपना टूटा, फाइनल में सु ली यांग से हार

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत के अनुभवी शटलर किदांबी श्रीकांत एक बार फिर बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर का खिताब जीतने से चूक गए। अमेरिका के फुलर्टन में खेले गए यूएस ओपन 2026 के फाइनल में उन्होंने शानदार संघर्ष किया, लेकिन चीनी ताइपे के युवा खिलाड़ी सु ली यांग ने उन्हें तीन गेम तक चले मुकाबले में हराकर ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

यूएस ओपन 2026 के फाइनल में श्रीकांत को मिली हार - पूर्व विश्व नंबर-1 किदांबी श्रीकांत को फाइनल मुकाबले में चीनी ताइपे के 24 वर्षीय सु ली यांग के खिलाफ 21-15, 16-21, 21-9 से हार का सामना करना पड़ा। एक घंटे नौ मिनट तक चले इस मुकाबले में श्रीकांत ने दमदार संघर्ष किया, लेकिन निर्णायक गेम में वह लय बरकरार नहीं रख सके। इस हार के साथ उनका बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर खिताब का इंतजार और लंबा हो गया।

तीसरे गेम में युवा खिलाड़ी ने पलट दी बाजी - निर्णायक गेम में शुरुआत में श्रीकांत मुकाबले में बने रहे और स्कोर 9-7 तक पहुंचा। इसके बाद सु ली यांग ने लगातार आठ अंक जीतकर मैच पर पूरी पकड़ बना ली। लंबे मुकाबले का असर श्रीकांत की फिटनेस पर भी दिखाई दिया और अंततः उन्हें 21-9 से गेम गंवाकर उपविजेता से संतोष करना पड़ा।

शानदार प्रदर्शन के बावजूद खिताब फिर दूर - भले ही श्रीकांत ट्रॉफी जीतने में सफल नहीं रहे, लेकिन पूरे टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन उम्मीद जगाने वाला रहा। अनुभवी भारतीय खिलाड़ी ने कई मजबूत प्रतिद्वंद्वियों को हराकर फाइनल तक का सफर तय किया और यह दिखाया कि वह अब भी बड़े मंच पर चुनौती पेश करने की क्षमता रखते हैं।

पहले गेम में सु ली यांग का दबदबा

मुकाबले की शुरुआत से ही सु ली यांग ने आक्रामक खेल दिखाया और जल्दी ही 10-5 की बढ़त बना ली। हालांकि श्रीकांत ने शानदार वापसी करते हुए स्कोर 10-10 से बराबर कर दिया, लेकिन इसके बाद चीनी ताइपे के खिलाड़ी ने लगातार सात अंक जीतकर पहला गेम 21-15 से अपने नाम कर लिया।

दूसरे गेम में श्रीकांत ने दिखाई शानदार वापसी

दूसरे गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। स्कोर 15-13 तक बेहद करीबी रहा, लेकिन इसके बाद श्रीकांत ने अपना अनुभव दिखाते हुए लगातार पांच अंक हासिल किए और 20-13 की बढ़त बना ली। उन्होंने चौथे गेम प्वाइंट पर गेम जीतकर मुकाबले को निर्णायक तीसरे गेम तक पहुंचा दिया।

हरियाणा के योगेश कोहली को बड़ी जिम्मेदारी

ऑस्ट्रिया कप के लिए भारतीय सीनियर टेनिस टीम के कप्तान बने

हिसार (एजेंसी)। हरियाणा के हिसार के वरिष्ठ टेनिस खिलाड़ी योगेश कोहली को वर्ष 2026 आईटीएफ वर्ल्ड टेनिस मास्टर्स टूर ऑस्ट्रिया कप सीनियर के लिए भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया है. यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता 5 जुलाई से 10 जुलाई 2026 तक इटली के रोम में आयोजित होगी. इस टूर्नामेंट में योगेश कोहली भारतीय टीम की कप्तानी करते हुए देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

एक दशक से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शनः योगेश कोहली पिछले करीब 10 वर्षों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का नाम रोशन कर रहे हैं. वर्ष 2016 से वह लगातार आईटीएफ मास्टर्स टेनिस सर्किट में शानदार प्रदर्शन करते आ रहे हैं. उनकी निरंतर सफलता और बेहतरीन खेल के दम पर एकल वर्ग में उनकी विश्व रैंकिंग 34वीं है, जो भारतीय सीनियर टेनिस के लिए बड़ी उपलब्धि मानी जाती है।

करियर में जीते 19 अंतरराष्ट्रीय खिताबः योगेश कोहली ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में अब तक एकल वर्ग में 6 और युगल वर्ग में 13 अंतरराष्ट्रीय खिताब अपने नाम किए हैं. उनकी लगातार शानदार उपलब्धियों ने उन्हें भारतीय सीनियर टेनिस के प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल कर दिया है। 2025 रहा सबसे यादगार सालः योगेश कोहली के लिए वर्ष 2025 बेहद खास रहा. उन्होंने एक ही साल में एकल और युगल वर्ग को मिलाकर रिकॉर्ड 10 अंतरराष्ट्रीय खिताब जीतकर नया कीर्तिमान बनाया. इस शानदार प्रदर्शन के बाद उन्हें भारतीय टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। भारत को पदक दिलाने का लक्ष्यः भारतीय टीम के कप्तान बनाए जाने पर योगेश कोहली ने खुशी जताई. उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय परिवार, प्रशिक्षकों, सहयोगियों और समर्थकों को दिया. उन्होंने कहा कि देश का प्रतिनिधित्व करना और भारतीय टीम की कप्तानी करना उनके लिए गर्व की बात है।

महिला टी-20 वर्ल्ड कप में सिर्फ दूसरी बार हुआ ऐसा

- जब डिफेंडिंग चैंपियन को ग्रुप स्टेज से ही लौटना पड़ा घर
- न्यूजीलैंड महिला टी-20 वर्ल्ड कप 2026 से बाहर

नईदिल्ली (एजेंसी)। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में न्यूजीलैंड का खराब सफर आखिरकार खत्म हो गया, क्योंकि 'द ओवल' में इंग्लैंड से हारने के बाद वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए. इस हार के साथ ही यह टूर्नामेंट के इतिहास में सिर्फ दूसरी बार हुआ है जब डिफेंडिंग चैंपियन ग्रुप स्टेज से ही बाहर हो गया हो. टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन के कारण डिफेंडिंग चैंपियन न्यूजीलैंड महिला टी20 वर्ल्ड कप के ग्रुप स्टेज से बाहर हो गया. 'द ओवल' में अपने आखिरी ग्रुप स्टेज मैच में इंग्लैंड से नौ विकेट से हारने के बाद वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए.

वर्ल्ड कप के इतिहास में दुर्लभ घटना - न्यूजीलैंड टूर्नामेंट के इतिहास में ऐसा करने वाली दूसरी टीम बन गई है जब डिफेंडिंग चैंपियन ग्रुप स्टेज से बाहर हुए. 'ब्लैककैप्स' (न्यूजीलैंड टीम) से पहले, 2016 का टूर्नामेंट जीतने के बाद वेस्टइंडीज 2018 के एडिशन में ग्रुप स्टेज से बाहर हो गई थी. गौरतलब है कि 10 एडिशन में से ऐसा सिर्फ दो बार हुआ है।

डैनी वायट-हॉज ने लगाई फिफ्टी -इंग्लैंड की डैनी वायट-हॉज ने मैच में बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया और न्यूजीलैंड टीम को टूर्नामेंट से बाहर करने में अहम भूमिका निभाई. उन्होंने 53 गेंदों पर नाबाद 89 रन बनाए, जिसमें 15 चौके और एक छक्का शामिल था. सोफिया डंकली ने भी अहम योगदान दिया और 38 गेंदों पर नाबाद 49 रन बनाए. दूसरे विकेट के लिए दोनों के बीच 128 रनों की साझेदारी की बदौलत इंग्लैंड ने 164 रनों के लक्ष्य को 17.2 ओवर में चेज करके न्यूजीलैंड को नौ विकेट से हरा दिया। इससे पहले मैच में, इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 163/6 पर रोक दिया, जिसमें मेली केर (42) बल्लेबाजी करने वाली टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं. डैनी गिब्सन ने दो विकेट लिए, जबकि लॉरेन बेल और फ्रेया केम्प ने एक-एक विकेट लिया।

महिला टी20 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल - इंग्लैंड और वेस्टइंडीज ग्रुप 2 से सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं, और बाकी दो सेमीफाइनलिस्ट का फैसला आज होगा. बांग्लादेश बनाम दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत मैचों के नतीजों के आधार पर जगहें तय होंगी. ग्रुप स्टेज का आखिरी दिन तीन टीमों के लिए बहुत अहम साबित हुआ है, क्योंकि इससे 'लास्ट फोर' (अंतिम चार) में उनकी जगह तय होगी।

आयरलैंड ने भारत को दूसरे टी20 में एक रन से दी मात

पहली बार सीरीज जीतकर रचा इतिहास

बेलफास्ट (एजेंसी)। आयरलैंड ने भारत को दूसरे टी20 में एक रन से हराकर दो मैचों की टी20 सीरीज अपने नाम कर ली है. बेलफास्ट में खेले गए दूसरे मैच में मेजबान टीम ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 154 रन बनाए. जिसमें हैरी टेक्टर ने सबसे ज्यादा 47 गेंद में 56 रनों की पारी खेली. वहीं भारत की तरफ से अपना पहला टी20 मैच खेल रहे प्रिंस यादव ने सबसे ज्यादा 3 विकेट झटके. उन्होंने 4 ओवर में 22 रन देकर 3 विकेट के साथ अपना स्पेल खत्म किया. इसके अलावा अर्शदीप और दुबे को 2-2 विकेट मिले, जबकि हर्षित राणा एक विकेट लेने में सफल रहे।

154 रनों के जवाब में भारतीय टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 153 रन ही बना सकी. जिसकी वजह से उन्हें एक रनों से हार का सामना करना पड़ा. मैच में भारतीय बल्लेबाजी ने एक बार फिर सबको निराश किया।

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट को कहा अलविदा

लंदन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ चल रहे टेस्ट मैच में इंग्लैंड को एक बड़ा झटका लगा है. इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इंटरनेशनल क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास की घोषणा कर दी है. इंग्लैंड टीम ने टेस्ट के चौथे दिन के खेल के बीच में यह जानकारी दी. इसके साथ ही स्टोक्स के 15 साल के करियर पर विराम लग जायेगा जिसमें वह 2019 वनडे विश्व कप फाइनल में इंग्लैंड की न्यूजीलैंड पर जीत के नायक रहे. वह टी20 विश्व कप 2022 जीतने वाली इंग्लैंड टीम के भी अहम सदस्य थे और उसी साल टेस्ट कप्तान बने थे। न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के बाद नाइट क्लब घटना के बाद अनुशासनात्मक कारणों से 35 साल के इस ऑलराउंडर को दूसरे टेस्ट से बाहर रखा गया था।

इंग्लैंड क्रिकेट ने क्या कहा - इंग्लैंड क्रिकेट ने अपने बयान में कहा, 'इंग्लैंड के अब तक के सबसे महान कप्तानों में से एक, बेन स्टोक्स ने इस टेस्ट मैच के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है. बेन, आप इस टीम के लिए सबसे प्रेरणादायक कप्तान, लीडर और लेजेंड रहे हैं, जिसकी टीम कभी उम्मीद कर सकती थी. हम आपसे बहुत प्यार करते हैं और आपके रिटायरमेंट के लिए आपको शुभकामनाएं देते हैं।'

स्टोक्स ने क्या कहा - स्टोक्स ने एक भावुक वीडियो में कहा, 'कारणों पर बाद में बात हो सकती है, लेकिन मैंने इस टीम के लिए, आप लोगों के लिए और पहले के लोगों के लिए कई बार अपना सब कुछ झोंका है, और मुझे एक बार और ऐसा करना है. मैं बस यही चाहता हूं. हमें बहुत मेहनत करनी है, और मैं बस यही चाहता हूं कि नतीजे की परवाह किए बिना, मैं उस मैदान से यह जानते हुए बाहर निकलूं कि इस ग्रुप ने पिछले दो दिनों में अपना सब कुछ दिया है. मैं बस यही चाहता हूं कि हर कोई न केवल मेरे लिए, स्वार्थी होकर, बल्कि इस टीम के लिए भी अपना सब कुछ दे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-4-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-2-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-3-5-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 3933

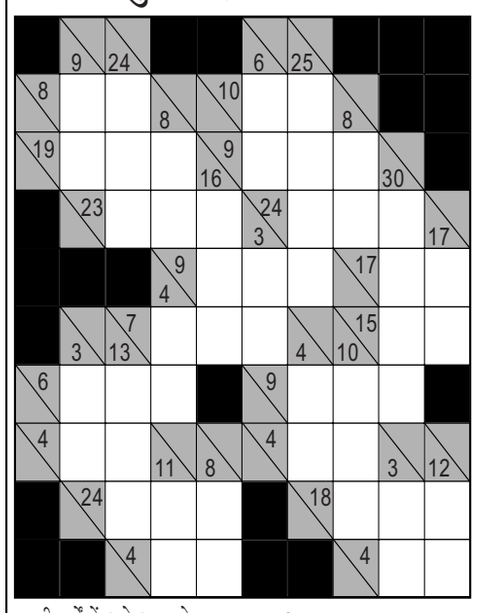

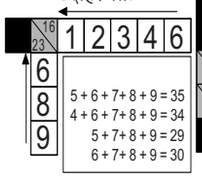

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 3932 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक अभिनेत्री ने ब्यूटी-क्लीनिक की मालकिन से अपने चेहरे के दाग को मिटाने का रेट पूछा.

'पांच सौ रुपये लगेंगे !'

'पांच सौ तो ज्यादा हैं !'

'फिर ?'

'कोई सस्ता तरीका बताइए !'

'सस्ता नहीं मुफ्त का तरीका है.'

'कृपया जल्दी बताइये !'

' घूंघट निकालना शुरू कर दीजिए! आपका काम मुफ्त में बन जायेगा.'

□ □ □

एक आंखों के डाक्टर ने अपने एक सर्जन मित्र को नजर का चश्मा बनाकर दिया. संयोग से उसी दिन आंखों के डाक्टर को उसी सर्जन से अपना ऑपरेशन करवाना पड़ा.

फिर जब वह ऑपरेशन टेबल पर लेट गया तो सर्जन चश्मा लगाकर बोला- 'रेडी ! मैं तैयार हो गया हूँ ! अब तुम बताओ कि तुम कहां हो?'

आंखों का डाक्टर तुरन्त मेज से कूद पड़ा.

□ □ □

प्रशंसिका: ''आपके उपन्यास का अंतिम सीन बहुत अच्छा है.''

उपन्यासकार: ''उपन्यास के आरंभ के विषय में आपका क्या विचार है?''

प्रशंसिका: ''मैं उसे अभी पढ़ना शुरू करने वाली हूँ.''

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3933

बायें से दायें:-

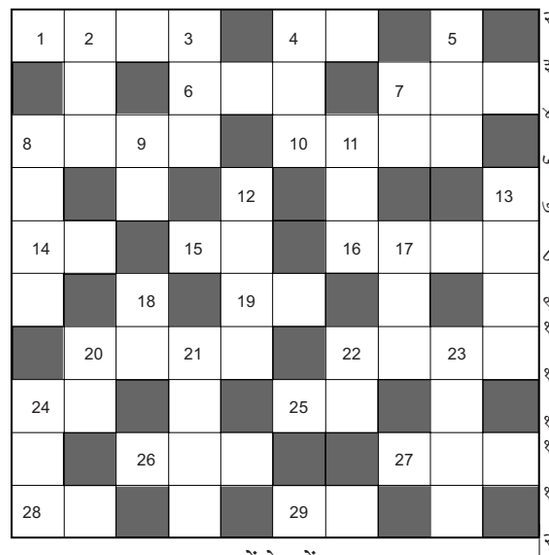

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3932

सूडोकु -3933

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3932 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली -3933

बाएँ से दाएँ
1.दयालु.उदार-5
4.गगन,आकाश-4
7.सरिता-2
8.चोगा,गाऊन-3
9.छुट्टी,अवकाश-2
10.आबे हयात,काबा कूप-4
11.रिहा-2
13.खाना,भोजन करना-3
14.जिद-2
15.हिम्मत,बल-3
17.कारागार-2
19.रइसे आजम,सूरी-5
22.दुत्कारना,डांटना-5
25.सराबोर-2
26.भोर,सवेरा-3
28.मूल्य,कीमत-2
29.महीन,बहुत छोटा-3
30.फूंक,दम,सुट्टा -2
32.झंकार,प्रतिध्वनि-4
34.उष्णता,ज्वर-2
36.ओट,चिलमन-3
37.छोटा टुकड़ा-2
38.सराबोर,सना हुआ-4
39.निर्माता,रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे
1.कैदी,बंधक-2
2.मुलायम-3
3.यात्री पोत,तैरता होटल-5
4.उर्दू में अभिवादन-3
5.पिटाई,चोट-2
6.नाजुकता-4
7.नया जीवन-5
10.मर्यादा-4
12.खाली,रिक्त-2
16.लाईन,पंक्ति-3
17.गर्मी का महीना-2
18.उदर-2
20.दीनहीन,दरिद्र-3
21.लश्कर,फौज-2
22.नष्ट,अद्वैतभाव-2
23.व्यवसाय,धंधा-4
24.नाम रखना -2,3
25.होशियार-5
26.सुर आलाप-2,2
27.अधिकार-2
31.प्रतिज्ञा-3
33.आकांक्षा,अभिलाषा-3
35.राह,मार्ग-2
37.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली -3932 का हल

गर्भावस्था के बारे में ये बातें कोई नहीं बताता आपको

जो गर्भावस्था एक महिला के जीवन के सबसे रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय में से एक है, लेकिन कई महिलाएं मातृत्व के इस नौ महीने की इस यात्रा को बहुत कम जानते हुए शुरू करती हैं। ऐसी कई बातें है जिनका उल्लेख महिलाओं को तब होता है जब वह उनके साथ होती है।

गर्भावस्था में इन बातों को नहीं जानती आप

गर्भावस्था एक महिला के जीवन के सबसे रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय में से एक है, लेकिन कई महिलाएं मातृत्व के इस नौ महीने की इस यात्रा को बहुत कम जानते हुए शुरू करती हैं। इम्पीरियल कॉलेज ऑफ लंदन के प्रोफेसर विवेत्ते ग्लोवर फ्रॉम के अनुसार गर्भधारण करने के बाद महिला का शरीर कई बदलावों से गुजरता है। महिला के शरीर में बदलाव हार्मोन में परिवर्तन के कारण होते हैं। लेकिन ऐसी कई बातें है जिनका उल्लेख महिलाओं को तब होता है जब वह उनके साथ होती है। आइए ऐसी ही कुछ बातों की जानकारी हम आपको देते हैं।

श्रोणि में दर्द

गर्भावस्था के दौरान एक महिला का शरीर जन्म देने के लिए तैयार होने के कारण कई सामान्य परिवर्तनों से गुजरना पड़ता है। इस दौरान रिलैक्सिन नामक हार्मोन के स्राव, स्नायुबंध, मसल्स और नसों को अधिक से अधिक लचीलापन देता है। इसके अलावा, रिलैक्सिन बच्चे के सिर को नीचा लाने के लिए एक महिला के श्रोणि पर्याप्त लचीला बनाता है। इस अतिरिक्त लचीलेपन के साथ मसल्स को खींचाव आसान होता है। कभी-कभी गर्भावस्था के अंतिम दिनों में, जोड़ महिला के श्रोणि के दो हिस्सों को एक साथ कसकर रखते हैं, बिल्कुल अलग होकर एसपीडी का कारण बनता है। इससे महिला के खड़े होने, घूमने और बैठे रहने पर श्रोणि और पीठ में दर्द होने लगता है।

भावनात्मक बदलाव

प्रोफेसर ग्लोवर के अनुसार गर्भवती में अन्य महिलाओं की तुलना में चिंता और अवसाद के लक्षण अधिक देखने को मिलते हैं। इस दौरान किसी भी महिला में असामान्य भावनात्मक परिवर्तन होना सामान्य ही माना जाता है। हॉर्मोन्स में हो रहे बदलावों के चलते महिलाओं के स्वभाव में तो परिवर्तन आता ही है और वे अधिक गुस्सा करने लगती हैं। उनका स्वभाव चिड़चिड़ा और अजीब सा हो जाता है। इसके अलावा हार्मोनल बदलाव, विशेष रूप से गर्भावस्था के पहले तीन महीनों में होने वाले बदलाव महिला के मन को प्रभावित कर उसे बीमार, थक हुआ और रुआंसा महसूस कराते हैं। लेकिन यह बदलाव बच्चे के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकता है।

मसूड़ों से खून बहना

कई बार गर्भवती महिलाओं को मसूड़े से खून आने की दिक्कत अधिक होती है। इसे प्रेग्नेंसी जिन्जवाइटिस भी कहते हैं। इसमें हार्मोनल बदलाव की वजह से मसूड़ों तक सही तरीके से ब्लड नहीं पहुंच पाने के कारण मसूड़े कमजोर होने लगते हैं और उनसे खून निकलता है। इसलिए महिलाओं को ब्रश करते समय या फ्लॉस करते समय आपके दांतों में से खून आता है तो आपको डेंटिस्ट के पास तुरन्त जाना चाहिए। साथ ही अपने दांतों की अच्छी तरह से देखभाल के लिए नियमित रूप से चेकअप के लिए अपने दंत चिकित्सक के पास जाये।

कब्ज

अधिकांश महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान कब्ज की शिकायत रहती है। हार्मोन्स में आए बदलाव के कारण शरीर की पाचन प्रक्रिया धीमी होने पर आंतों की शिथिल मांसपेशियां कब्ज पैदा करने लगती हैं। गर्भावस्था के आखिरी दो तिमाही में आंतों पर गर्भाशय का दबाव कब्ज पैदा कर देता है। इससे निजात पाने गर्भवती को अपने नियमित आहार में फाइबर (रेशेदार) युक्त खाद्य पदार्थ जैसे फल एवं सब्जियों व दालों का ज्यादा से ज्यादा मात्रा में सेवन करना चाहिए। खूब पानी पिएं। कैफीन युक्त पेय पदार्थों के सेवन करने से बचें, क्योंकि कैफीन से आपका शरीर नियमित रूप से मल त्यागने के लिए आवश्यक द्रवों को नष्ट कर देता है। इसके अलावा हल्के व्यायाम को शामिल करें।

बवासीर

लगभग 50 प्रतिशत गर्भवती में बवासीर की समस्या देखने को मिलती है- जिसमें मलाशय में सूजन और उभड़ी हुई नसों की समस्या, आमतौर पर प्रसव के बाद बेहतर हो जाती है। गर्भावस्था के दौरान गर्भाशय के विस्तार से मलाशय नसों पर अधिक दबाव पड़ने से बवासीर की समस्या होने लगती है। इस समस्या के चलते खुजली और खून बहने के साथ लंबे समय तक बैठने पर असहज महसूस होता है।

बालों के टेक्सचर में बदलाव

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के बालों की ग्रोथ के साथ-साथ उनके टेक्सचर में भी काफी बदलाव दिखता हैं। यह सब गर्भावस्था के दौरान महिलाओं मे आए हॉर्मोनल बदलाव के कारण होता है, इसको एस्ट्रोजन नामक हॉर्मोन प्रभावित करता है। जिसके बढ़ने से बाल अधिक घने और चमकदार होने लगते हैं। बच्चे को जन्म देने के बाद ये साइकल सामान्य हो जाते हैं। लेकिन डिलीवरी के बाद कई महिलाओं को हेयर फॉल की शिकायत रहती है। क्योंकि ऐसे मे पहले ही बढ़े हुए बालों का बढ़ना रुक जाता है और वह सब एक साथ गिरने लगते हैं।

सुनाई कम देना

गर्भावस्था हार्मोन कभी-कभी अस्थायी सुनवाई हानि या टिनिटस (कान में घंटी जैसा बजना) का कारण भी बनता है। कुछ गर्भवती महिलाओं, विशेष रूप से एलर्जी से ग्रस्त महिलाओं में साइनस की समस्या अधिक देखने को मिलती है। भीतरी कान में तरल पदार्थ के साथ नम और संचार प्रणाली के साथ जुड़े होने के कारण, गर्भावस्था में रक्त की मात्रा के बढ़ने पर महिलाओं के कंबुकर्णी नली को प्रभावित कर, कान के अवरुद्ध होने की भावना पैदा करता है। चाहे आप गर्भवती है या नहीं, लेकिन ठंड जैसे वायरस के पकड़ने पर समस्या दूर होने तक अस्थायी रूप से आपको कम सुनाई देता है।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

क्या जूनियर एनटीआर की फिल्म में विलेन बनेंगे शाहिद?

शाहिद कपूर के फैंस के लिए एक खुशखबरी है। शाहिद ने अपनी सुपरहिट वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन को लेकर कई अहम जानकारी साझा की है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि यह सीरीज कब रिलीज होगी। शाहिद ने इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ लाइव बातचीत की। इस दौरान उन्होंने 'फर्जी 2' को लेकर कई अहम जानकारी दी। शाहिद ने बताया कि 'फर्जी' के दूसरे सीजन का काम लगभग पूरा हो चुका है और यह सीरीज अगले साल रिलीज हो सकती है। इस साल मार्च में शाहिद ने शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी थी। इससे पहले फरवरी में उन्होंने निर्देशक जोड़ी 'राज और डीके' के साथ एक फोटो शेयर कर लिखा, 'यह लोग फिर से सक्रिय हो गए हैं।' मेकर्स ने भी सोशल मीडिया पर नोटों के ढेर की तस्वीर शेयर कर 'दूसरे राउंड' की पुष्टि की थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शाहिद कपूर जल्द ही साउथ सिनेमा में कदम रख सकते हैं। चर्चा है कि वे जूनियर एनटीआर की आने वाली फिल्म 'ड्रैगन' में खलनायक की भूमिका निभा सकते हैं। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर डायरेक्टर प्रशांत नील कर रहे हैं। पहले इस रोल के लिए साउथ स्टार टोविनो थॉमस से बात चल रही थी, लेकिन उनके हटने के बाद अब मेकर्स शाहिद कपूर से बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक इस बात की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

'लॉक अप' के नए सीजन में कंगना रनौत के न होने पर बोलीं एकता कपूर

टीवी और ओटीटी की दुनिया में एकता कपूर की अपनी अलग ही पहचान है। इन दिनों वह अपने लोकप्रिय रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' के नए सीजन को लेकर चर्चा में है। इस बार शो में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि पहले सीजन को होस्ट करने वाली अभिनेत्री कंगना रनौत इस बार शो का हिस्सा नहीं होंगी। इसी को लेकर एकता कपूर ने खुलकर अपनी बात रखी और बताया कि आखिर ऐसा क्यों हुआ। मुंबई में हुए शो के लॉन्च इवेंट के दौरान एकता कपूर ने कंगना रनौत के न होने से जुड़े सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा, ''इस बार शो का पूरा फॉर्मेट और विजन बदल दिया गया है। जब शो की पूरी दिशा ही बदल रही है, तो पुराने सेटअप को आगे ले जाना संभव नहीं था। इस बार शो को एक नए तरीके से पेश करने की कोशिश की गई है, ताकि दर्शकों को एक नया अनुभव मिल सके।''

एकता कपूर ने कहा, ''पहले शो का कॉन्सेप्ट जेलर और होस्ट वाला था, लेकिन अब यह पूरी तरह से बदल दिया गया है। अब न तो पहले जैसा जेलर सिस्टम है और न ही होस्ट की पुरानी भूमिका। शो को नए रूप में लाने के लिए जरूरी था कि हर पुरानी चीज को हटाकर एक नई शुरुआत की जाए। इस बार शो का डिजाइन और प्रस्तुति दोनों में बड़ा बदलाव किया गया है। अगर पुराने फॉर्मेट को ही बनाए रखा जाता, तो नए सीजन की ताजगी और नया अनुभव दर्शकों तक नहीं पहुंच पाता।'' गौरतलब है कि पहले सीजन में कंगना रनौत ने शो को होस्ट किया था, जबकि अभिनेता करण कुंद्रा को जेलर की भूमिका में देखा गया था। इस सीजन के विजेता कमीडियन मुनव्वर फारुकी बने थे। शो का कॉन्सेप्ट जेल-स्टाइल सेटअप पर आधारित था, जहां कंटेस्टेंट्स को अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए टास्क पूरे करने होते थे। नए सीजन की बात करें, तो इस बार शो में 14 कंटेस्टेंट्स होंगे, जिनके साथ दो जेलर भी शामिल किए जाएंगे। शो की अवधि भी तय कर दी गई है और यह लगभग 6 हफ्तों तक चलेगा। नियमों के अनुसार, कंटेस्टेंट्स को इस बार भी अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए टास्क पूरे करने होंगे और उसी के आधार पर उन्हें इन-शो करेंसी और सुविधाएं मिलेंगी। नए सीजन के लिए कई नए नामों की भी घोषणा की गई है। इस बार अभिनेता राम कपूर, अभिनेत्री शिवांगी जोशी और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी पामेला सेरेना जैसे चेहरे कंटेस्टेंट के रूप में नजर आएंगे। इसके अलावा इस बार शो में जेलर की भूमिका रितेश देशमुख और फराह खान निभाएंगे। यह शो ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा।

'बिलेनियर' में विजय माल्या से प्रेरित होगा अर्जुन रामपाल का किरदार

अभिनेता अर्जुन रामपाल वेब सीरीज 'बिलेनियर' को लेकर चर्चा में हैं। सीरीज की घोषणा के बाद से यह कयास लगाए जा रहे थे कि इसमें उनका किरदार कारोबारी विजय माल्या या ललित मोदी से प्रेरित हो सकता है। अब सीरीज की मेकर प्रभलीन संधू ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। प्रभलीन संधू ने बताया कि वह 'बिलेनियर' का निर्माण कर रही हैं, जबकि इसका निर्देशन हंसल मेहता और रॉबी ग्रेवाल मिलकर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अर्जुन रामपाल का किरदार कुछ हद तक विजय माल्या से प्रेरित है, लेकिन यह पूरी तरह उनके जीवन पर बेस्ड नहीं है। प्रभलीन ने अर्जुन रामपाल के साथ काम करने को लेकर खुशी भी जताई।

उन्होंने कहा कि हालिया सफलता के बाद उनका प्रदर्शन काफी प्रभावशाली रहा है और पूरी टीम उनके साथ काम करके उत्साहित है। फिल्म का निर्माण ऑलमाइटी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले किया जा रहा है। इसकी पटकथा अनुभव चोपड़ा और शांतनु सागर ने लिखी है।

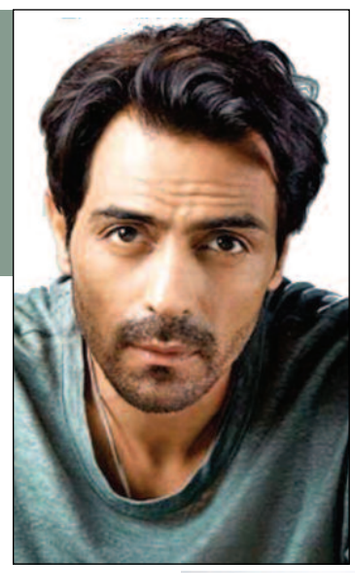

वेदांग रैना की नई फिल्म में प्रगति श्रीवास्तव की एंट्री

बॉलीवुड में इन दिनों नई जोड़ियों और नई कहानियों को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी बीच अभिनेता वेदांग रैना की आने वाली फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। अब तक चर्चा थी कि इस फिल्म में वेदांग के साथ नाओमिका सरन नजर आएंगी, लेकिन अब खबर है कि फिल्म में एक और अभिनेत्री प्रगति श्रीवास्तव की भी एंट्री हो गई है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म रोमांस, कॉमेडी और रहस्य से भरपूर होगी और इसकी कहानी में दोनों अभिनेत्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। जानकारी के मुताबिक, फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स कर रहा है। वहीं निर्देशन की जिम्मेदारी जगदीप सिद्धू पर हैं। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि इसमें एक दिलचस्प प्रेम कहानी देखने को मिलेगी, जिसमें कई रोमांचक मोड़ होंगे। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने आईएएनएस को बताया, प्रगति श्रीवास्तव का किरदार फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि फिल्म में वेदांग रैना के किरदार की जिंदगी में दो अलग-अलग प्रेम संबंध देखने को मिलेंगे। एक ओर नाओमिका सरन का किरदार होगा और दूसरी ओर प्रगति श्रीवास्तव का। ऐसे में फिल्म की कहानी को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ रही है।

फैमिली एंटरटेनर फिल्म होगी खुशाली कुमार की 'दुल्हनिया ले आएगी'

अभिनेत्री खुशाली कुमार की आगामी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का फर्स्ट लुक पोस्टर आज जारी कर दिया गया है। इस पोस्टर में खुशाली कुमारी सजी-धजी दुल्हन के जोड़े में नजर आ रही हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है। मेकर्स की ओर से जारी किए गए फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में खुशाली कुमार दिखाई दे रही हैं। इस फर्स्ट लुक में खुशाली कुमार लाल रंग के लहंगे में नजर आ रही हैं। दुल्हन की तरह सजी-धजी खुशाली सिर पर मांग टीका और हाथों में चूड़ा पहने हुए हैं। इसके साथ ही वो आंखों पर काला चश्मा भी लगाए हुए हैं। इस पोस्टर में खुशाली पगड़ियों के ढेर के ऊपर लेटी हुई हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। 'दुल्हनिया ले आएगी' 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पीयूष मिश्रा और महेश मांजरेकर भी निभाएंगे अहम भूमिकाएं

इस फिल्म में खुशाली कुमार के अलावा पीयूष मिश्रा और महेश मांजरेकर जैसे मंझे हुए कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन आकाशदित्य लामा ने किया है, जो दिग्गज निर्देशक प्रियदर्शन के असिस्टेंट भी रह चुके हैं। यही कारण है कि कुछ दिन पहले प्रियदर्शन ने भी इस फिल्म को प्रमोट किया था। जबकि फिल्म का निर्माण सिद्धार्थ बनर्जी, आकाशदित्य लामा और विकास अग्रवाल ने किया है। मेकर्स ने अभी तक फिल्म की कहानी को लेकर ज्यादा खुलासे नहीं किए हैं। हालांकि, फिल्म के टाइटल और शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि यह एक पारिवारिक ड्रामा होगी। इसमें रिश्तों, त्योहारों, शादी के जश्न और अचानक पैदा होने वाली मजेदार परिस्थितियों को दिखाया जाएगा। यह फिल्म हर उम्र के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है, जिसमें हल्के-फुल्के मनोरंजन के साथ-साथ इमोशनल पल भी होंगे।

कल्चर बुलिंग का ही रूप है बॉलिवुड बैन

इंडस्ट्री में तकरीबन दो दशक का समय बिता चुकी कंगना करियर और निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ावों से गुजरीं, मगर एक अभिनेत्री और राजनेता के रूप में उन्होंने हमेशा लोगों का प्यार पाया। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म भारत भाग्य विधाता से। यहां वे हमेशा की तरह कई मुद्दों पर खुलकर बातें करती हैं।

ऐसा साथी चाहती हूं, जो मुझे उपलब्धि की तरह देखे

सोशल मीडिया पर कंगना रनौत के मंगलसूत्र वाले लुक के बाद उनकी शादी को लेकर खूब अटकलें लगी थीं, हालांकि बाद में स्पष्ट हुआ कि वह उनकी फिल्म का हिस्सा था। जब हमने उनसे शादी और जीवनसाथी को लेकर सवाल किया, तो वे ठहाका लगाते हुए बोलीं, 'मुझे पता था कि यह सवाल जरूर आएगा। आपने तीन-चार साल पहले भी मुझसे पूछा था कि वह कौन-सा धुरंधर होगा जिससे मैं शादी करूंगी। वैसे 'धुरंधर' शब्द मैंने पहली बार आपसे ही सुना था।' शादी को लेकर कंगना का नजरिया बेहद स्पष्ट है। वह कहती हैं, 'मेरा विवाह संस्था में गहरा विश्वास है, लेकिन मेरा मानना है कि हर व्यक्ति की अपनी एक टाइमिंग होती है।'

इंसान चीजें पीछे छोड़ देता है

कंगना ने कहा, 'जब मैं छोटी थी, तब मेरी मां पूछती थीं कि आखिर मैं करियर के पीछे इतनी क्यों भाग रही हूं। मेरे लिए यह सिर्फ आर्थिक आत्मनिर्भरता का सवाल नहीं था। मुझे लगता था कि मेरी ग्रोथ ऐसी होगी कि शायद किसी के साथ एडजस्ट करना मुश्किल हो जाए। लेकिन अब मुझे लगता है कि जो भी मेरी जिंदगी में आए, वह मुझ पर गर्व करे। उम्र के एक मुकाम पर पहुंचकर इंसान बहुत-सी चीजों को पीछे छोड़ देता है और फिर अपने सुकून और कंफर्ट को महत्व देने लगता है। आज मैं ऐसा जीवनसाथी चाहती हूं, जो मेरे कंफर्ट जोन को समझे और मुझे एक उपलब्धि की तरह देखे।'

बॉलिवुड बैन कल्चर बुलिंग का ही रूप है

हाल ही में रणवीर सिंह को मिले नॉन-कॉपरेटिव नोटिस के मुद्दे पर उनका समर्थन करने वाली कंगना रनौत ने बॉलिवुड के 'बैन कल्चर' पर भी बेबाक राय रखी। उन्होंने कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री में गुटबाजी पहले भी थी, लेकिन अब यह खुलकर सामने आने लगी है। कई कलाकार इस पर बात कर चुके हैं। ऐश्वर्या राय ने भी कहा था कि एक समय उनकी पांच साल की डायरी अचानक खाली हो गई थी। ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां कलाकारों ने अपने साथ हुए ग्रुपिज्म और बहिष्कार का जिक्र किया है।' कंगना ने आगे कहा, 'ग्रुपिज्म हर जगह होता है, लेकिन जब यह किसी के करियर को प्रभावित करने लगे तो यह बुलिंग का रूप ले लेता है। जिस तरह स्कूलों में बुलिंग के खिलाफ नियम होते हैं, उसी तरह इंडस्ट्री में भी ऐसी प्रवृत्तियों पर रोक लगनी चाहिए।'

महिलाओं को सेक्सुअलिटी के दायरे में देखा जाता है

वह आगे कहती हैं, 'सबसे हैरानी की बात यह है कि महिलाओं को लगातार उनकी सेक्सुअलिटी के दायरे में ही देखा जाता है। उनकी उम्र का भी लिहाज नहीं किया जाता। 60 या 70 साल की महिला के खिलाफ भी अपमानजनक और यौन संकेतों वाले मीम्स का इस्तेमाल किया जाता है। यह सिर्फ हमारे देश में नहीं, बल्कि उन देशों में भी होता है जिन्हें हम अधिक खुले और प्रगतिशील समाज मानते हैं।' महिलाओं के पहनावे और व्यक्तित्व को लेकर बनने वाली धारणाओं पर भी कंगना सवाल उठाती हैं। वह कहती हैं, 'अगर कोई महिला अच्छा दिखना चाहती है, सजती-संवरती है, तो उसके बारे में तरह-तरह की बातें बनाई जाती हैं। लोग यह मान लेते हैं कि वह सिर्फ पुरुषों का ध्यान आकर्षित करने के लिए ऐसा कर रही है। मैंने यह सोच लगभग हर समाज में देखी है। किसी के सजने-संवरने या आत्मविश्वास के साथ खुद को प्रस्तुत करने को उसके चरित्र से जोड़ना बेहद गलत है। दुर्भाग्य से ऐसा आज भी होता है और इसमें बदलाव आना चाहिए।'

संक्षिप्त समाचार

ब्रिटेन में तेलंगाना के युवा की संदिग्ध मौत, बर्थडे पार्टी में गया था ; परिवार ने शव भारत लाने की अपील की

लंदन, एजेंसी। तेलंगाना के कामारेड्डी जिले के 25 साल के श्रीनाथ रेड्डी की ब्रिटेन में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। वह करीब 14 महीने पहले मास्टर्स की पढ़ाई के लिए लंदन गए थे और लीसेस्टर की डी मॉन्टफोर्ट यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे थे। परिवार के मुताबिक, 22 जून की रात श्रीनाथ ने घर पर बात की थी और सब कुछ सामान्य था। इसके बाद वह एक बर्थडे पार्टी में गए थे। अगले दिन 23 जून की सुबह उनके रूममेट ने उन्हें मृत पाया। रूममेट ने दोस्तों को बताया कि श्रीनाथ ने कथित तौर पर आत्महत्या की है। हालांकि, मौत की वजह को लेकर अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। श्रीनाथ के पिता मधुसूदन रेड्डी ने केंद्र और तेलंगाना सरकार से बेटे का शव जल्द भारत लाने में मदद की अपील की है। वहीं, ब्रिटेन की ओर से अब तक मामले पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

नाइजीरिया में बंदूकधारियों का गांव पर हमला, 15 की मौत

अबूजा, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम नाइजीरिया के एक कृषि समुदाय पर बंदूकधारियों ने हमला कर दिया, जिसमें 15 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। यह हमला शुक्रवार को हिंसा प्रभावित जमफारा राज्य के तलाता माफारा इलाके में हुआ। इस क्षेत्र में पहले भी कई बार हिंसा हो चुकी है। अब तक किसी भी समूह ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। राष्ट्रीय स्तर पर इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसद अब्दुलअजीज यारी ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में इस हमले को 'आतंकी हमला' बताया। इलाके के स्थानीय प्रशासन के प्रमुख याहया यारी शुक्रवार शाम पीड़ितों के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। वायरल वीडियो में उन्होंने भावुक होकर राष्ट्रपति बोला टीनुबू और क्षेत्र से आने वाले उप रक्षा मंत्री से हस्तक्षेप कर हत्याओं का सिलसिला रोकने की अपील की।

यूरोप : बोस्निया और हर्जेगोविना में देशभर में गर्मी का अलर्ट, जंगलों में आग जारी

सारायेवो, एजेंसी। बोस्निया और हर्जेगोविना ने शनिवार को पूरे देश में ऑरेंज हीट अलर्ट जारी किया। अगले कुछ दिनों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है। वहीं, गर्म और शुष्क मौसम के कारण लगी कई आग पर काबू पाने के लिए दमकल कर्मी लगातार काम कर रहे हैं। देश के जल एवं मौसम विज्ञान संस्थान ने बताया कि ऑरेंज अलर्ट 27 जून से 30 जून तक प्रभावी रहेगा। हर दिन सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक सबसे ज्यादा खतरा रहने की चेतावनी दी गई है। इस दौरान अधिकतम तापमान 33 से 40 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। संस्थान ने लोगों, खासकर बुजुर्गों, छोटे बच्चों और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों से लंबे समय तक बाहर न रहने, पर्याप्त पानी पीने और स्वास्थ्य व आपातकालीन अधिकारियों की सलाह का पालन करने की अपील की है।

अगले साल के शुरू में भारत का दौरा करेंगे ट्रंप : रूबियो

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले साल के शुरू में भारत का दौरा कर सकते हैं। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने यह जानकारी दी। साथ ही बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप की यात्रा तैयारियों के सिलसिले में वह खुद इसी साल भारत दौरा कर सकते हैं। रूबियो ने एक इंटरव्यू में कहा, हम कोशिश कर रहे हैं कि अगले साल की शुरुआत में किसी समय राष्ट्रपति ट्रंप भारत का दौरा करें। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस में जी-7 शिखर सम्मेलन के इतर राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात की थी। भारत पिछले कई महीनों से ट्रंप के भारत दौरे के लिए जोर दे रहा है। बहुत संभव है कि यह दौरा जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ होने वाली एक साझा बैठक का हिस्सा हो। पिछले एक साल में भारत और अमेरिका के रिश्ते काफी उतार-चढ़ाव भरे रहे हैं। रिश्तों को सुधारने के मकसद से रूबियो ने पिछले महीने भारत का दौरा किया था। लेकिन वाणिज्यिक जहाज अमेरिकी नौसेना के हमलों में तीन भारतीय नाविकों के मारे जाने से दोनों देशों के रिश्तों में फिर से कड़वाहट आ गई है।

अर्जेंटीना में सियासी भूचाल : भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच राष्ट्रपति के सहयोगी का इस्तीफा, सरकार को लगा झटका

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली के कैबिनेट चीफ और करीबी सहयोगी मैनुअल एडोर्नी ने शनिवार को इस्तीफा दे दिया। यह इस्तीफा एक ऐसे भ्रष्टाचार मामले के बाद आया है जिसने लिबर्टेरियन सरकार को हिलाकर रख दिया है और राजनीतिक व्यवस्था में फैले भ्रष्टाचार को खत्म करने के उनके प्रमुख चुनावी वादे को भी कमजोर कर दिया है। एडोर्नी का इस्तीफा राष्ट्रपति माइली के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। वे उनके सबसे भरोसेमंद और पुराने सहयोगियों में शामिल रहे हैं।

वेनेजुएला में फिर 5.6 तीव्रता का भूकंप:अब तक 1430 मौतें, 3300 लोग घायल; 72 घंटे बाद 68 हजार लोग अब भी लापता

कराकस, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में रविवार को फिर 5.6 तीव्रता का भूकंप आया। यूरो-मेडिटेरेनियन सीस्मोलॉजिकल सेंटर के मुताबिक भूकंप का केंद्र अरागुआ तट के पास समुद्र में 30 किलोमीटर की गहराई में था। यह भूकंप 24 जून को आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली भूकंपों के बाद शनिवार को 4.9 तीव्रता का भूकंप आया था। वेनेजुएला में अब तक 1430 लोगों की मौत हो चुकी है। साथ ही 3300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक, भूकंप के 72 घंटे बाद करीब 68,900 लोग अब भी लापता हैं और मलबे में फंसे लोगों की तलाश की जा रही है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि भूकंप के बाद शुरू के 48 से 72 घंटे ही सबसे जरूरी होते है। इस समय लोगों को बचाने की उम्मीद ज्यादा रहती है। कई इलाकों में राहत टीमों की कमी के कारण लोग परिजन को ढूंढने के लिए खुद मलबा हटा रहे हैं। कई परिवार हथौड़ों और दूसरे औजारों से इमारतों का मलबा हटाकर अपने परिजन की तलाश कर रहे हैं।

रविवार सुबह फिर कांपी धरती : वेनेजुएला के लोग अभी बुधवार की तबाही से उबरे भी नहीं थे कि रविवार सुबह फिर से तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 5.6 मापी गई है। इसका केंद्र एल लिमोन शहर से लगभग 30 किमी उत्तर-पूर्व में था। इससे पहले शनिवार को भी 4.1 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसने लोगों को घरों से बाहर भागने पर मजबूर कर दिया। स्थानीय प्रशासन ने चेतावनी दी है कि आने वाले दिनों में और भी आफ्टरशॉक्स आ सकते हैं, जिससे कमजोर हो चुकी इमारतें गिर सकती हैं।

मलबे में अपनों की तलाश : तबाही का सबसे खौफनाक मंजर 'ला-गुएरा' इलाके में दिख रहा है, जहां सैकड़ों इमारतें जमींदोज हो चुकी हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो दिल दहला देने वाले हैं, जिनमें एक बुजुर्ग मां अपने हाथ से मलबा हटाकर अपने बेटे को तलाश रही है। हजारों लोग बेघर हो चुके हैं और अस्पतालों में घायलों के पैर रखने की जगह नहीं है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि भारी मशीनरी और सरकारी मदद की कमी के कारण बचाव कार्य में देरी हो रही है।

मदद को आगे आए कई देश : संयुक्त राष्ट्र के अनुमान के मुताबिक, इस आपदा से वेनेजुएला को करीब 6.7 अरब अमेरिकी डॉलर का आर्थिक नुकसान हुआ है। आपदा की गंभीरता को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय मदद के लिए आगे आया है। शनिवार को करीब 1,600 विदेशी बचावकर्मी वेनेजुएला पहुंचे और जल्द ही 10 अन्य देशों की टीमें भी इस मिशन में शामिल होने वाली हैं। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रभावित क्षेत्रों में 14,000 सैन्य और पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया है।

क्या 10,000 पार होगी मृतकों की संख्या : अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट ने पूरी दुनिया को डरा दिया है। स्लस् के मुताबिक, जिस तरह की तबाही हुई है, उसे देखते हुए मृतकों की संख्या 10,000 के पार जा सकती है। यदि ऐसा होता है, तो यह पिछले एक सदी में लैटिन अमेरिका की सबसे बड़ी मानवीय त्रासदियों में से एक होगी। देश में भ्रष्टाचार की खबरों ने भी इस आपदा के प्रभाव को और अधिक भयावह बना दिया है, जिससे राहत कार्यों में पारदर्शिता पर सवाल उठ रहे हैं।

वेनेजुएला के लिए भारत ने चलाया 'ऑपरेशन अमिस्ताद : भारत ने शुक्रवार को वेनेजुएला की मदद के लिए 'ऑपरेशन अमिस्ताद' शुरू किया है। 'अमिस्ताद' एक स्पेनिश शब्द है जिसका मतलब 'दोस्ती' होता है। वेनेजुएला की आधिकारिक भाषा स्पेनिश ही है। इस ऑपरेशन का मकसद भूकंप प्रभावित इलाकों में जल्द से जल्द मदद पहुंचाना और घायलों का इलाज कराना है।

भारतीय वायुसेना के दो सी-17 ग्लोबमास्टर विमानों के जरिए करीब 35 टन राहत सामग्री भेजी गई है। इसमें जरूरी दवाइयां, मेडिकल इक्विपमेंट और राहत सामग्री शामिल हैं, जिनसे कम समय में अस्थायी इलाज सुविधाएं तैयार की जा सकती हैं। भारत ने 60 पैरा फील्ड हॉस्पिटल यूनिट की 41 सदस्यीय मेडिकल टीम भी वेनेजुएला भेजी है। इसमें डॉक्टर, नर्स और मेडिकल एक्सपर्ट शामिल हैं। यह टीम वहां घायलों का इलाज करेगी और जरूरत पड़ने पर अस्थायी अस्पताल भी बनाएगी, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों को तुरंत इलाज मिल सके।

पाकिस्तान के कराची में पैरामिलिट्री हेडक्वार्टर पर टेरर अटैक, 4 जवान समेत 10 की मौत

कराची, एजेंसी। कराची के गुलिस्तान-ए-जौहर इलाके में शनिवार को पाकिस्तान के सिंध रेंजर्स के लोकल हेडक्वार्टर पर हुए हमले में चार पैरामिलिट्री के जवान और छह आतंकवादी मारे गए. एक आतंकी को जिंदा पकड़ लिया गया. सिंध पुलिस चीफ ने डॉन को बताया. सिंध के इंस्पेक्टर जनरल जावेद आलम ओधो ने कहा कि आतंकवादियों ने अपनी गाड़ी से मेन गेट को टक्कर मारी थी और शुरू में वे यह कन्फर्म नहीं कर सके कि कोई ब्लास्ट भी हुआ था या नहीं. डॉन के मुताबिक ओधो ने आगे कहा कि एक 'सफाई अभियान' चल रहा था और इलाके को स्पेशल सिक्योरिटी यूनिट के कमांडो, एंटी-टेररिस्ट फोर्स और रेंजर्स के जवानों ने सील कर दिया था. पुलिस सर्जन सुम्मैया सैयद ने डॉन को बताया कि एक घायल पैरामिलिट्री ट्रूपर को पैर में गोली लगने के बाद हॉस्पिटल लाया गया. डॉन के मुताबिक इससे पहले इलाके में भारी फायरिंग और धमाके की खबर मिलने के बाद पुलिस वाले घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस ने पूरे इलाके को सील कर दिया था. रेस्क्यू 1122 सिंध ने कहा कि उसे गुलिस्तान-ए-जौहर ब्लॉक 5 के पास धमाके की खबर मिली थी और उसने तुरंत अपने सेंट्रल कमांड और कंट्रोल सेंटर से टीमों को मौके पर भेज दिया. अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक जमात-उल-अहरार से जुड़े एक ग्रुप ने, जो तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान का एक अलग हथियारबंद ग्रुप ने शनिवार देर रात हमले की जिम्मेदारी ली. इसे पाकिस्तानी तालिबान भी कहा जाता है. ग्रुप ने कहा कि हमले में नौ हमलावर शामिल थे. अल जजीरा के मुताबिक यह तब हुआ है जब पाकिस्तान के सिक्योरिटी फोर्स को पूरे देश में निशाना बनाया जा रहा है. इससे पहले 7 फरवरी को पाकिस्तान में अमेरिकी दूतावास ने इस्लामाबाद के बाहरी इलाके तरलाई कलां इलाके में एक शिया मस्जिद में सुसाइड बॉम्बिंग की रिपोर्ट के बाद अमेरिकी नागरिकों के लिए सिक्योरिटी अलर्ट जारी किया था. रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि शुक्रवार की नमाज के दौरान इस्लामाबाद में एक इमामबाड़ा में हुए सुसाइड बॉम्बिंग में कम से कम 31 लोग मारे गए और 169 घायल हुए।

लेबनान के राष्ट्रपति औन ने ट्रंप से फोन पर की बात, इजरायल के साथ फ्रेमवर्क एग्रीमेंट लागू करने का किया वादा

बेरूत, एजेंसी। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने शनिवार देर रात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ फोन पर बातचीत की। इस दौरान राष्ट्रपति औन ने वादा किया कि लेबनान और इजरायल के बीच अमेरिका की मध्यस्थता वाले फ्रेमवर्क समझौते को लागू करने में लेबनान सरकार अपनी जिम्मेदारी निभाएगी। यह बात लेबनानी राष्ट्रपति कार्यालय की ओर से जारी बयान में कही गई।

औन ने यह भी उम्मीद जताई कि अमेरिका समझौते के उल्लंघन को रोकने में मदद करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि डील के तहत किए गए सभी वादे पूरे हों, खासकर इजरायल पर दक्षिणी लेबनान में अपने कब्जे वाले इलाकों से हटने का दबाव डालकर, ताकि लेबनानी सेना को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त बॉर्डर तक तैनात किया जा सके। न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, ट्रंप ने लेबनान और उसके लोगों के लिए वाशिंगटन के समर्थन को फिर से दोहराया और डील को लागू करने और देश में सुरक्षा और स्थिरता बहाल करने की दिशा में काम करने का वादा किया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि वॉशिंगटन लेबनान की संप्रभुता, आजादी और क्षेत्रीय अखंडता का समर्थन करेगा, साथ ही देश के पूरे इलाके में अपनी आर्म्ड फोर्स के जरिए स्टेट अथॉरिटी के एक्सटेंशन का भी समर्थन करेगा। फोन के आखिर में, राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह जल्द ही वाशिंगटन में औन से मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

शुक्रवार को, अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो ने कहा कि इजरायल और लेबनान हमेशा चलने वाली शांति और सुरक्षा के लिए एक फ्रेमवर्क एग्रीमेंट पर पहुंच गए हैं। वाशिंगटन, डीसी में राजदूत स्तर की बातचीत के नए राउंड के आखिर में हस्ताक्षर किए गए इस समझौते में दोनों देशों के बीच एक सीजफायर को फिर से लागू करने की बात कही गई। अमेरिका की मीडिएशन और समर्थन से लेबनान की संप्रभु सरकार और बेशक इजरायली सरकार के बीच एक फ्रेमवर्क समझौता, पक्की शांति और सुरक्षा के लिए एक फ्रेमवर्क बनाएगा। ' इस फ्रेमवर्क का मकसद लेबनान की संप्रभुता को वापस लाना, हिज्बुल्लाह के सैन्य ढांचे को खत्म करना और सुरक्षा के खतरे खत्म होने के बाद इजरायली सेना को अपनी सीमाओं पर लौटने में मदद करना है।

कुवैत से बहरीन तक तबाही ! ईरान का अमेरिकी बेस पर भीषण हमला, 8 सैन्य ठिकानों को मिसाइलों से किया राख

बहरीन , एजेंसी। ईरान की रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स ने रविवार को यह दावा किया कि उसने कुवैत और बहरीन में स्थित अमेरिका के आठ प्रमुख सैन्य ठिकानों पर भीषण मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। ईरान का कहना है कि यह कार्रवाई अमेरिका द्वारा उसकी पांच तटीय चौकियों पर किए गए हमलों का 'निर्णायक जवाब' है। इन हमलों के बाद पूरे खाड़ी क्षेत्र में महायुद्ध की आहट तेज हो गई है।

रात के अंधेरे में हुआ भीषण हमला : यह बड़ा सैन्य ऑपरेशन रविवार रात करीब 2:00 बजे से 3:00 बजे के बीच अंजाम दिया गया। इस ऑपरेशन में ईरान की नौसेना और एयरोस्पेस फोर्स ने संयुक्त रूप से हमला किया। ईरान ने विशेष रूप से कुवैत में स्थित अली अल सलेम एयरबेस और बहरीन में मौजूद अमेरिका के पांचवें बेड़े के मुख्यालय को अपना मुख्य निशाना बनाया। बैलिस्टिक मिसाइलों और सुसाइड ड्रोन के जरिए किए गए इन हमलों में ठिकानों को भारी क्षति पहुंचने का दावा किया गया है।

ईरान ने इस हमले को जवाबी कार्रवाई बताया है। उसका कहना है कि अमेरिकी सेना ने पहले ईरान की सीमा में मौजूद 5 तटीय चौकियों पर हमला किया था। अमेरिका ने इन हमलों के लिए एक 'संदिग्ध जहाज' को रोकने की कार्रवाई का बहाना बनाया था। ईरान का आरोप है कि अमेरिका लगातार उस सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है जिसकी घोषणा खुद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने की थी। रिपोर्ट के अनुसार, ईरान ने अब तक अमेरिकी आक्रामकता के जवाब में 100 से अधिक बार जवाबी कार्रवाई की है।

IRGC ने साफ चेतावनी दी है कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से होने वाली सभी शिपिंग और सुरक्षा की जिम्मेदारी अब केवल ईरान की है। यह कदम पाकिस्तान की मध्यस्थता से हुए एक हालिया समझौते के तहत उठाया गया है, जो ईरान और अमेरिका के बीच हुआ था। ईरान ने कड़े शब्दों में कहा है कि अगर कोई भी जहाज नियमों का उल्लंघन करेगा, तो उससे भविष्य में और भी कठोरता से निपटा जाएगा। यह विवाद शुक्रवार को उस समय शुरू हुआ था जब ईरान की नौसेना ने एक व्यापारिक जहाज पर चेतावनी के तौर पर फायरिंग की थी।

ट्रंप ने दिया अल्टीमेटम : ईरानी हमले से ठीक पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को कड़ा अल्टीमेटम देते हुए कहा था कि 'सीजफायर तोड़ा तो ईरान का अस्तित्व खत्म हो जाएगा'। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने स्वीकार किया है कि उन्होंने एक तेल टैंकर पर हुए हमले के जवाब में ईरान के भीतर कुछ सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। ईरानी मीडिया के अनुसार, हॉर्मोज़गान प्रांत के सिरिक इलाके में एक टेलीकॉम टावर पर धमाका हुआ है और केशम द्वीप पर भी संदिग्ध विस्फोटों की खबरें हैं।

इजरायल-लेबनान फ्रेमवर्क एग्रीमेंट से शांति समझौते का रास्ता होगा साफ : पीएम नेतन्याहू

यरूशलम, एजेंसी। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिका की मध्यस्थता से शुक्रवार को इजरायल और लेबनान के बीच हस्ताक्षर किया गया फ्रेमवर्क समझौता, संघर्ष को खत्म करने और दोनों देशों के बीच शांति समझौते तक पहुंचने का रास्ता बनाता है। शनिवार को येरुशलम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीएम नेतन्याहू ने कहा कि 'यह समझौता इजरायल और लेबनान को मजबूत करता है और ईरान और हिज्बुल्लाह को कमजोर करता है। यह आने वाली चीजों का संकेत है।' न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, पीएम नेतन्याहू ने आगे कहा कि समझौते के तहत, अमेरिका और लेबनान इजरायल के दक्षिणी लेबनान में सुरक्षा

जोन बनाए रखने के अधिकार को मान्यता देते हैं, जब तक यह इजरायल की सुरक्षा के लिए जरूरी है।

उन्होंने कहा कि इजरायली सेना तब तक सुरक्षा जोन पर कब्जा बनाए रखेगी जब तक हिज्बुल्लाह और दूसरे आतंकी संगठन हथियार नहीं छोड़ देते। नेतन्याहू ने कहा कि फ्रेमवर्क एग्रीमेंट में सुरक्षा जोन की उत्तरी सीमा के पास दो इलाके शामिल हैं, जिनकी सलाह इजरायली सेना ने दी है, जहां हिज्बुल्लाह को खत्म करने और इलाके को लेबनानी सेना के कंट्रोल में देने के लिए एक पायलट प्रोग्राम शुरू किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि युद्ध शुरू होने के बाद से इजरायल ने 9,000 से ज्यादा हिज्बुल्लाह मिलिटेंट्स को मार गिराया और समूह के 150,000 मिसाइलों और रॉकेट के स्टॉक का लगभग 90 फीसदी नष्ट कर दिया है। शुक्रवार को, अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो ने कहा कि इजरायल और लेबनान हमेशा चलने वाली शांति और सुरक्षा के लिए एक फ्रेमवर्क एग्रीमेंट पर पहुंच गए हैं। वाशिंगटन, डीसी में राजदूत स्तर की बातचीत के नए राउंड के आखिर में साइन किए गए इस एग्रीमेंट में दोनों देशों के बीच एक नाजुक सीजफायर को फिर से लागू करने की बात कही गई। इस दौरान अमेरिकी विदेश सचिव रुबियो ने कहा, 'आज का दिन अच्छा है क्योंकि हमें यह ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि लेबनान की संप्रभु सरकार और इजरायल सरकार के बीच एक फ्रेमवर्क समझौता हुआ, जो पक्की शांति और सुरक्षा के लिए एक फ्रेमवर्क बनाना शुरू करता है। इस फ्रेमवर्क का मकसद लेबनान की संप्रभुता को वापस लाना, हिज्बुल्लाह के मिलिट्री इंफ्रास्ट्रक्चर को खत्म करना और सुरक्षा के खतरे खत्म होने के बाद इजरायली सेना को अपनी सीमाओं पर लौटने में मदद करना है।

कांगो में इबोला ने मचाई तबाही; संक्रमितों की संख्या 1200 पार, नहीं थम रहा मौतों का सिलसिला

किंशासा, एजेंसी। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो एक बार फिर जानलेवा इबोला वायरस की गिरफ्त में है। ताजा आधिकारिक रिपोर्टों के अनुसार, देश में इबोला संक्रमितों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है और यह आंकड़ा अब 1,200 के पार पहुंच गया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने पुष्टि की है कि अब तक कुल 1,203 लोग इस खतरनाक वायरस की चपेट में आ चुके हैं, जिनमें से 321 मरीजों ने अपनी जान गंवा दी है। यह स्थिति अफ्रीका के इस क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक गंभीर चुनौती बनकर उभरी है। देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक, स्थिति काफी चिंताजनक है। वर्तमान में 419 मरीज या तो आइसोलेशन में हैं या विभिन्न अस्पतालों में जीवन और मौत की लड़ाई लड़ रहे हैं। राहत की बात केवल इतनी है कि अब तक 148 मरीज इस बीमारी को मात देकर पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं। हालांकि, स्वास्थ्य अधिकारियों ने 265 संदिग्ध मामलों की भी पहचान की है, जिनमें से 77 लोगों की मौत हो चुकी है, जिससे वास्तविक मृत्यु दर और अधिक होने की आशंका है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने इस संकट पर गहरी चिंता व्यक्त की है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि जमीनी स्तर पर कॉन्टैक्ट ट्रेसिंग का काम युद्धस्तर पर जारी है। उन्होंने यह भी कहा कि कई मरीज ठीक होकर घर लौट रहे हैं, लेकिन उन्होंने आगाह किया कि इस महामारी के खिलाफ जंग अभी बहुत लंबी है। इलाके में जारी सशस्त्र संघर्ष और असुरक्षा की वजह से राहत और बचाव कार्यों की गति काफी धीमी हो गई है। इबोला के खिलाफ इस अभियान में केवल वायरस ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सुरक्षा संबंधी चुनौतियां भी दीवार बनकर खड़ी हैं। रिपोर्टों के अनुसार, स्थानीय समुदायों में भरोसे की कमी के कारण लोग पोस्ट-मॉर्टम परीक्षणों का विरोध कर रहे हैं। मौजूदा केंद्र लगभग पूरी तरह भर चुके हैं। इसके अलावा, दवाओं की कमी, संक्रमण रोकथाम सामग्री का अभाव और लगभग 20 नए आइसोलेशन केंद्रों की तत्काल आवश्यकता जैसे मुद्दे अभियान को कमजोर कर रहे हैं।

4 दिन में तीसरी बार भूकंप से हिला जापान, इवाते में 6.1 की तीव्रता से कांपी धरती; दहशत में लोग

टोक्यो, एजेंसी। जापान में कुदरत का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। रविवार सुबह एक बार फिर देश का उत्तरी हिस्सा शक्तिशाली भूकंप के झटकों से दहल उठा। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.1 मापी गई है। पिछले महज चार दिनों के भीतर जापान में आया यह तीसरा बड़ा और शक्तिशाली भूकंप है, जिसने वैज्ञानिकों और सरकार की चिंताओं को चरम पर पहुंचा दिया है। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इस ताजा भूकंप के बाद फिलहाल कोई सुनामी अलर्ट जारी नहीं किया गया है।

रविवार सुबह इवाते प्रांत में आया : भूकंप जापान मौसम विज्ञान एजेंसी के अनुसार, रविवार को आए इस भूकंप का केंद्र इवाते प्रांत का तटीय इलाका था। स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 5:21 बजे जब लोग गहरी नींद में थे, तभी धरती तेज झटकों के साथ कांपने लगी। भूकंप का केंद्र जमीन से 40 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। रिपोर्टों के अनुसार, आमोरी प्रांत के हाचिनोहे शहर में भूकंप की तीव्रता काफी अधिक महसूस की गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इस घटना में किसी के हताहत होने या जान-माल के बड़े नुकसान की खबर नहीं है।

4 दिन में 3 बड़े भूकंपों से दहशत : जापान में पिछले 96 घंटों के दौरान भूकंपों का जो सिलसिला शुरू हुआ है, उसने 2011 की भयावह यादें ताजा कर दी हैं। गुरुवार (25 जून) को उत्तरी जापान के इवाते प्रांत में 7.2 तीव्रता का महाविनाशकारी भूकंप आया था। शुक्रवार (26 जून) की रात को टोक्यो और माउंट फूजी के पास यामानाशी प्रांत में 5.6 तीव्रता का झटका महसूस किया गया। रविवार (28 जून) सुबह एक बार फिर इवाते प्रांत में 6.1 तीव्रता का भूकंप आया।

शुक्रवार के भूकंप ने मचाई थी तबाही : भले ही रविवार के भूकंप में नुकसान की खबर कम है, लेकिन शुक्रवार रात आए भूकंप ने जापान के कई शहरों को

प्रभावित किया था। यामानाशी और कनागावा प्रांतों में कम से कम 6 लोग घायल हुए थे। कनागावा के नाकाई शहर में भारी भूस्खलन हुआ, जबकि फुजियोशिदा में कंक्रीट की दीवारें ढह गई थीं। इस आपदा के कारण करीब 2860 घरों की बिजली गुल हो गई थी और बुलेट ट्रेन सहित कई रेल सेवाओं को घंटों रोकना पड़ा था।

भूकंप के साथ समुद्री तूफान का खतरा : जापान के लिए मुश्किलें यहीं खत्म नहीं हो रही हैं। मौसम विभाग के प्रमुख अयाताका एबिता ने चेतावनी दी है कि अगले दो-तीन दिनों में एक और बड़े भूकंप की 10% से 20% आशंका बनी हुई है। इसके साथ ही, जापान के मुख्य द्वीप होंशू की तरफ दो ट्रॉपिकल तूफान तेजी से बढ़ रहे हैं। भारी बारिश और खराब मौसम के कारण भूकंप से प्रभावित कमजोर इलाकों में बड़े पैमाने पर लैंडस्लाइड का खतरा पैदा हो गया है।

आफ्टरशॉक्स आने का सिलसिला अभी जारी : प्रधानमंत्री सानाए ताकाइची ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पीएम कार्यालय में क्राइसिस मैनेजमेंट सेंटर स्थापित किया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता मानव जीवन को बचाना है।

प्रशासन ने लोगों को क्षतिग्रस्त इमारतों और पहाड़ों के पास वाली सड़कों से दूर रहने की सख्त हिदायत दी है क्योंकि आफ्टरशॉक्स आने का सिलसिला अभी जारी रह सकता है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)